@Qpatrika

@qaumipatrika hindi

instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 27 अगस्त 2024

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 291 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

यूपीआई ने भुगतान के तंत्र को बदला: आरबीआई के गवर्नर

नई दिल्ली, 26 अगस्त। भारतीय रिजर्व बैंक (ऋक्कृ) का यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (ख्रु), जिसे केंद्रीय बैंक की ओर से आसानी से ऋण उपलब्ध कराने के लिए विकसित किया जा रहा है, अपने पायलट चरण में है और जल्द ही इसे पूरे देश में लॉन्च किया जाना है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। केंद्रीय बैंक की इस तकनीक का उद्देश्य ऋणों के मूल्यांकन में लगने वाले समय को कम करना है। साथ ही इसके इस्तेमाल से ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे उधारकर्ताओं के लिए तकनीकी अड़चनों को दूर करना है। आरबीआई गवर्नर ने कहा, आरबीआई ने पिछले साल घर्षण रहित (अड़चनों से मुक्त) ऋण को सक्षम करने के लिए एक तकनीकी मंच शुरू किया था। केंद्रीय बैंक की ओर से यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (ख्रु)का नाम दिया गया है और यह पहल अब भी पायलट चरण में है और इसे नियत समय में लॉन्च किया जाएगा। 90के तहत बेंगलुरु में ग्लोबल डीपीआई और इमर्जिंग टेक कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन भाषण के दौरान आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने ये बातें कही। उन्होंने कहा, यह प्लेटफ़ॉर्म कई डेटा सेवा प्रदाताओं से ऋणदाताओं तक विभिन्न राज्यों के भूमि रिकॉर्ड सहित डिजिटल जानकारी के निर्बाध और सहमति आधारित प्रवाह की सुविधा प्रदान करता है। इससे ऋण मूल्यांकन में लगने वाला समय कम हो जाता है, खासकर छोटे और ग्रामीण उधारकर्ताओं को इससे मदद मिल सकती है। यूएलआई सामान्य और मानकीकृत एपीआई हैं, जिन्हें विभिन्न स्रोतों से सूचना तक डिजिटल पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्लग एंड प्ले दृष्टिकोण से डिजाइन किया गया है। इससे कई तकनीकी एकीकरण की जटिलता कम हो जाती है। यह उधारकर्ताओं को व्यापक दस्तावेज़ीकरण की आवश्यकता के बिना ऋण की निर्बाध डिलीवरी में सक्षम बनाता है। आरबीआई गवर्नर ने कहा, पायलट प्रोजेक्ट से मिले अनुभव के आधार पर, यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई) का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ नियत समय में किया जाएगा।

पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन से की बात, बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर हुई चर्चा

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 26 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से फोन पर बात की। पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर इस बातचीत के बारे में बताया। पीएम ने कहा कि उनके और बाइडन के बीच कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। इनमें बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के हालात और यूक्रेन की स्थिति पर चर्चा सबसे अहम रहीं। पीएम मोदी ने बताया- हमारे बीच यूक्रेन समेत कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर गहन बातचीत हुई। मैंने यूक्रेन में शांति और स्थायित्व के लौटने के प्रति पूर्ण समर्थन जताया। हमने बांग्लादेश की स्थिति पर भी चर्चा की और देश में सामान्य स्थिति के लौटने और अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर भी चर्चा की। गौरतलब है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का दौर नहीं रुक रहा है। इतना ही नहीं सरकारी महकमों, विश्वविद्यालयों और प्रमुख संस्थानों से हिंदु कर्मचारियों को हटाए जाने की भी कई रिपोर्ट्स सामने

आई हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा को लेकर भारत के कई शहरों में जहां प्रदर्शनों का सिलसिला चल रहा है। वहीं अमेरिका के कई शहरों में हिंदु समुदाय इस मामले को लेकर अमेरिका सरकार पर दबाव बनाने में जुटा है। इससे पहले पीएम मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन में थे। इस दौरान उन्होंने न केवल राष्ट्रपति जेलेंस्की से द्विपक्षीय बातचीत की थी, बल्कि यूक्रेन की धरती से इस युद्ध को खत्म करने के लिए कूटनीति और बातचीत के उपायों की खुलकर वकालत की थी। इतना ही नहीं राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी कहा था कि अगर भारत यूक्रेन शांति वार्ता की मेजबानी करता है तो वो आने को लिए तैयार हैं। यूक्रेन के हालात पर भारत और अमेरिका के नेताओं की यह बात ऐसे वक्त हुई जब रूस और यूक्रेन के बीच जंग और तेज होती नजर आ रही है। ध्यान रहे कि पीएम मोदी ने भारत की तरफ से इस युद्ध को खत्म करवाने में हर संभव मदद का भी भरोसा दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने आज जहां क्वाड कुनबे के सहयोगी अमेरिकी राष्ट्रपति से फोन पर बात की तो वहीं उनकी बात क्वाड में शामिल ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज से भी हुई। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, पीएम मोदी और प्रधानमंत्री अल्बनीज ने द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति और बहुराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग के लेकर बात की।

चार हफ्तों के भीतर खुली जेलों की जानकारी दें: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 26 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) को आदेश दिया है कि वे चार हफ्तों के भीतर खुली जेलों के कामकाम के संबंध में पूरी जानकारी प्रदान करें। खुली या अर्ध-खुली जेलों में दोषियों को दोपहर में जेल के बाहर काम करने की अनुमति होती है, ताकि वे आजीविका कमा सकें और शाम को लौट सकें। यह व्यवस्था दोषियों को समाज के साथ घुलने-मिलने और सामान्य जीवन जीने में मदद करने के मकसद से की गई थी। वरिष्ठ वकील के. परमेश्वर ने जस्टिस बी.आर.गवई और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ को बताया कि इस मुद्दे पर कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अभी तक अपनी प्रतिक्रियाएं नहीं दी हैं। परमेश्वर जेलों में भीड़ से जुड़े एक मामले में कोर्ट की मदद कर रहे हैं। पीठ ने कहा कि प्रश्नावली के बावजूद दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब जैसे राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों ने अभी तक खुली जेलों की स्थिति और संचालन के संबंध में चार्ट में जानकारी नहीं दी है। पीठ ने 20 अगस्त के आदेश में कहा, इसलिए, हम निर्देश देते हैं कि वे सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश जिन्होंने अभी तक अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी है, वे आज से चार हफ्तों के भीतर पूरी प्रतिक्रिया (प्रश्नावली में) दाखिल करें।

झारखंड में विधानसभा चुनाव से पहले यशवंत सिन्हा बना सकते हैं नई पार्टी

कौमी संवाददाता

रांची, 26 अगस्त। झारखंड में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, इससे पहले जहां झारखंड मुक्ति मोर्चा से खफा होकर पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने नई राजनीतिक पार्टी बनाने का एलान किया है। वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा भी राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले अपनी नई पार्टी बना सकते हैं।सोमवार को दिल्ली रवाना होने से पहले यशवंत सिन्हा ने पत्रकारों से कहा कि समाज के तमाम वर्गों से परामर्श के बाद जल्द ही अटल विचार मंच (एवीएम) के गठन पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। वहीं इससे पहले रविवार को आयोजित हुई बैठक की अध्यक्षता भाजपा के पूर्व कार्यकारी सदस्य और पूर्व भाजपा सांसद जयंत सिन्हा के प्रतिनिधि सुरेंद्र कुमार सिन्हा ने की और इसमें जयंत सिन्हा और यशवंत सिन्हा दोनों के समर्थक शामिल हुए। जानकारी के मुताबिक दोनों नेताओं के समर्थकों ने नई पार्टी के प्रति उत्साह व्यक्त किया और इसे झारखंड के मतदाताओं के लिए एक

संभावित विकल्प के रूप में देखा। इस बैठक में मौजूद एक समर्थक ने बताया कि यशवंत सिन्हा ने पार्टी का नाम अटल विचार मंच प्रस्तावित किया, जो दिवंगत प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के सिद्धांतों का पालन करेगा। बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे यशवंत सिन्हा ने 1998, 1999 और 2009 में हजारीबाग लोकसभा सीट से लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। 2004 में वे सीपीआई उम्मीदवार भुवनेश्वर मेहता से हार गए थे। वहीं 2014 में, भाजपा ने उनके सबसे बड़े बेटे जयंत सिन्हा को हजारीबाग सीट के लिए नामित किया। हालांकि, हाल के लोकसभा चुनावों में जयंत सिन्हा की जगह मनीष जायसवाल ने चुनाव लड़ा और 2.76 लाख वोटों के अंतर से जीत हासिल की है।

बांग्लादेश से सीख लें... बंटेंगे तो कटेंगे: सीएम योगी

आगरा, 26 अगस्त। आगरा में जन्माष्टमी के अवसर पर सीएम योगी ने दुर्गादास राठौर की प्रतिमा का अनावरण किया। वे तय समय पर ताजगंज के पुरानी मंडी चौराहे पर पहुंचे। राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद उन्होंने कहा कि आगरा के कण कण में कन्हैया का वास है। यहां कला है, आस्था है, समर्पण है, विश्वास है। ये ही राष्ट्र निष्ठा बढ़ाती है। सीएम योगी ने कहा कि समाज, जाति, भाषा के नाम पर बांटने वाली ताकतों से सावधान रहना होगा। दुर्गादास राठौर का यही संकल्प था। सबसे बड़ी सत्ता के सामने जमींदारों के लिए घुटने टेक दिए थे। उनका कोई नाम लेने वाला नहीं है। दुर्गादास का नाम मारवाड़, एमपी में अमर हैं। हमें महापुरुषों का नाम याद रखना होगा। विधायक डॉ. धर्मेश आये थे, 13 को आना था, पर अब आ पाया। 10 साल से मूर्ति मेरा इंतजार कर रही थी। जिस दिन कृष्ण आए, उस दिन लोकार्पण हुआ है।

कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस ने सीट बंटवारे का किया एलान

जम्मू, 26 अगस्त। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा के बाद अब कांग्रेस ने भी अपनी स्थित साफ कर दी है। पार्टी ने घाटी में नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन किया है। इसके तहत कांग्रेस प्रदेश की 32 सीटों पर अपने उम्मीदवारों को उतारेगी। वहीं नेशनल कॉन्फ्रेंस 51 सीटों पर लड़ेगी। इसके अलावा पांच सीटों पर दोनों अपने-अपने प्रत्याशी उतारेंगे। जिसे फ्रेंडली फाइट के तौर पर लड़ा जाएगा। सीट बंटवारे पर राज्य कांग्रेस प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस 51 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, कांग्रेस 32 पर और हम पांच सीटों पर मैत्रीपूर्ण लेकिन अनुशासित मुकाबला करने पर सहमत हुए हैं। इन 88 सीटों के अलावा, हमने एक सीट सीपीआई (एम) और एक सीट पैंथर्स पार्टी के लिए छोड़ी है। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि भाजपा जम्मू-कश्मीर की आत्मा को नष्ट करने की कोशिश कर रही है। हमारे गठबंधन का मुख्य उद्देश्य जम्मू-कश्मीर की आत्मा को बचाना है, इसलिए कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू-कश्मीर में एक ऐसी सरकार बनाने के लिए एक साथ आ रहे हैं जो जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ पूरी तरह से अनुकूल हो। हमने चर्चा की है और हम एक सूत्र पर पहुंचे हैं जिसे अब हमारे नेता साझा करेंगे। हम एक साथ लड़ेंगे, हम जम्मू-कश्मीर जीतेंगे। हम जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाएंगे। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला गांदरबल से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। यह घोषणा रविवार को सांसद सैयद रुहुल्ला मेहदी और पार्टी के संभागीय अध्यक्ष नासिर असलम वानी ने उमर और सांसद मियां अल्ताफ अहमद की उपस्थिति में की।

पूर्व प्राचार्य संदीप घोष पर सीबीआई का शिकंजा

सौरभ शर्मा

कोलकाता, 26 अगस्त। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष का नाम एफआईआर में दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक एजेंसी ने उनके कार्यकाल के दौरान संस्थान में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में एफआईआर दर्ज की है। जिसमें आईपीसी की धारा 120बी (आपराधिक साजिश) को धारा 420 आईपीसी (धोखाधड़ी और बेईमानी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2018 में संशोधित) की धारा 7 के साथ लगाया है, जो एक लोक सेवक की तरफ से अवैध रूप से रिश्वत लेने को दिखाता है। कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक वरिष्ठ वकील ने कहा कि इन सभी मामलों को एक साथ पढ़ने पर ये संज्ञेय अपराध लगते हैं और गैर-जमानती प्रकृति के हैं। इसमें संदीप घोष के अलावा, सीबीआई ने मध्य जोरहाट, बानीपुर, हावड़ा के मेसर्स मा तारा ट्रेडर्स, जेके घोष रोड, बेलगछिया, कोलकाता के मेसर्स ईशान कैफे और मेसर्स खामा लौहा के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। ये मामला राज्य स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव देबल कुमार घोष की तरफ से दर्ज कराई गई लिखित शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई। सीबीआई की तरफ से कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश पर राज्य की तरफ गठित विशेष जांच दल

(एसआईटी) से जांच अपने हाथ में लेने के बाद शनिवार को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। यह आदेश आरजी कर अस्पताल के पूर्व उपाधीक्षक अख्तर अली की याचिका पर जारी किया गया, जिन्होंने संस्थान में कथित वित्तीय कदाचार की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच कराने का अनुरोध किया था। अली ने उच्च न्यायालय का रुख किया था, क्योंकि इस बात को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं कि क्या संस्थान में कथित भ्रष्टाचार का संबंध महिला डॉक्टर की मौत से जुड़ा है, और क्या पीड़िता को इसकी जानकारी थी और इससे मामले के उजागर होने का खतरा था। अख्तर अली ने यह भी आरोप लगाया था कि एक वर्ष पहले राज्य सतर्कता आयोग और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के समक्ष घोष के खिलाफ दर्ज कराई गई उनकी शिकायतों का कोई खास नतीजा नहीं निकला और इसके बजाय उन्हें संस्थान से स्थानांतरित कर दिया गया। उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी याचिका में अली ने घोष पर लावारिस शवों की अवैध बिक्री, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट की तस्करी तथा दवा और चिकित्सा उपकरण आपूर्तिकर्ताओं द्वारा दिए गए कमीशन पर निविदाएं जारी करने का आरोप लगाया। याचिकाकर्ता अली ने यह भी आरोप लगाया कि छात्रों पर परीक्षा पास करने के लिए पांच से आठ लाख रुपये तक की रकम देने का दबाव बनाया गया था। संदीप घोष ने फरवरी 2021 से सितंबर 2023 तक आरजी कर अस्पताल के प्राचार्य के रूप में काम किया।

कंगना रणौत के विवादित बयान पर बरसे राहुल गांधी

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 26 अगस्त। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हिमाचल के मंडी से सांसद कंगना रणौत पर निशाना साधा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल ने सोमवार को कहा कि कंगना का विवादित बयान भाजपा की किसान विरोधी नीति और नीयत का एक और सबूत है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों से किए वादों को पूरा करने में नाकाम मोदी सरकार का दुष्प्रचार तंत्र लगातार किसानों का अपमान करने में जुटा है। गौरतलब है कि भाजपा ने सोमवार को कंगना के उस बयान से किनारा कर लिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि पंजाब में किसान आंदोलन के नाम पर उपद्रवी हिंसा फैला रहे थे और वहां बलात्कार और हत्याएं हो रही थीं। भाजपा ने साफ किया था कि कंगना रणौत भाजपा के नीतिगत मसलों पर बोलने के लिए अधिकृत नहीं हैं और यह बयान उनका निजी था। इसे लेकर राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, किसानों से किए वादों को पूरा करने में नाकाम मोदी सरकार का दुष्प्रचार तंत्र लगातार किसानों का अपमान करने में जुटा

है। 378 दिन चले मैराथन संघर्ष के दौरान 700 साथियों का बलिदान देने वाले किसानों को भाजपा सांसद द्वारा बलात्कारी और विदेशी ताकतों का नुमाइंदा कहना भाजपा की किसान विरोधी नीति और नीयत का एक और सबूत है। उन्होंने कहा कि यह शर्मनाक किसान विरोधी बोल पश्चिमी उत्तरप्रदेश, हरियाणा और पंजाब समेत पूरे देश के किसानों का घोर अपमान है, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। राहुल ने दावा किया, किसान आंदोलन वापस लेते समय बनी सरकारी समिति आज भी ठंडे बस्ते में है, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरकार अपना रूख आज तक साफ नहीं कर सकी, शहीद किसानों के परिवारों को किसी तरह की राहत नहीं दी गई और ऊपर से लगातार उनका चरित्र हनन जारी है। उन्होंने कहा कि अन्नदाताओं का निरादर और उनके मान सम्मान पर हमला करने से किसानों से किया गया मोदी सरकार का धोखा छुप नहीं सकता। कांग्रेस नेता ने कहा, नरेंद्र मोदी और भाजपा कितनी भी साजिश कर लें, इंडिया गठबंधन किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी दिलवा कर रहेगा।

सांसद अभिषेक बनर्जी की बेटी को मिली दुष्कर्म की धमकी

कोलकाता, 26 अगस्त। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना से देशभर में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। वहीं, पूरे मामले पर सियासी पारा चरम पर है। इस बीच, पश्चिम बंगाल बाल अधिकार आयोग ने तृणमूल कांग्रेस के सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की बेटी को दुष्कर्म की मिली धमकी पर संज्ञान लिया है। बता दें, अभिषेक बनर्जी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे हैं। पश्चिम बंगाल बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में नौ अगस्त की घटना को लेकर एक विरोध रैली का सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने कहा कि रैली में शामिल एक व्यक्ति को बनर्जी की नाबालिग बेटी को दुष्कर्म की धमकी देते और ऐसा करने वाले को 10 करोड़ रुपये का इनाम देने की सार्वजनिक घोषणा करते हुए सुना गया। आयोग ने आगे कहा, शरारती तत्व का ऐसा गंदा इरादा और सार्वजनिक रूप से अभद्र टिप्पणी एक नाबालिग बच्ची की गरिमा को ठेस पहुंचाने और उसकी सुरक्षा को खतरे में डालने के बराबर है। पुलिस से यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून, किशोर न्याय कानून और बाल अधिकार संयुक्त राष्ट्र संधि के तहत कार्रवाई करने को कहा है। बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने आगे कहा, जब पूरा राज्य आरजी कर में डॉक्टर के निधन का शोक मना रहा है, उस समय हिसाब बराबर करने के लिए एक और दुष्कर्म का आह्वान करना स्पष्ट रूप से कानून का उल्लंघन है और अगर दंडात्मक उपाय नहीं किए जाते हैं तो समाज को एक खतरनाक संदेश जा सकता है। यह न केवल इस बच्ची बल्कि सभी नाबालिग लड़कियों को खतरे में डाल सकता है।

भीलवाड़ा में मंदिर के सामने आपत्तिजनक चीज फेंकने के मामले में तनाव

नरेश मल्होत्रा

भीलवाड़ा, 26 अगस्त। भीलवाड़ा में रविवार को हनुमान मंदिर के बाहर गाय की कटी पूंछ मिलने की घटना ने शहर में तनाव के परिणामस्वरूप सोमवार को हिन्दू संगठनों की पुलिस प्रशासन के साथ वार्ता हुई। इस वार्ता में पुलिस ने आठ संदिग्धों को डिटेन करने की जानकारी दी। इस सूचना के बाद हिन्दू संगठनों ने अपना धरना समाप्त कर दिया, लेकिन शहर में स्थिति अब भी तनावपूर्ण बनी हुई है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजन दुष्यंत ने हिन्दू संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ हुई वार्ता में बताया कि पुलिस ने मंदिर के आसपास के 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच की है। इस जांच के आधार पर दो व्यक्तियों के संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने के संकेत मिले हैं। कुल आठ लोगों को डिटेन किया गया है। एसपी ने यह भी आश्वासन दिया कि पुलिस इस मामले में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं करेगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वार्ता के दौरान कलेक्ट्रेट के बाहर हिन्दू संगठनों के सैकड़ों कार्यकर्ता एकत्र हो गए और नारेबाजी करने लगे। इस दौरान, कुछ कार्यकर्ताओं ने गायत्री आश्रम और भवानी नगर के इलाकों में दुकानों को बंद कराने का प्रयास किया। वार्ता के समाप्त होने के बाद भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी और महामंडलेश्वर हंसराम महाराज ने एकत्र लोगों को पुलिस द्वारा दी गई जानकारी से अवगत कराया। इसके बाद, गुस्साए युवा कार्यकर्ताओं ने बाजार बंद करवाने के लिए

बस स्टैंड की ओर कूच किया पर पुलिस ने खदेड़ दिया। महामंडलेश्वर हंसराम महाराज ने वार्ता के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि हिन्दू समाज अब जागरूक हो गया है और वह ऐसे कृत्यों को सहन नहीं करेगा। उन्होंने मांग की कि दोषियों की पहचान के बाद उनके खिलाफ यूपी के बुलडोजर मॉडल की तर्ज पर कार्रवाई की जानी चाहिए। विधायक अशोक कोठारी ने भी शहर में शांति बनाए रखने की अपील की, लेकिन युवा कार्यकर्ताओं की भीड़ अविलंब कार्रवाई की मांग पर अड़ी रही। महामंडलेश्वर हंसराम महाराज ने पुलिस से आग्रह किया कि दोषियों की संपत्ति पर बुलडोजर चलाने जैसी कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। महामंडलेश्वर हंसराम महाराज और विधायक अशोक कोठारी की अपील के बावजूद, कुछ कार्यकर्ताओं ने बाजार बंद कराने की कोशिश की। इस दौरान, कृषि मंडी के सामने पुलिस ने भीड़ को समझाने का प्रयास किया, लेकिन जब वे नहीं माने, तो पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को तितर-बितर कर दिया। इसके बावजूद, भीड़ ने परशुराम सर्किल पर फिर से जुटने का प्रयास किया। इस दौरान, अजमेर रोड पर कुछ तोड़फोड़ की घटनाओं की भी खबरें आई हैं। उल्लेखनीय है कि रविवार को बडला चैराहा से भवानी नगर के बीच स्थित वीर हनुमान मंदिर के प्रवेश द्वार पर एक गाय की कटी हुई पूंछ मिली और गाय भी लहूलुहान हालत में पाई गई।

रिटायरमेंट का अभी इरादा नहीं, मेरे बीमार होने की खबरें फेक न्यूज: मायावती

लखनऊ, 26 अगस्त। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि उनका सक्रिय राजनीति से रिटायरमेंट लेने का अभी कोई इरादा नहीं है। मेरे बीमार होने की फेक न्यूज जातिवादी मीडिया की देन है ताकि पार्टी के लोगों का मनोबल गिराया जा सके। इससे पहले भी मुझे राष्ट्रपति बनाने की अफवाह फैलाई गयी थी। बसपा सुप्रीमो ने सोमवार को जारी अपने बयान मे कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर व कांशीराम की तरह ही अपनी ज़िन्दगी की आखिरी सांस तक बसपा व इसके मूवमेन्ट को समर्पित रहने का उनका फैसला अटल है। आकाश आनंद को मेरे नहीं रहने पर

या गंभीर अस्वस्थता की हालत में उत्तराधिकारी के रूप में आगे किया है। तभी से जातिवादी मीडिया, ऐसी फेक न्यूज प्रचारित कर रहा है। पार्टी का लक्ष्य 50 फीसद युवाओं को पदाधिकारी बनाने का है। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि गेस्ट हाउस कांड में कांग्रेस की नीयत खराब हो गई थी। वह प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगाने की साजिश रच रही थी। तब बीमारी की हालत में कांशीराम ने हास्पिटल छोड़कर इनके गृह मंत्री को हड़काया और विपक्ष ने संसद को घेर लिया, तब कांग्रेस सरकार हरकत में आई थी। बसपा सुप्रीमो ने सोमवार को सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में कहा कि सपा ने 2 जून 1995 में बसपा द्वारा समर्थन वापस लेने पर मुझ पर जानलेवा हमला कराया था। इस पर कांग्रेस कभी क्यों नहीं बोलती है? उस दौरान केंद्र में रही कांग्रेस सरकार ने भी समय से अपना दायित्व नहीं निभाया था। दरअसल, उस समय केंद्र की कांग्रेस सरकार की भी नीयत खराब हो चुकी थी। जो कुछ भी अनहोनी के बाद यूपी में राष्ट्रपति शासन लगाकर, पर्दे के पीछे से अपनी सरकार चलाना चाहती थी। उसका यह षड्यंत्र बसपा ने फेल कर दिया था। उस समय सपा के आपराधिक तत्वों से भाजपा सहित समूचे विपक्ष ने मानवता व इन्सानियत के नाते मुझे बचाने में जो अपना दायित्व निभाया, इसकी कांग्रेस को बीच-बीच मे तकलीफ होती रहती है। लिहाजा बसपा समर्थक कांग्रेस से सचेत रहें। मायावती ने कहा कि बसपा वर्षों से जातीय जनगणना के लिए केंद्र में कांग्रेस और भाजपा पर पूरा दबाव बनाती रही है। बसपा वर्षों से इसकी पक्षधर रही है। लेकिन जातीय जनगणना के बाद, क्या कांग्रेस एससी-एसटी व ओबीसी वर्गों का वाजिब हक दिला पायेगी। कांग्रेस एससी-एसटी आरक्षण में वर्गीकरण व क्रीमीलेयर को लेकर अभी भी चुप्पी साधे हुए है, उसका जवाब देझ़ बसपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक

टोंगा में 6.9 तीव्रता का भूकंपें

एजेंसी

सुवा। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने कहा कि सोमवार को स्थानीय समयानुसार 12:29 बजे (0029) टोंगा से 72 किमी पश्चिम पंगाई में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया। किसी के हताहत होने या क्षति की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं थी। यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप का केंद्र 106.7 किमी की गहराई पर 19.755 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 175.041 डिग्री पश्चिम देशांतर पर निर्धारित किया गया था।प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने भूकंप के आधार पर तुरंत सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की। फिजी, टोंगा और वानुअतु जैसे प्रशांत द्वीप देश तथाकथित प्रशांत रिंग ऑफ फायर पर स्थित हैं, जो भूकंप और ज्वालामुखीय क्षेत्रों में आते है जहां महाद्वीपीय प्लेटें अक्सर भूकंपीय गतिविधियों करती हैं।

हिज़्बुल्लाह के हमलों से बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा: इज़रायल

एजेंसी

यरुशलेम। लेबनानी शिया आंदोलन हिजबुल्लाह ने इजरायल के खिलाफ जवाबी हमले शुरू किए हैं, लेकिन वह अपने इच्छित लक्ष्यों को हासिल करने में सफल नहीं हुआ है। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) के प्रवक्ता अविचाय एड्रै ने रूसी न्यूज एजेंसी स्पूतनिक से ये बातें कहीं। श्री एड्रै ने कहा,अपने कमांडरों में से एक फुआद शुक्र की हत्या के जवाब में हिजबुल्लाह ने हमले किये, लेकिन अपने लक्ष्यों को हासिल करने में कामयाब नहीं हुआ। कुछ नागरिक क्षेत्रों में मामूली नुकसान हुआ है।÷ उन्होंने कहा कि अधिकांश लक्ष्यों को रोक दिया गया। इसके लिए विमानन, नौसेना और वायु रक्षा प्रणालियों का उपयोग किया गया और लक्ष्यों को नष्ट होने से रोक दिया गया। हिजबुल्लाह और इजरायल दोनों ओर से रॉकेट दागे गए। हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने पिछले महीने बेरूत में वरिष्ठ कमांडर फुआद शुक्र की हत्या के प्रतिशोध में इजरायल की ओर 320 से अधिक रॉकेट और कई ड्रोन दागे। वहीं, इज़रायली सेना ने कहा कि लगभग 100 युद्धक विमानों ने उत्तरी और मध्य इज़रायल पर निशाना साधते हुए हिज़्बुल्लाह के 1,000 से अधिक प्रक्षेपास्त्रों को नष्ट किया।

पश्चिमोत्तर पाकिस्तान में मुठभेड़ में 02 सैनिक मारे गए, 07 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में दो सैनिक मारे गए और सात अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने चीन की न्यूज एजेंसी को बताया कि यह घटना स्थानीय समयानुसार लगभग 12:20 बजे खैबर जिले के तिराह घाटी क्षेत्र में घटित हुई। सूत्रों ने बताया कि एक कैप्टन सहित सभी घायलों को शुरू में पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें हवाई मार्ग से प्रांतीय राजधानी पेशावर ले जाया गया। हमलावरों की पहचान या किसी आतंकवादी समूह से उनके जुड़ाव का खुलासा नहीं किया गया है।

सिंगापुर के राष्ट्रपति-पीएम से मिले जयशंकर-गोयल समेत चार भारतीय मंत्री, द्विपक्षीय रिश्तों पर चर्चा

एजेंसी

सिंगापुर सिटी । भारत-सिंगापुर के रिश्तों को मजबूत करने और द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के लिए सिंगापुर में भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन हुआ। इसमें भारत के चार केंद्रीय मंत्रियों ने हिस्सा लिया। इससे पहले चारों केंद्रीय मंत्रियों ने सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम और प्रधान मंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की गई।

भारत से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और रेल, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव द्विपक्षीय सहयोग और आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा के लिए दूसरे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज (आईएसएमआर) में भाग लेने सिंगापुर गए हैं। राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया कि बैठक के बाद सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन एस से संयुक्त रूप से मुलाकात करके सम्मानित हूं। उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। भारत-सिंगापुर रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के तरीकों पर उनका मार्गदर्शन चाहेंगे। इसके बाद उन्होंने सिंगापुर के प्रधानमंत्री वोंग से भी मुलाकात की। एस जयशंकर ने भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में प्रधानमंत्री वोंग की निरंतर भागीदारी की सराहना की। गोलमेज सम्मेलन में चारों नेताओं ने अपने सिंगापुर समकक्षों के साथ सितंबर 2022 में नई दिल्ली में हुए सम्मेलन की प्रगति की समीक्षा की। भारत और सिंगापुर के रिश्ते पहले से ही काफी मजबूत हैं। दोनों देश कई वैश्विक मंचों जैसे कि ईस्ट एशिया समिट, जी-20, कॉमनवेल्थ, इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन और इंडियन ओशन नेवल सिम्पोजियम के भी सदस्य हैं। कई अंतराष्ट्रीय विषयों पर भारत और सिंगापुर अपने विचारों की समरूपता प्रदर्शित कर चुके हैं। इतना ही नहीं, दोनों देशों के बीच, 20 से अधिक द्विपक्षीय तंत्र चलते रहते हैं। इसके अलावा, भारत-सिंगापुर के बीच सैन्य अभ्यास भी होते रहते हैं।

बांग्लादेश में अशांति, अंसार ने सचिवालय में अधिकारियों को बंधक बनाया, सेना पहुंची, तब छूटे, छात्रों से झड़प, हिंसा में कम से कम 40 घायल

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने के बावजूद अशांति का ज्वालामुखी ठंडा नहीं पड़ा है। भी राजधानी ढाका में शाम से रात तक हिंसक प्रदर्शन होते रहे। अंतरिम सरकार में शामिल भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के नेताओं के साथ अंसार सिक्योरिट एजेंसी के वर्करों से टकराव के चलते हालात गंभीर हो गए। अंसार सिक्योरिटी एजेंसी को हसीना समर्थक माना जाता है। नियमिति किए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे अंसार एजेंसी के वर्करों ने सचिवालय के कई अधिकारियों को बंधक बना लिया। इस दौरान हुई हिंसा में कम से कम 40 लोग घायल हो गए। बांग्लादेश से छपने वाले समाचार पत्र ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, सचिवालय के पास शाम बाद छात्रों और अंसार सदस्यों के बीच हुई हिंसा में भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के नेता हसनत अब्दुल्ला घायल हो गए। डीएमसीएच पुलिस चौकी प्रभारी इंस्पेक्टर बच्चू मिया ने पुष्टि की कि उन्हें ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। इंस्पेक्टर ने कहा कि झड़पों में छात्रों, अंसार सदस्यों, राहगीरों और पत्रकारों सहित कम से कम 40 लोग घायल हुए हैं।

अखबार के अनुसार, जैसे-जैसे रात चढ़ी, वैसे-वैसे सचिवालय के पास छात्रों और अंसार सदस्यों के बीच झड़पें तेज होती गईं। रात नौ बजे के बाद तो दोनों एक-दूसरे को दौड़ा-दौड़ा कर दबोचने लगे। हालात अनियंत्रित होते ही रात करीब 10 बजे सेना पहुंची। सैनिकों की मौजूदगी के बावजूद छात्रों और अंसार सदस्यों के बीच गोलीबारी होती रही। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग किया। इसके बाद, अंसार के अधिकांश सदस्य जीरो प्वाइंट से बाहर निकल गए। सचिवालय के आसपास का क्षेत्र तब हजारों छात्रों के नियंत्रण में आ गया। सचिवालय के गेट पर सेना के जवान तैनात किए

गए। छात्र किसी भी साजिश का विरोध करने की कसम खाते हुए नारे लगाते रहे। ढाका विश्वविद्यालय के छात्र अतीक हुसैन ने कहा कि अंसार सदस्यों की शुरुआती मांगें पूरी कर दी गई थीं, लेकिन अब वे एक अनुचित मांग के साथ स्थिति को जटिल बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके कार्यों के पीछे कोई साजिश हो सकती है, खासकर देश में चल रहे संकट को देखते हुए। रात करीब साढ़े दस बजे सलाहकार नाहिद इस्लाम और आसिफ महमूद सचिवालय से बाहर आए और उत्तेजित छात्रों से शांत रहने का आग्रह किया। उन्होंने छात्रों को आश्वासन दिया कि उन पर हमला करने वाले अंसार सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, इससे पहले दिन में ढाका विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों के छात्रों ने सचिवालय तक मार्च किया। इसके बाद राजू मेमोरियल स्कल्पचर पर जुटे। इस दौरान छात्रों को सूचना मिली कि अंसार सदस्यों ने अंतरिम सरकार में सलाहकार और भेदभाव विरोधी छात्रों के आंदोलन के समन्वयक नाहिद इस्लाम को सचिवालय में समन्वयक सरजिस आलम, हसनत अब्दुल्ला और अन्य के साथ हिरासत में ले लिया। इसके बाद हिंसक झड़प शुरू हो गई।

हसनत अब्दुल्ला ने फेसबुक पोस्ट में प्रदर्शनकारी अंसार सदस्यों की मांगें पूरी होने के बावजूद सचिवालय की लगातार नाकाबंदी के लिए अंसार के पूर्व महानिदेशक मेजर जनरल एकेएम अमीनुल हक को दोषी ठहराया। हसनत ने सभी से ढाका विश्वविद्यालय में राजू मेमोरियल मूर्तिकला के सामने इकट्ठा होने का भी आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि एकेएम अमीनुल हक पूर्व जल संसाधन उप मंत्री एकेएम इनामुल हक शमीम के बड़े भाई हैं। अंतरिम सरकार के गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) जहांगीर आलम चौधरी से आश्वासन मिलने के बाद अंसार सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन बंद कर दिया। अंसार सदस्य अपनी नौकरियों के राष्ट्रीयकरण की मांग को लेकर दो दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इस बीच सूचना है कि अंसार के कुछ सदस्यों ने प्रशासन के अधिकारियों को सचिवालय के अंदर लगभग दस घंटे तक बंधक बनाए रखा। पुलिस और सेना के घटनास्थल पर पहुंचने पर रात 10ः30 बजे सचिवालय के गेट नंबर तीन को खोलने के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। आखिर क्या है अंसारः बांग्लादेश में अंसार एक ग्राम रक्षा बल है। इसे अंसार बाहिनी या अंसार वीडीपी के रूप में भी जाना जाता है। बांग्लादेश में यह आंतरिक सुरक्षा और कानून प्रवर्तन के संरक्षण के लिए जिम्मेदार एक अर्धसैनिक सहायक बल है। यह बांग्लादेश सरकार के गृह मंत्रालय से प्रशासित होता है।

इजरायल ने लेबनान में बरसाई मिसाइलें, हिजबुल्लाह के रॉकेट हमलों का दिया मुंहतोड़ जवाब

एजेंसी

यरूशलम। इजराइली सेना ने शिया मिलिशिया हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाकर रविवार तड़के दक्षिणी लेबनान में हवाई हमले किए, जिसके कुछ ही देर बाद हिजबुल्लाह ने बड़ी संख्या में रॉकेट ओर ड्रोन दागकर इजराइल पर हमला किए जाने की घोषणा की। इस बीच, मिस्र गाजा में 10 महीने पुराने इजराइल-हमास युद्ध में संघर्ष विराम कराने के लिए उच्च स्तरीय वार्ता की मेजबानी कर रहा है, जिससे उम्मीद है कि क्षेत्रीय तनाव कम होगा।

इजराइली सेना ने कहा कि उसने इसलिए हमला किया क्योंकि हिजबुल्लाह इजराइल की ओर रॉकेट और मिसाइलों की भारी बौछार करने की योजना बना रहा था। इसके तुरंत बाद, हिजबुल्लाह ने घोषणा की कि उसने पिछले महीने बेरूत में एक इजरायली हवाई हमले में अपने संस्थापक सदस्यों में से एक फौद शुकुर की हत्या के जवाब में इजरायली सैन्य ठिकानों पर हमला किया था। इसके कुछ ही देर बाद हिजबुल्लाह ने रविवार सुबह घोषणा की कि उसने बेरूत में उसके शीर्ष कमांडर फौद शुकूर की हत्या का बदला लेने के लिए बड़ी संख्या में ड्रोन दागकर इजराइल पर हमला

किया है। ये हमले ऐसे समय में किए गए हैं जब मिस्र हमास के खिलाफ इजराइल के युद्ध को समाप्त करने के लिए नए दौर की वार्ता की मेजबानी कर रहा है। हिजबुल्ला ने कहा है कि गाजा में युद्ध विराम समझौता होने पर वह युद्ध रोक देगा। ईरान हमास और हिजबुल्लाह के अलावा सीरिया, इराक और यमन में भी चरमपंथियों का समर्थन करता है, जिनके व्यापक संघर्ष में शामिल होने की आशंका है। लेबनान में इजराइली हवाई हमलों के बाद तेल अवीव के बाहर स्थित इजराइल के बेन गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आने वाली उड़ानों का मार्ग परिवर्तित कर दिया गया तथा अन्य विमानों के उड़ान भरने में देरी हुई। इजराइल के हवाई अड्डा प्राधिकरण ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजे उड़ानों का परिचालन बहाल हो गया।

इजराइली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने कहा कि दक्षिणी लेबनान में दर्जनों युद्धक विमानों ने लक्ष्यों पर हमले किए। उन्होंने कहा कि हवाई सुरक्षा, युद्धपोत और युद्धक विमान इजराइल के हवाई क्षेत्र की रक्षा कर रहे हैं और इस अभियान में शामिल हैं। इस बीच, हिजबुल्ला ने कहा कि उसने इजराइल में कई जगहों पर 320 से अधिक कत्युशा रॉकेट और बड़ी संख्या में ड्रोन दागे।

भूस्खलन की चपेट में आए तीन घरों में रहने वाले 10 लोगों की मौत, 6 शव बरामद

एजेंसी

काठमांडू। रामेछाप जिले के शैलुंग में आज सुबह हुए भूस्खलन में तीन घरों के चपेट में आने से उन घरों में रहने वाले सभी 10 लोगों की मौत हो गई है। हालांकि राहत तथा बचाव कार्य में लगे सुरक्षाबलों ने अब तक 6 शव ही बरामद किया है। मलबा हटाने का काम चल रहा है।

जिला पुलिस कार्यालय रामेछाप के सूचना अधिकारी कौशल न्यौपाने के अनुसार अब तक जिनका शव बरामद किया जा चुका है उनकी पहचान 57 वर्षीया उर्मिला पहाड़ी, 30 वर्षीय संदीप पहाड़ी, 11 वर्षीय संतोष पहाड़ी, 14 वर्षीय विज्ञान पहाड़ी, 30 वर्षीय चंडिका श्रेष्ठ और उनके 18 महीने के बेटे आयुष श्रेष्ठ के रूप में हुई है।

जिला पुलिस कार्यालय के अलावा घटनास्थल के पास रहे टोकरपुर और दोरम्बा से पुलिस तथा सेना को खोज और बचाव के लिए घटनास्थल पर भेजा गया है।

इस भूस्खलन की चपेट में शैलुंग के वार्ड नंबर 2 और 3 को जोड़ने वाला अंधेरी नदी का कंक्रीट पुल भी बह गया है। पुलिस के

मुताबिक, सुबह 3:35 बजे जिला पुलिस कार्यालय में सूचना मिली कि भूस्खलन से गांव के कुछ घरों को नुकसान पहुंचा है। इससे पहले टोकरपुर और दोरम्बा से पुलिस टीम मौके के लिए रवाना हो चुकी थी। लेकिन पुलिस को मौके पर पहुंचने में देर हो गई क्योंकि रास्ते में अंधेरी नदी पर बना पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया था।

जाम्बिया में खदान धंसने से 8 लोगों की मौत

एजेंसी

लुसाका। जाम्बिया के लुसाका प्रांत के चोंगवे जिले में एक बजरी खदान ढहने से कम से कम आठ खनिकों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता, राय हामूंगा ने कहा कि यह दुर्घटना सुबह हुई जब श्रमिकों ने बजरी लोड करना समाप्त कर दिया था। उन्होंने कहा कि बचाए गए चालक ने पुलिस को सूचित किया कि घटनास्थल पर नौ से ज्यादा लोग थे। प्रवक्ता ने बताया कि बचाव दल आठ शवों को निकालने में सफल रहा है जबकि अन्य पीड़ितों की तलाश जारी है।

यमन में नाव पलटने से 13 लोगों की मौत, 14 लापता

एजेंसी

अदन। यमन के तट पर प्रवासियों की एक नाव के पलटने से कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई है तथा 14 अन्य लापता हैं।

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने यह जानकारी दी। आईओएम की रिपोर्ट के अनुसार यह नाब जिबूती से रवाना हुयी थी और 25 इथियोपियाई प्रवासियों तथा दो यमनी नागरिकों को लेकर जा रही थी। इस दौरान मंगलवार को बानी अल-हकम उप-जिले में डुबाब जिले के निकट यह पलट गयी। आईओएम ने कहा कि मृतकों में 11 पुरुष तथा दो महिलाएं शामिल हैं, जिनके शव बरामद कर लिए गए हैं। शेष लापता व्यक्तियों का पता लगाने के लिए तलाश अभियान अभी भी जारी है। नाव के डूबने का कारण का अभी भी पता नहीं चल पाया है। आईओएम यमन के कार्यवाहक मिशन प्रमुख मैट ह्यूबर ने कहा, यह नवीनतम त्रासदी इस मार्ग पर प्रवासियों द्वारा सामना किए जाने वाले खतरों की एक कठोर याद दिलाती हैज् यह आवश्यक है कि हम इन विनाशकारी नुकसानों को सामान्य न मानें, तथा इसके बजाय यह सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करें कि प्रवासियों को उनकी यात्रा के दौरान सुरक्षा तथा सहायता मिले।÷

उन्होंने कहा कि बार-बार चेतावनी और हस्तक्षेप के बावजूद, यमन के तटवर्ती जलक्षेत्र में खतरनाक दर से लोगों की जान जा रही है।असुरक्षित प्रवासी, जो अक्सर सुरक्षा और अवसर की तलाश में खाड़ी देशों में हताश परिस्थितियों से भागते हैं, अक्सर तस्करी नेटवर्क द्वारा उनका शोषण किया जाता है और उन्हें खतरनाक परिस्थितियों में धकेल दिया जाता है।

आईओएम के विस्थापन ट्रैकिंग मैट्रिक्स ने 2023 में यमन में 97,200 से अधिक प्रवासियों के आगमन को दर्ज किया है, जो पिछले वर्ष की संख्या से अधिक है। यमन में चल रहे संघर्ष और बिगड़ती परिस्थितियों ने कई प्रवासियों को फंसा दिया है। बुनियादी सेवाओं तक उनकी पहुंच सीमित है और हिंसा तथा शोषण का लगातार सामना करना पड़ रहा है। आईओएम सभी हितधारकों से समर्थन बढ़ाने और संघर्ष, गरीबी और जलवायु संबंधी चुनौतियों सहित अनियमित प्रवास को बढ़ावा देने वाले मूल कारणों को संबोधित करने का आह्वान कर रहा है।

बलूचिस्तान में बड़ा हमला : अज्ञात हमलावरों ने लोगों को बसों से उतार गोलियों से भूना, 23 की मौत

एजेंसी

बलूचिस्तान। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक बार फिर से आतंक का कहर बरपा, जब अज्ञात हमलावरों ने यात्रियों को बसों से उतारकर गोलियों से भून डाला। इस भीषण हमले में 23 लोगों की मौत हो गई है। यह घटना बलूचिस्तान के मूसाखेल जिले में हुई, जहां हमलावरों ने एक सुनियोजित हमले में निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया।

कथित तौर पर अज्ञात हमलावरों ने वाहनों को रोका, पहचान की जाँच की और यात्रियों पर गोलियाँ चलाईं। यह घटना सोमवार सुबह हुई। बलूचिस्तान में स्थिति अस्थिर बनी हुई है, जिससे क्षेत्र की स्थिरता और सुरक्षा को लेकर चिंताएँ बनी हुई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावरों ने कुछ बसों को रोककर उनमें सवार यात्रियों को जबरन नीचे उतार लिया। इसके बाद उन्होंने इन लोगों पर अंधाधुंध फायरिंग की, जिससे मौके पर ही 23 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। हमलावर घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो गए। स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा बलों को घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भेजा गया। घटनास्थल पर पहुंचकर उन्होंने घायल यात्रियों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

दक्षिण कोरिया में एमपॉक्स के 11 मामले आए सामने, नए वेरिएंट के नहीं मिले निशान

एजेंसी

सोल । दक्षिण कोरिया में इस साल अब तक एमपॉक्स के ग्यारह मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, सभी मामले कम घातक क्लेड द्ध्द्ध वैरिएंट के थे। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, कोरिया रोग नियंत्रण एवं रोकथाम एजेंसी (केडीसीए) ने कहा कि पिछले महीने एमपॉक्स के कुछ नए केस सामने आए। एमपॉक्स के घातक वेरिएंट के रोकथाम के लिए बॉर्डर्स पर स्क्रीनिंग को मजबूत किया गया। दक्षिण कोरिया में पिछले साल 151 एमपॉक्स मामले सामने आए थे। ग्रेटर सोल क्षेत्र में एमपॉक्स की चपेट में आए अधिकांश मरीज 20 से 40 वर्ष की आयु के पुरुष थे। बताया गया कि संक्रमित त्वचा के संपर्क में आने से संक्रमण का शिकार हुए।एजेंसी ने कहा कि सांस संबंधी बीमारियों के विपरीत, एमपॉक्स का रोजमर्रा की गतिविधियों के माध्यम से फैलना संभव नहीं है। एजेंसी ने जनता से अपील की है कि वह स्वच्छता बनाए रखें। केडीसीए ने कहा, एमपॉक्स एक ऐसी बीमारी है, जिसे रोका जा सकता है और इसका उपचार भी संभव है। हमारा मानना ??है कि बीमारी की कुछ जरूरी नियमों को अपनी दिनचर्या में शामिल कर हम इस बीमारी से बच सकते हैं। एजेंसी ने कहा कि सरकार एमपॉक्स के नए वेरिएंट को लेकर मॉनिटरिंग जारी रखेगी। इस महीने की शुरुआत में, केडीसीए ने एमपॉक्स को दोबारा संक्रामक रोग श्रेणी में डालने का फैसला किया। बता दें कि आठ अफ्रीकी देशों - रवांडा, बुरुंडी, युगांडा, इथियोपिया, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, केन्या, कांगो और कांगो गणराज्य - का दौरा करने वाले लोगों को रिपोर्ट करना आवश्यक है यदि उनमें एमपॉक्स से संबंधित लक्षण जैसे कि बुखार, मांसपेशियों में दर्द और सूजे हुए लिम्फ नोड्स दिखाई देते हैं।

इज़रायल ने 240 बम शेल्टर खोले, समुद्र तट बंद किए

एजेंसी

तेल अवीव। इज़रायल और लेबनान के हिजबुल्लाह के बीच सीमा पार से गोलीबारी के बाद तेल अवीव नगरपालिका ने रविवार को निवासियों के लिए सभी 240 सार्वजनिक बम आश्रय स्थल खोल दिए, तैराकी के लिए सार्वजनिक समुद्र तट बंद कर दिए और आज के लिए निर्धारित सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए।

नगरपालिका ने एक बयान में कहा, उत्तर में उपजी सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर और होम फ्रंट कमांड के आदेश से सुबह नगर पालिका ने सभी सार्वजनिक नगरपालिका आश्रय स्थल खोल दिए।

तेल अवीव-याफो शहर में पूरे शहर में 240 सार्वजनिक आश्रय स्थल हैंज् आदेश के अनुसार कमांड, सांस्कृतिक संस्थान और तैराकी समुद्र तट बंद कर दिए गए हैं, इसके अलावा, तेल अवीव शहर में आज होने वाले सभी नगरपालिका कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। इस बीच हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने पिछले महीने बेरूत

में एक वरिष्ठ कमांडर की हत्या के प्रतिशोध में इज़रायल की ओर 320 से अधिक रॉकेट और दर्जनों ड्रोन दागे, जिससे 11 इज़राइली सैन्य ठिकानों पर हमला हुआ।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

रूस हमले में यूक्रेन के 4 लोगों की मौत, 37 घायल

एजेंसी

कीव। रूसी सेना ने एक बार फिर यूक्रेन को निशाना बनाया है। रूस ने उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी यूक्रेन पर हमले किए हैं। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई और 37 लोग घायल हो गए। यूक्रेन की सेना और स्थानीय अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है।

यूक्रेन की वायुसेना ने रविवार को मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर बताया कि रूस ने यूक्रेन के सीमावर्ती क्षेत्रों चेर्निहिव, सुमी, खार्किव और डोनेट्स्क में रात भर हमले किए।

स्थानीय अधिकारियों ने टेलीग्राम पर बताया कि सुमी के उत्तरी क्षेत्र पर मिसाइल से हमला किया गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए। इनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं।

इसके अलावा खार्किव क्षेत्र के गवर्नर ओलेह सिनेहुबोव ने जानकारी देते हुए बताया कि रूसी हमलों में 13 लोग घायल हुए हैं, जिनमें एक चार वर्षीय बच्चा भी है।

वहीं, खार्किव के मेयर इगोर तेरेखोव ने कहा कि रूसी हमलों के कारण शहर की एक गैस पाइपलाइन तबाह हो गई है। इसके अलावा 10 घरों को भी नुकसान

पहुंचा है। इनमें से दो घर पूरी तरह तबाह हो गए हैं।

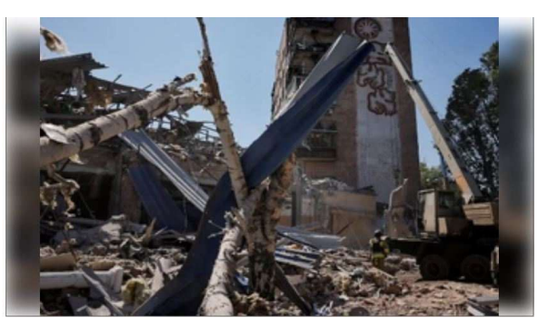

यूक्रेनी वायु सेना ने एक बयान में कहा कि रूस ने नौ हमलावर ड्रोन को लॉन्च किया था। इनमें से आठ ड्रोन को यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली ने मायकोलाइव क्षेत्र में मार गिराया गया है।

वायु सेना ने कहा, ज्यादातर मिसाइलें अपने लक्ष्यों तक नहीं पहुंच पाई, लेकिन रूस ने एक इस्केंडर-एम बैलिस्टिक मिसाइल, एक इस्केंडर-के क्रूज मिसाइल और छह गाइडेड एयर मिसाइल को लॉन्च किया था। हालांकि, यूक्रेन ने यह नहीं बताया है कि इनमें से कितनी मिसाइलों को मार गिराया है।

खेरसॉन के सैन्य प्रशासन के प्रमुख रोमन मरोचको के अनुसार, खेरसॉन के दक्षिणी क्षेत्र में रूसी हमले दिनभर जारी रहे। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। फिलहाल, इस हमले पर रूस की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं है। बता दें कि रूस लगातार यूक्रेन के सीमावर्ती क्षेत्रों को निशाना बना रहा है। इस बीच कीव ने कहा कि यूक्रेनी सेना द्वारा रूस के कुर्स्क क्षेत्र में इस महीने की शुरुआत में किए गए हमले का उद्देश्य मॉस्को के हमलों को रोकना था।

पीडब्ल्यूडी के नाले में डूबने से बच्ची की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के अलीपुर थाना इलाके के अकबरपुर में 5 वर्षीय बच्ची की पीडब्ल्यूडी के नाले में डूबने से मौत हो गई है। इस घटना से परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि पीडब्ल्यूडी विभाग की लापरवाही के चलते बच्ची की नाले में डूबने से दर्दनाक मौत हुई हे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित परिवार का कहना है कि वो अपने खेत में काम करने के लिए गया था। जहां उनके 4 बच्चे भी खेल रहे थे। कुछ देर बाद बच्चे खेल कर वापस आ गए, लेकिन मुस्कान वापस नहीं आई। मुस्कान को कई घंटे तक परिवार ने ढूंढा, लेकिन जब बच्ची नहीं मिली तो परिवार ने खेत के पास खुले पड़े पीडब्ल्यूडी के नाले में लाठी से कई बार पानी को खंगाला, जिसके बाद बच्ची का शव ऊपर आ गया। पीड़ित परिवार ने इस बात की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद अलीपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

इस हादसे के बाद से परिवार सदमे में है। परिवार का आरोप है कि नांले में डूब कर बच्ची की मौत हुई है, यह हादसा नहीं बल्कि पीडब्ल्यूडी विभाग की लापरवाही है। क्योकि पीडब्ल्यूडी का नाले कई वर्षो से खुला पड़ा है। उसके ऊपर कोई स्लैब नहीं डाला गया है।

पुलिस ने हथियार तस्करों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दिल्ली एनसीआर में अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले एक गैंग का भंडाफोड़ किया है। मध्य प्रदेश के खरगोन से अवैध हथियार खरीद कर दिल्ली एनसीआर के राज्यों में सप्लाई करने वाले इस रैकेट के दो प्रमुख सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके पास से .32 बोर की 8 अवैध देशी पिस्तौल बरामद हुई हैं। आरोपितों की पहचान अरविंद कुमार उर्फ संजय (45) हरदोई (उप्र) और विनोद कुमार (48) शिकोहाबाद (फिरोजाबाद उप्र) के रूप में की गई है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के डीसीपी अमित कौशिक के मुताबिक ट्रांस यमुना रेंज के एसीपी कैलाश सिंह बिष्ट की कड़ी निगरानी में इंस्पेक्टर राहुल कुमार और विनीत कुमार तेवतिया के नेतृत्व में इस अवैध हथियार सप्लायी रैकेट का पर्दाफाश किया गया है। पुलिस टीम को खुफिया जानकारी मिली थी कि दिल्ली में अवैध हथियारों की सप्लाई होने वाली है। इसके लिए दो हथियार तस्कर इसकी खेप पहुंचाने के लिए आगरा कैनाल रोड, जैतपुर के दिल्ली सर्विस रोड के इंडेन गैस डिपो के पास पहुंचेंगे। टीम ने आरोपितों को दबाचने के लिए जाल बिछाया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

हत्या के प्रयास के मामले में आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल ने उत्तर पूर्वी जिले के न्यू मुस्ताबाद इलाके में हत्या के प्रयास के एक मामले को 24 घंटे के भीतर सुलझाने का दावा किया है। न्यू मुस्ताबाद इलाके में 23 अगस्त की रात को उमैर नाम के एक शख्स पर 5 लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया था। इस हमलावर ग्रुप के मुख्य आरोपित को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान अल्तमस (25) न्यू मुस्तफाबाद (दिल्ली) के रूप में की गई है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी अमित गोयल के मुताबिक पीड़ित उमैर और मुख्य आरोपित अल्तमस के बीच 21 अगस्त को किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। इसके बाद आरोपित अल्तमस ने अपने अन्य साथियों फैसल, समीर, अमन और फाजिल के साथ मिलकर 23 अगस्त की देर रात में उमैर पर गोलीबारी की थी।

नोएडा पोस्टमार्टम हाउस कांडः लाशों के बीच रंगरेलियां मनाने वाली महिला गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-126 स्थित पोस्टमॉर्टम हाउस में हुए अश्लील कृत्य के मामले में एक नया मोड़ आ गया है। पुलिस ने इस मामले में चौथे आरोपी, एक महिला को गिरफ्तार कर लिया है। यह महिला वायरल वीडियो में एक कर्मचारी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखाई दे रही थी। इस चौंकाने वाले मामले ने पूरे उत्तर प्रदेश में हलचल मचा दी है। वायरल वीडियो में एक सफाईकर्मी शेर सिंह को एक महिला के साथ अश्लील हरकतें करते हुए दिखाया गया था। यह घटना 6 या 7 अगस्त की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिला बरौला गांव की रहने वाली है और विधवा है। जांच में पता चला है कि शेर सिंह की इस महिला से पहले से जान-पहचान थी और वह पूर्व में भी उसके साथ पोस्टमॉर्टम हाउस समेत अन्य जगहों पर जा चुकी थी। इस मामले में अब तक कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मुख्य आरोपी शेर सिंह के अलावा, वीडियो बनाने वाले परवेंदर और मोबाइल उपलब्ध कराने वाले एंबुलेंस चालक भानू को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग ने पोस्टमॉर्टम हाउस की सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा करने के निर्देश दिए हैं। अब डॉक्टरों और फार्मासिस्टों को सुबह 10 बजे से ही पोस्टमॉर्टम हाउस में उपस्थित रहना होगा। साथ ही, गार्डों की संख्या बढ़ाकर चार या छह करने का प्रस्ताव है। पोस्टमॉर्टम हाउस में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और कर्मचारियों के मोबाइल नंबर भी प्रदर्शित किए जाएंगे ताकि परिजन आवश्यकता पड़ने पर संपर्क कर सकें। सफाईकर्मियों के प्रवेश पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी।

अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु व्यापार पर बैठक की अध्यक्षता की डॉ. जितेंद्र ने

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा है कि गगनयान मिशन से भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में शामिल होने के लिए तैयार हैं और यह मिशन भारत-अमेरिका अंतरिक्ष सहयोग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

डॉ. सिंह अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु वाणिज्य पर द्विपक्षीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका अंतरिक्ष सहयोग के तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में शामिल होने के लिए तैयार हैं। बैठक में उच्च स्तरीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिकी राष्ट्रपति के अंतर्राष्ट्रीय जलवायु नीति के वरिष्ठ सलाहकार जॉन पोडेस्टा और अमेरिकी ऊर्जा विभाग के उप सचिव डेविड टर्क कर रहे थे।

मंत्रालय की जारी विज्ञप्ति के अनुसार बैठक का समापन दोनों देशों द्वारा उभरती प्रौद्योगिकियों में अपने

सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि के साथ हुआ, जिसमें आर्थिक विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रौद्योगिकी प्रगति में वैश्विक नेतृत्व को बढ़ाने में आपसी हितों का समावेश जैसे विषय शामिल थे। डॉ सिंह ने बैठक में कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और एसएमआर सहयोग के माध्यम से भारत वैश्विक जलवायु लक्ष्य की प्राप्ति में योगदान करेगा। डॉ सिंह के पास प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन विभाग के राज्य मंत्री की भी जिम्मेदारी है। मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार डॉ. सिंह ने ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को भारी उद्योग, परिवहन और बिजली उत्पादन को कार्बन मुक्त करने की भारत की रणनीति की आधारशिला बताया। सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. ए. के. सूद ने भारत-अमेरिका साझेदारी के महत्व को दोहराते हुए कहा कि यह केवल ज्ञान के आदान-प्रदान के संबंध में नहीं है, बल्कि ऐसे समाधानों का सह-निर्माण करने के बारे में है जो भविष्य को साकार रूप प्रदान करेंगे। उन्होंने सतत विकास और आर्थिक समृद्धि के लिए नए रास्ते प्रशस्त करने के लिए सहयोग की क्षमता पर जोर दिया।

पृथ्वी विज्ञान सचिव डॉ. रवि चंद्रन ने समुद्री ऊर्जा और कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस) प्रौद्योगिकियों में साझेदारी की प्रगति पर प्रकाश डाला, जबकि जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ. राजेश गोखले ने बायोमास से ऊर्जा रूपांतरण और पहली और दूसरी पीढ़ी के जैव ईंधन के सफल कार्यान्वयन पर भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित किया।

आप पार्षदों की बगावत के बाद कांग्रेस ने कहा, 'हमारा मत निष्पक्ष रहेगा'

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन टूट चुका है। इसका असर अब दिल्ली नगर निगम में भी देखने को मिल सकता है। कांग्रेस के मुताबिक, नगर निगम वार्ड समिति और स्थायी समिति की चुनाव प्रक्रिया में कांग्रेस अपना मत निष्पक्ष रखेगी।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी के पांच निगम पार्षद भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। इस घटनाक्रम पर कांग्रेस का कहना है कि जनता के बीच आम आदमी पार्टी की साख खत्म होती जा रही और इसका फायदा भाजपा ने उठाया है, और प्रलोभन देकर इन पांच पार्षदों को अपनी पार्टी में शामिल कर लिया।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव के मुताबिक, दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति के गठन और वार्ड समितियों पर कब्जा करने के लिए भाजपा यह पैंतरा अपना रही है। अगले सप्ताह निगम में पहले वार्ड कमेटी और फिर स्थायी समिति के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। उन्होंने कहा कि निगम में आम आदमी पार्टी के सत्ता में आने के दो वर्षों से स्थायी समिति और वार्ड समितियों का गठन नहीं होने के कारण दिल्ली में सफाई व्यवस्था और कॉलोनियां में अन्य विकास के काम पूरी तरह से रुके हुए हैं।

यादव ने कहा कि कांग्रेस अपना मत निष्पक्ष रखेगी। हमारे 9 पार्षद कांग्रेस की विचारधारा के अनुसार कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच राजनीतिक लड़ाई दिल्ली में जनता से जुड़े हर मुद्दे पर दिखाई दे रही है, लेकिन जनता का हित, उनको अधिकार और सुविधाएं दिलाने के लिए कोई काम नहीं कर रहा है। काम न करने की शैली के कारण प्रशासनिक अधिकारियों को भी राजनीति में शामिल किया जा रहा है। देवेन्द्र यादव का कहना है कि मुख्यमंत्री की जमानत याचिका पर सुनवाई की तारीख अगले महीने के लिए टल गई। इसके बाद आम आदमी पार्टी के विधायकों और पार्षदों के विश्वास की कमी आई है। अधिकतर 'आप' नेता जेल से बाहर आए मनीष सिसोदिया की पदयात्रा से भी नाखुश दिखाई दे रहे हैं।

सरकार ने लोगों से फर्जी ई-मेल और ई-नोटिस से सावधान रहने की अपील की

एजेंसी

नई दिल्ली। फर्जी ई-मेल और फर्जी ई-नोटिस से संबंधित धोखाधड़ी के बढते मामलों के मद्देनजर सरकार ने एक बार फिर लोगों को आगाह किया है कि वे इस तरह की फर्जी मेल और ई-नोटिस से सावधान रहें और इनका जवाब देने के बजाय तुरंत इसकी शिकायत साइबर अपराध समन्वय केन्द्र की वेबसाइट पर करें।

साइबर अपराध में जुटे शातिर साजिशकर्ता आम लोगों को तो निशाना बनाते ही हैं, वे गृह मंत्रालय की विभिन्न जांच एजेन्सियों से जुड़े लोगों तक को भी इस तरह के फर्जी मेल भेजकर ठग रहे हैं। इसे देखते हुए सरकार लोगों को समय समय पर परामर्श और चेतावनी जारी कर लोगों को इस तरह के फर्जी मेल और ई नोटिस से सावधान रहने की अपील करती रहती है।

सरकारी सुरक्षा तंत्र की ओर से एक बार फिर कहा गया है कि साइबर धोखाधड़ी करने वाले ठग लोगों को विभिन्न जांच एजेन्सियों की मुहर के साथ उनके लैटर पैड पर फर्जी ई-मेल और ई-नोटिस भेजकर उन पर 'चाइल्ड पोर्नोग्राफी', बाल यौन शोषण और पोर्नोग्राफी जैसे कृत्यों में शामिल होने का आरोप लगा रहे हैं। इन फर्जी ई-नोटिस और ई-मेल में

इन लोगों को दंडात्मक कार्रवाई का भय दिखाकर इनसे पैसे ऐंठे जा रहे हैं । नोटिस में कहा जाता है कि आप अगले 24 घंटे में उनके कहे अनुसार सहयोग करें, वरना उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

जांच एजेन्सियों का कहना है कि लोगों को इस तरह के मेल और नोटिस का जवाब नहीं देना चाहिए और जांच एजेन्सियों को तत्काल इसकी सूचना देनी चाहिए। उनका कहना है कि जांच एजेन्सी कभी भी इस तरह के ई-मेल या ई- नोटिस नहीं भेजती है। लोगों को इस तरह की मेल या नोटिस मिलने पर जांच एजेन्सी को फोन कर इस बारे में जानकारी लेनी चाहिए कि उन्हें इस तरह का मेल मिला है क्या यह सही है। लोग इस तरह के मेल मिलने पर साइबर अपराध हेल्पलाइन नम्बर 1930, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र की वेबसाइट, या नजदीकी पुलिस स्टेशन अथवा पुलिस नियंत्रण कक्ष में इसकी शिकायत कर सकते हैं।

सरकार ने गत जुलाई में भी इस बारे में विस्तार से परामर्श जारी कर लोगों से इस तरह के फर्जी मेल और ई-नोटिस से सतर्क रहने की अपील की थी।

मोदी सरकार ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम लाकर किया देश के कर्मचारियों के साथ धोखा : 'आप'

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की ओर से लाई गई यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को देश के कर्मचारियों के साथ धोखा बताया है।

'आप' के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने यूपीएस पर प्रतिक्रिया देते हुए आज कहा, मोदी सरकार ने यह स्कीम लाकर लाखों कर्मचारियों के साथ धोखा किया। पच्चीस साल की नौकरी होने पर ही कर्मचारियों को इस योजना का लाभ मिलेगा। ऐसे में 20 साल की नौकरी करने वाले अर्ध सैनिक बलों के लाखों कर्मचारी इसका लाभ नहीं ले पाएंगे। हमारी मांग है कि केंद्र सरकार ओल्ड पेंशन स्कीम को वापस लागू करे।

श्री सिंह ने कहा कि अगर किसी कर्मचारी ने 40 साल नौकरी की तो हर महीने उसके वेतन से 10 प्रतिशत राशि पेंशन के लिए काटी जाएगी और यह पूरा पैसा सरकार अपने पास रख लेगी। अगर किसी का वेतन एक लाख रुपए है और उसने 40 साल तक नौकरी की तो उसके वेतन का 10 प्रतिशत हिस्सा पेंशन में चला जायेगा। इसके बाद अंतिम के 12 महीनों का औसत निकाल कर केंद्र सरकार उस कर्मचारी को छह महीने की तनख्वाह कैश में दे देगी। नई

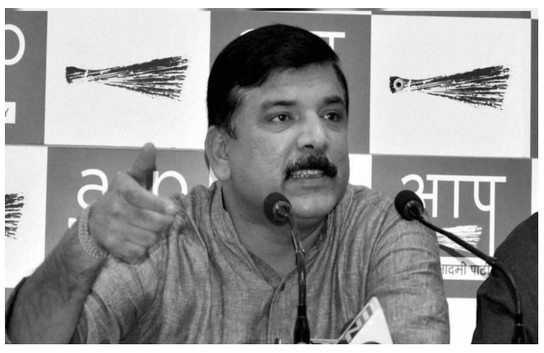

पेंशन स्कीम में सरकार यह भी कह रही है कि औसत सैलरी निकाल कर उस कर्मचारी को आधा पेंशन दे देगी। पहले तो सरकार ने कर्मचारियों की एक बहुत बड़ी रकम ले ली, जो पूरी नौकरी के दौरान वेतन का 10 प्रतिशत देते आए हैं। दूसरी बात, इस योजना से अर्ध सैनिक बलों को बाहर कर दिया है। सरकार ने कहा कि इस पेंशन स्कीम का लाभ लेने के लिए कम से कम 25 वर्ष की नौकरी होनी चाहिए, तभी इस स्कीम के दायरे में आएंगे। आप नेता ने कहा, एनपीएस (न्यू पेंशन स्कीम) से भी ज्यादा बदतर यूपीएस (यूनिफाइड पेंशन स्कीम) आया है। मोदी सरकार ने देश के कर्मचारियों के साथ एक बहुत बड़ा धोखा है। इस बात को देश के कर्मचारी समझ रहे हैं और इसका जवाब भी देंगे। हमारी आज भी मांग है कि ओल्ड पेंशन स्कीम बहाल की जाए। आखिर केंद्र सरकार को ओल्ड पेंशन स्कीम को बहाल करनें में क्या समस्या है? सरकार को ओपीएस बहाल करनी चाहिए। ओपीएस में सर्विस की अवधि 20 साल रखी गई है। लेकिन यूनिफाइड पेंशन स्कीम में सर्विस की अवधि बढ़ाकर 25 वर्ष कर दी गई है।

पर्ल्स ग्रुप के मालिक निर्मल सिंह भंगू का निधन, 45,000 करोड़ रुपये की पोंजी घोटाले में थे आरोपी

एजेंसी

नई दिल्ली। पर्ल्स ग्रुप के संस्थापक निर्मल सिंह भंगू का बीमारी के कारण दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया है। कई रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई।

बता दें, भंगू को सीबीआई द्वारा 45,000 करोड़ रुपये के पोंजी घोटाले में गिरफ्तार किया गया था। इससे करीब 5 करोड़ निवेश प्रभावित हुए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तिहाड़ जेल में भंगू का स्वास्थ्य खराब होने के बाद उन्हें पश्चिमी दिल्ली के दीन दयाल उपाध्याय हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, अभी जेल प्रशासन और सीबीआई की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। आकर्षक जमीन सौदों के माध्यम से पांच करोड़ निवेशकों से 45,000 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के आरोप में भंगू समेत तीन अन्य लोगों को सीबीआई ने जनवरी 2016 में गिरफ्तार किया।पिछले साल पंजाब सरकार की ओर से पर्ल्स ग्रुप की संपत्तियों को जब्त करने का प्रोसेस शुरू कर दिया गया था, जिससे अरबों के इस चिटफंड घोटाले में फंसे लोगों के पैसों को वापस लौटाया जा सके। सीबीआई की ओर से 19 फरवरी, 2014 को इस घोटाले की जांच शुरू की गई थी। इसमें आरोप है कि पर्ल्स ग्रुप ने अपने दो फ्लैगशिप कंपनियों - पीजीएफ लिमिटेड और पीएसीएल लिमिटेड के माध्यम से पोंजी स्कीम चलाकर करीब 5.5 करोड़ निवेशकों के साथ अरबों रुपये की धोखाधड़ी की है।

योग और नाभि चिकित्सा शिविर का आयोजन, डॉ महेश शर्मा ने किया शुभारंभ

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-50 के सामुदायिक केंद्र में एक विशेष योग और नाभि चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन आरडब्ल्यूए सेक्टर-50 एफ ब्लॉक के सहयोग से किया गया, जिसमें प्रसिद्ध नाभि चिकित्सक निर्भय जी ने उपस्थित लोगों को योग और नाभि चिकित्सा के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस अवसर पर सांसद डॉ महेश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि फ़ोनरवा अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। शिविर में लगभग 200 लोगों ने भाग लिया और योगाभ्यास किया, साथ ही नाभि चिकित्सा के लाभों के बारे में जागरूकता प्राप्त की।आरडब्ल्यूए के महासचिव राजेश सिंह ने जानकारी दी कि इस कार्यक्रम में फ़ोनरवा के कोषाध्यक्ष पवन यादव, नोफ़ा अध्यक्ष राजीवा सिंह, अग्रवाल मित्र मण्डल के अध्यक्ष मुकेश गुप्ता, डॉ डी शर्मा, डॉ एके अग्रवाल, डॉ नीरज जैन और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी शिरकत की।

कोलकाता के अस्ताल में मृत डॉक्टर के नाम, फोटो, वीडियो वाले सोशल मीडिया पोस्ट हटाने के निर्देश

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेइटी) ने देश में परिचालित सभी सोशल मीडिया मंचों को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज की हाल की घटना में मृतक के नाम ,वीडियो और तस्वीरों के अपने नेटवर्क पर प्रसार से हटाने के उच्चतम न्यायालय के आदेश का अनुपालन करने को कहा।

इन मंचों को इस इस निर्देश के अनुपालन के संबंध में कृत कार्रवाई की जानकारी मंत्रालय को देनी होगी।

मंत्रालय ने कहा है कि इस निर्देश का अनुपालन न करने पर कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं और नियामक कार्रवाई हो सकती है।

न्यायालय ने वहां एक प्रशिक्षु डाक्टर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की घटना का स्वतः संज्ञान लिया है और कल इस मामले में पहली सुनवाई के दौरान आयोग ने सोशल मीडिया मंचों को मृत महिला की पहचान के संदर्भ में उसके नाम, फोटो और वीडियो आदि के संबंध में सभी प्रचारित-प्रसारित हो रहे पोस्ट हटाने को कहा। मेइटी की आज जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है , ÷न्यायालय ने एक निषेधाज्ञा आदेश के माध्यम से निर्देश दिया है कि मृतक के नाम के सभी संदर्भ, साथ ही मृतक को दर्शाने वाली कोई भी तस्वीर और वीडियो क्लिप, सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से तुरंत हटा दिए जाएं।

न्यायालय ने यह निर्देश संबंधित घटना से संबंधित संवेदनशील सामग्री के प्रसार के बारे में चिंताओं के बाद जारी किया गया है।

मेइटी ने न्यायालय के आदेश के अनुसार आज निर्देश दिए हैं कि उपरोक्त घटना में मृतक के नाम, तस्वीरों और वीडियो क्लिप के सभी संदर्भों को इस आदेश के अनुपालन में सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से तुरंत हटा दिया जाएगा।

मेइटी ने न्यायालय के आदेश को ध्यान में रखते हुए कहा है कि इस मामले में व्यक्तियों की गोपनीयता और गरिमा की रक्षा के लिए न्यायालय के निर्देश का पालन करना महत्वपूर्ण है और इसका तत्काल अनुपालन किया जाना आवश्यकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय सभी सोशल मीडिया कंपनियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह करता है कि ऐसी संवेदनशील जानकारी को आगे प्रसारित न किया जाए।

Name Change
I, ANOOP KUMAR S/O HARBHAJAN SINGH Residing at X/872, GALI NO-10, CHAND MOHALLA, GANDHI NAGAR, DELHI-110031 have changed my name to ANOOP KUMAR VAID for all future purpose

Name Change
I, hitherto known as RATAN SHUKLA alias SUDHIR KUMAR SHUKLA S/o PARAMESHWARI R/o 9, 317, Kashiram Aavash Yojana, Pratap Vihar Sec. - 11, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001 have changed my name and shall hereafter be known as RATAN SHUKLA.

PUBLIC NOTICE
It is notified for the information of General Public that my client RAM SHARAN SHARMA s/o late SHADI RAM SHARMA r/o # D-12/4, First Floor , Ardee City, Sector 52, Gurugram -122003 have withdrawn the earlier Notice dater 02/11/2022 for debar and disinherit their son SHIVANSH SHARMA (DOB 05/02/1990) with immediate effect because of his cooperation and responsible behavior.
Sumit Mehta Advocate

Name Change
I, HRITIK KUMAR S/O HARJEET residing at 225-B, GHARONDA, NEEM KA BANGER, PATPARGANJ VILLAGE, DELHI-110091 have changed my name to HRITIK for all future purposes.

Name Change
I, YOGESHWARI Wife of NO-16115619W Rank-NK, Name-RAMENDRA SAHU residing at WARD NO-10, VILL-GOHJAR, PO-SARANGBIHIRI, DISTT-CHHINDWARA, MADHYA PRADESH-480107 have changed my name from YOGESHWARI to YOGESHWARI SAHU for all future purposes vide Affidavit dated 26/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, No. 45820901A, Rank-HAV Name-SARDAR SACHIN KAILAS residing at VPO-KARANJA (LAD), TEHSIL-KARANJA (LAD), DISTT-WASHIM, MAHARASHTRA-444105 have changed my mother's name from CHANDA BAI to CHANDA KAILAS SARDAR for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 09/07/1968 instead of her correct date of birth as 09/07/1975 vide Affidavit dated 26/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
It is for general information that I, CHIRAG PARASHAR S/o PRADEEP SHARMA residing at Gali No. -16, Near Azad Chowk, Jewar, VTC - Jewar Banger, PO - Jewar, Dist.-Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 203135 declare that the name of mine and my Father have been wrongly written as CHIRAG and PRADEEP in my PAN Card No. - DACPC9319B. The actual name of mine and my Father are CHIRAG PARASHAR and PRADEEP SHARMA respectively which may be amended accordingly.

Name Change
It is for general information that I, DALEEP SINGH SAMANT S/o DUNGAR SINGH residing at House No. -160 , Village - Nithari, Sector-31, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301 declare that the name of mine and my Wife have been wrongly written as DILIP SINGH SAMANT and CHANI DEVI in my minor Daughter BHAWNA SAMANT aged 16th Years in her School record. The actual name of mine and my wife are DALEEP SINGH SAMANT and CHANU DEVI respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
My client SMT. TARA VATI W/o Shri Suresh R/o F-280, J.J. Camp Tigri, South Delhi, New Delhi-110080 has disowned/debarred her sons HEMRAJ KHANNA, his wife SANGEETA and ANOOP his wife ANJANA and their children from all her movable/immovable properties and severed her relations with them, if anybody deals with them, he/she/they shall be responsible for his/her/their own risk and consequences in future.
GAURAV TOKAS Advocate
CHAMBER NO.409
Lawyers Chamber Block,
Saket District Court,
New Delhi-110017

Name Change
I hitherto known as GORIBAI W/O RAJU R/O B-672, PHASE-2, METRO VIHAR, HOLAMBI KALAN, NORTH WEST DELHI-110082 have changed my name and shall hereafter be known as SHAKUNTALA

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as RAJESH SAH S/O GENA SAH R/O Permanent Address - H.NO-109, WARD NO-13, PO CHAMPAPUR, PS RAMGARHWA, CHAMPAPUR, EAST CHAMPARAN, BIHAR- 845433 Present Address-H.No-79, MEERDARD LANE, 64 KHAMBA, MINTO ROAD, DARIYA GANJ, DARYA GANJ, CENTRAL, DELHI, DELHI- 110002, have changed my name and shall hereafter be known as RAMESH SAH.

Name Change
I, VIQAR AHMAD S/O IQBAL HUSSAIN R/O 700/53 F/F KH NO-29 GALI NO-24-A MAIN ROAD RAJIV GANDHI MARG VIJAY PARK MAUJPUR NORTH EAST DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME VIQUR HUSSAIN FOR ALL FUTURE PURPOSE

Name Change
It is for general information that I, NANU RAM S/o CHANDER BHAN R/o Flat No. 115, Block-B, Sector-29 Rohini, Pehlad Pur Bangar, North West Delhi-110042, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as NANU MOR and NEELAM MOR in my minor son PRIKSHIT MOR aged 16 years, in his 10th Class Educational Documents. The actual name of mine and my wife are NANU RAM and NEELAM respectively.

Name Change
I, NO-15703503P Rank-LOC NK Name-BIDYUT KUMAR ADAK residing at VILL-PURULPARA, PO-RADHAPUR, P.S-SHYAMPUR, TEH-ULUBERIA, DIST-HOWRAH, WEST BENGAL-711301 have changed my father's name from SUDHANGSU ADAK to SUDHANSU ADAK for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1961 instead of his correct date of birth as 04/05/1961 vide affidavit dated 26/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, MURGEVVA Mother of No-16125801K NK SURESH MALI Presently residing at VPO-CHAMAKERI, TEH-ATHANI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591248, have changed my name from MURGEVVA to MURAGEVVA HANAMANT MALI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/01/1975 instead of my correct date of birth as 01/01/1976 vide affidavit dated 26/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
It is for general information that I, DALEEP SINGH SAMANT S/o DUNGAR SINGH residing at House No. -160 , Village - Nithari, Sector-31, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301 declare that the name of mine and my Wife have been wrongly written as DILIP SINGH SAMANT and CHANI DEVI in my minor Son YUVRAJ SINGH SAMANT aged 16th Years in his School record. The actual name of mine and my wife are DALEEP SINGH SAMANT and CHANU DEVI respectively which may be amended accordingly.

Name Change
I, No. 45820901A, Rank-HAV Name-SARDAR SACHIN KAILAS residing at VPO-KARANJA (LAD), TEHSIL-KARANJA (LAD), DISTT-WASHIM, MAHARASHTRA-444105 have changed my father's name from KAILAS to KAILAS VISHWANATH SARDAR for all future purposes vide Affidavit dated 26/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, JC-251152N Rank-NB RIS Name-BHANWAR LAL R/o VILL-SIYAGO KI DHANI, PO-BHEEKAMKOR, TEH-OSIAN, DIST-JODHPUR, RAJASTHAN-342303, in my service records my wife's (PAPU DEVI) date of birth wrongly mentioned as 15/09/1983 instead of her correct date of birth as 01/01/1984 vide Affidavit dated 22/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, HANAMANT Father of NO-16125801K NK SURESH MALI Presently residing at VPO-CHAMAKERI, TEH-ATHANI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591248 have changed my name from HANAMANT to HANAMANT MALI for all future purposes vide Affidavit dated 26/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
It is for general information that I, KAILASH GAUR S/o BACHAN SINGH GAUR R/o RZ-156, Nand Vihar Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078, declare that name of my wife has been wrongly written as KUSUM GAUR in my minor son MANISH GAUR aged 16 years, in his 10th Class Educational Documents and Birth Registration Certificate No. MCDOLR07290342. The actual name of my wife is KUSUM RANI GAUR.

ककरोई रोड के जर्जर हालात पर उपायुक्त ने लगाई फटकार

एजेंसी

सोनीपत। ककरोई रोड पर उपायुक्त डा. मनोज कुमार निरीक्षण करने पहुंचे जर्जरहाल सड़क देख अधिकारियों को लगाई फटकार और आदेश दिए कि तुरंत नगर निगम और पीडब्ल्यूडी विभाग आपसी तालमेल करे, लोगों को समस्या का समाधान दें। ककरोई रोड से गुजरने वाले लोगों की समस्या का समाधान करने के लिए उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने नगर निगम व पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों के साथ ककरोई रोड़ का निरीक्षण किया। कुछ जगह से सड़क की पेमाईश गलत है, तो उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तुरंत सड़क की पेमाईश कर इसको दुरुस्त करवाने का कार्य करें ताकि लोगों को इस समस्या से निजात मिल सके। उपायुक्त ने सड़क के दोनों ओर पड़े पाईपों को लेकर नाराजगी जताई और बोले कि नगर निगम के अधिकारी इन पाईपों को तुरंत हटवाएं ताकि सड़क का रास्ता खुला हो सके। उन्होंने सीवरेज के गंदे पानी को एसटीपी तक पहुंचाने के लिए ककरोई रोड के दोनों ओर बिछाई गई अस्थाई पाइप लाइनों के लिए नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किए कि एक मैप तैयार करवाएं, जिसमें यह दर्शाया जाए कि यहां से कितनी पाईप लाइन भूमिगत गुजर रही है और उनकी गहराई कितनी है। ताकि रास्ते की मरम्मत करने के लिए रास्ता निकाल सके। उनके साथ नगर निगम आयुक्त विश्राम मीणा, पीडब्ल्यूडी विभाग के एक्सईएन प्रशांत कौशिक सहित नगर निगम व पीडब्ल्यूडी के अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने परिवारवाद और क्षेत्रवाद के तहत प्रदेश को लूटने का काम किया : दुष्यंत चौटाला

जींद। पूर्व डिप्टी सीएम व उचाना विधायक दुष्यंत चौटाला ने कहा कि कांग्रेस ने परिवारवाद और क्षेत्रवाद के तहत प्रदेश को लूटने का काम किया। जींद में कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आईटी सेल के साथियों से भी बैठक और आगे 36 दिन कैसे काम करना है, इसको लेकर दिशा निर्देश जारी किए। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जिस तरह का उत्साह 2019 में था, उसी तरह के जोश के साथ काम करेंगे। वह अपनी पार्टी के वायदों को लेकर जनता के बीच जाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नॉन स्टॉप का नारा लगाते हुए विकास पर फुल स्टॉप लगाया है। दुष्यंत चौटाला जजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं की बैठक के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वह मजबूती के साथ उचाना से चुनाव लड़ेंगे। अगर भाजपा नरेंद्र मोदी को और कांग्रेस राहुल गांधी को लेकर उचाना में रैली कर लेए तब भी उचाना से जजपा ही जीतेगी। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि भाजपा को बौखलाहट साफ दिख रही है। उनका ग्राफ 20 सीटों से भी नीचे आ चुका है, इसलिए चुनाव की तारीख को आगे करने की मांग कर रहे हैं। उन्हें नहीं लगता चुनाव आयोग एक बार चुनाव की तारीख तय करने के बाद बदलाव करेगा। हरियाणा के लोग इस माहौल में आक्रोश के साथ मतदान करेंगे। कम मतदान नहीं होगा। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि बीरेंद्र सिंह और बृजेंद्र सिंह का गला बैठ गया कि उचाना से दुष्यंत चौटाला चुनाव नहीं लड़ेंगे लेकिन वह चुनाव लड़ेंगे और उचाना से जीतेंगे। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि पिछले छह माह में क्राइम बढ़ा है।

श्याम बाबा के दिव्य संकीर्तन के भक्ति रंग रंगे भक्त

सोनीपत। शहर की नई अनाज मंडी में श्याम बाबा का दिव्य संकीर्तन में भजन सम्राट कन्हैया मित्तल के भजनों धून पर भक्ति रंग में रंगे भक्त खूब झूमे। श्रद्धा भक्ति प्रेम का अनुपम संगम देखने को मिला। यह आयोजन रात को सोनीपत के महापौर निखिल मदान द्वारा करवाया गया था, जिसमें हजारों श्याम भक्तों ने अपनी उपस्थित दर्ज करवाई। भक्तों ने श्याम बाबा का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर भजन सम्राट कन्हैया मित्तल ने श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया, जबकि सोनीपत के भजन गायक राजीव शास्त्री और संदीप तायल ने भी सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी। संकीर्तन के दौरान श्याम बाबा का दिव्य और भव्य दरबार सजाया गया। महापौर निखिल मदान ने बताया कि उनकी खाटू श्याम जी में अटूट आस्था है। श्याम बाबा हारे के सहारे हैं और हर भक्त की मनोकामना पूरी करते हैं।

निजी अस्पताल में मरीज की मौत, परिजनों का हंगामा

फरीदाबाद। फरीदाबाद में निजी हॉस्पिटल में डॉक्टरों की लापरवाही से एक 34 वर्षीय मरीज की मौत हो गई। मृतक राजसिंह पृथला गांव का रहने वाला था। मृतक के भाई रमेश ने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। मरीज की मौत के बाद डेढ़ लाख रुपए का बिल भी परिजनों को थमाया। रमेश ने बताया कि राज सिंह को शुक्रवार को दिन में एक बजे निजी अस्पताल में बुखार और पीलिया होने पर भर्ती कराया था। लेकिन डेढ़ घंटे बाद अस्पताल के डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि इसमें कहीं न कहीं डॉक्टरों की लापरवाही है। राज सिंह की मौत हुई है, इसमें जांच होनी चाहिए। मृतक के परिजनों ने अस्पताल के बाहर हंगामा भी किया। हंगामा की सूचना पाकर मौके पर पहुंची। पुलिस ने पहले सभी को शांत करवाया। उसके बाद पुलिस ने परिजनों से शिकायत ली। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल प्रबंधन ने मात्र डेढ़ घंटे में डेढ़ लाख रुपए का बिल उन्हें थमा दिया। उन्होंने कहा कि जब उनका व्यक्ति ही मर गया तो बिल किस बात का उन्हें दिया है। लेकिन फिर भी अस्पताल प्रबंधक बिल मांगता रहा। वहीं मरीज की मौत मामले में हॉस्पिटल के मीडिया प्रवक्ता संदीप का कहना है कि मरीज़ शराब का आदि था।

जिस पोर्टल से मजदूरों को घर बैठे लाभ मिल रहा, उस पोर्टल को खत्म करने की बात कर रहे हुड्डा - मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र में भारतीय मजदूर संघ के स्थापना दिवस समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने श्रमिकों का दिल जीत लिया। प्रदेश से हजारों की संख्या में कुरुक्षेत्र पहुंचे श्रमिकों ने एक स्वर में नारा दिया कि हम 'तीसरी बार भाजपा' की सरकार बनाएंगे। श्रमिकों से खचाखच भरे पंडाल को देखकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी गदगद हुए और कहा कि यहां उमड़ी कमेरे वर्ग की भीड़ को देखकर मुझे विश्वास हो गया है कि ये कमेरा वर्ग ही भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कांग्रेस को एक अक्टूबर को घर बैठाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि जिन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करके श्रमिकों, मजदूरों और मेरे कमेरा वर्ग को घर बैठे लाभ मिलता है, उनकी बेटियों की शादी के लिए कन्यादान मिलता है, औजारों के रुपये मिलते हैं, उसी श्रमिक हितैषी पोर्टल को बंद करने की बात भूपेंद्र सिंह हुड्डा बोल रहे हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा बोल रहे हैं कि कांग्रेस सरकार आने पर पोर्टल खत्म कर देंगे, हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) को खत्म कर देंगे। एचकेआरएन में लगे हुए एक लाख 20 हजार युवाओं की नौकरी हमने सुरक्षित की है, हुड्डा उस निगम को खत्म करके युवाओं को फिर बेरोजगार करने की बात कह रहे हैं। ये मजदूर और युवा ही भूपेंद्र सिंह हुड्डा को अक्टूबर में घर बैठाएंगे।

नायब सैनी ने हाथ जोड़कर सभी श्रमिकों का अभिनंदन किया और कहा कि किसी भी देश के

आर्थिक विकास में श्रम सबसे महत्वपूर्ण होता है और भाजपा सरकार ने हमेशा श्रमिकों का सम्मान किया है। नायब सैनी ने भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक दंतोपंथ थेंगड़े जी को भी नमन किया और कहा कि यह संगठन हमेशा देश हित के लिए काम करता है। सैनी ने कहा कि जो भी मांगें मजदूर नेताओं ने आज मंच से रखी हैं भाजपा सरकार आते ही उन्हें पूरा किया जाएगा। इस मौके पर सरकार में मंत्री सुभाष सुधा, भारतीय मजदूर संघ के क्षेत्रीय संगठन मंत्री पवन कुमार, प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष छोटा गहलावत, हवा सिंह महला, देवीलाल, जितेंद्र वत्स, संदीप कुमार, हवा सिंह तंवर, सुशील राणा, राहुल राणा, रविंद्र सांगवान आदि मौजूद रहे।

सैलजा और रणदीप ही दे जवाब

भारतीय मजदूर संघ के स्थापना दिवस समारोह में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि मैंने भूपेंद्र सिंह हुड्डा से पांच सवाल किए थे, लेकिन उन्होंने अभी तक जवाब नहीं दिया। मैं आज कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला से कहना चाहूंगा कि हुड्डा तो जवाब दे नहीं रहे, कम से कम आप दोनों ही जवाब दें। रणदीप सुरजेवाला तो खुद को बुद्धिजीवी मानते हैं, इसलिए उन्हें जवाब देना चाहिए। भूपेंद्र सिंह हुड्डा के पास अब कहने को कुछ नहीं है। लोकसभ चुनाव में भी ये झूठ फैला रहे थे और अब विधानसभ चुनाव में भी झूठ के बलबूते कुर्सी हथियाना चाहते हैं। इनके झूठ से जनता को सावधान रहना होगा।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस में गुटबाजी और अंदरूनी लड़ाई है। कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला और हुड्डा लड़ते रहते हैं, लेकिन ये लड़ाई प्रदेश हित के लिए नहीं है। दरसअल ये लड़ाई मलाई खाने के लिए है। जब कांग्रेस सरकार थी तो ये तीनों सरकार का ही हिस्सा थे। कांग्रेस ने प्रदेश को जमकर लूटा और हुड्डा ने खूब मलाई खाई। इनमें लड़ाई ये है कि ज्यादा मलाई हुड्डा खा गया और सैलजा व रणदीप के हिस्से में कम मलाई आई। अब फिर कांग्रेस प्रदेश की जनता को लूटने की नीयत से मैदान में है।

अधिक मतदान होने के नाम से ही डर गई है कांग्रेस : बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा के बढ़ते ग्राफ और विधानसभा चुनाव में हार के डर से कांग्रेस वेंटीलेटर पर पहुंच गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल कौशिक ने भी कांग्रेस की सोच पर तीखा हमला बोला है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि कांग्रेसियों को गणित और हिसाब-किताब में तो दिक्कत थी ही, पर अब इन्हे पढ़ने में भी तकलीफ हो रही है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय चुनाव आयोग को जो पत्र लिखा गया है वह चुनाव टालने के लिए नहीं, बल्कि ज्यादा से ज्यादा लोग मतदान कर सके उसके लिए लिखा गया है और रहा सवाल डर का तो इस पत्र से ही कांग्रेस पार्टी डर गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस को डर सता रहा है कि अधिक मतदान होगा तो कांग्रेस का सूपड़ा ही साफ हो जाएगा। कांग्रेस कभी नहीं चाहती कि मतदाता अधिक से अधिक मतदान करें। कांग्रेस की सोच तो सिर्फ झूठ और भ्रम फैलाकर राजनीतिक करने की रही है। लोकतंत्र में अधिक से अधिक मतदान के लिए चुनाव आयोग भी जनता से अपील

करता है। ऐसे में भाजपा द्वारा लिखे गए पत्र से स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस की सोचने और समझने की ताकत खत्म हो चुकी है और जनता में भ्रम फैलाना शुरू कर दिया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस पार्टी ने संविधान और आरक्षण को खतरे में बताकर वोट बटोरने की ओछी राजनीति की थी। गरीब महिलाओं को खटाखट खटाखट 8500 रुपये महीना देने का झूठ बोला था। कांग्रेस की फितरत ही झूठ बोलकर वोट लेने की रही है। श्री बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस को पता लग चुका है कि हरियाणा की जनता कांग्रेस की सोच और धोखा देने वाली मानसिकता को समझ चुकी है और कांग्रेस को पूरी तरह से नकार चुकी है। पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस के पास ना नेतृत्व है और ना ही नेता है। 2004 से 2014 तक कांग्रेस द्वारा किए गए पाप कांग्रेस को सता रहे हैं। परिवारवाद और भ्रष्टाचार की जननी कांग्रेस पार्टी से कोई चुनाव लड़ने के लिए इच्छुक नहीं है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ही कांग्रेस को छोड़कर जा चुके हैं, कांग्रेस सिर्फ अब बाप-बेटे की पार्टी बनकर रह गई है। पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा ने कांग्रेस के कुशासन को खत्म कर सुशासन व्यवस्था लागू की। भाजपा सरकार में युवाओं को बिना पर्ची और बिना खर्ची के नौकरियां मिल रही है। 24 घंटे बिजली आ रही है।

बेरोजगारी, नशा और अपराध में हरियाणा देश में नंबर वन : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री, उत्तराखंड की प्रभारी एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में बढ़ता नशा और अपराध की सबसे बड़ी वजह बेरोजगारी है, अगर युवाओं को रोजगार देने की दिशा में काम हुआ होता तो आज प्रदेश में न नशा बढ़ता और न ही अपराध। बेरोजगारी, नशा और अपराध में हरियाणा देश में नंबर वन बना हुआ है। प्रदेश में अनेक गैंग सक्रिय है, रंगदारी वसूली जा रही है, न देने पर हत्याएं की जा रही है या गोलियां बरसाई जा रही है, प्रदेश में जंगलराज है। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आने पर सबसे पहले वायदानुसार युवाओं को रोजगार दिया जाएगा और प्रदेश को नशा और अपराध मुक्त किया जाएगा।

मीडिया को जारी बयान में उन्होंने कहा है कि बेरोजगार ही सारी समस्याओं की जड़ है, जिसको लेकर भाजपा सरकार ने वायदा तो किया पर पूरा करना ही भूल गई, भाजपा सरकार झूठी घोषणाएं, झूठे वायदे करने में माहिर है। आज प्रदेश में

तेजी से बढ़ रहा नशा और अपराध नासूर बने हुए है, अगर सरकार की नीयत साफ होती तो पहले ही अंकुश लगाया जा सकता था पर ऐसा सरकार कर न सकी।

प्रदेश में आज गैंगस्टर नंगा नाच रहे है, रंगदारी की घटनाएं बढ़ी है, दहशत फैलाने के लिए गोलियां बरसाई जा रही है, इतना ही नहीं सरेआम हत्याएं की जा रही है। व्यापारी वर्ष डरा हुआ है दहशत में है ऐसे में उद्योग धंधों का प्रदेश से पलायन हो रहा है।

आज हरियाणा की गिनती देश के जघन्य अपराध वाले राज्यों में की जाती है। विदेश में बैठे हुए गैंगस्टर फोन पर धमकी देकर वसूली कर रहे हैं। हालात ये है कि आज भाजपा सरकार और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे ह्वैं।

उन्होंने कहा कि सरकार मानती है कि प्रदेश में 12 गैंग सक्रिय है, जब सरकार को इतना पता है तो उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करती। पिछ्ले कुछ एक साल से करनाल, हिसार, खरखौदा, जींद, बहादुरगढ़, कैथल, सांपला, हांसी, सोनीपत, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी में रंगदारी की वारदातें बढ़ी है, कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर सरेआम गोलियां बरसाकर दहशत फैलाई जा रही है ताकि लोग डर पर रंगदारी देने को मजबूर हो जाए।

दादरी के विधायक सोमबीर सांगवान ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के एक और विधायक ने आज अपने पद से इस्तीफा दे दिया। स्पीकर ने इस इस्तीफे पर अभी कोई फैसला नहीं लिया है। दादरी से निर्दलीय विधायक सोमबीर सांगवान ने विधायक के पद से इस्तीफा दे दिया। प्रदेश विधानसभा से अब तक सात विधायक इस्तीफा दे चुके हैं।

साल 2019 में हुए विधानसभा चुनाव में सोमबीर सांगवान ने चरखी दादरी से भाजपा उम्मीदवार बबीता फोगाट को हराया था। लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा का साथ छोड़कर कांग्रेस को समर्थन दिया था। सोमबीर सांगवान 2019 विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में थे। वह चरखी दादरी से टिकट मांग रहे थे। भाजपा ने उनकी जगह बबीता फोगाट को टिकट दे दिया। इसके बाद वह भाजपा से बागी हो गए और निर्दलीय चुनाव लड़कर जीत हासिल की। भाजपा के सत्ता में आने पर उन्होंने सरकार को अपना समर्थन दे दिया। इसके बाद उन्हें हरियाणा पशुधन बोर्ड का चेयरमैन बनाया गया। किसान आंदोलन के चलते उन्होंने चेयरमैन पद छोड़ दिया। विधानसभा स्पीकर को इस्तीफा देने के बाद सोमबीर सांगवान ने जल्द कांग्रेस में शामिल होने के संकेत देते हुए कहा कि वह कांग्रेस की विचारधारा का समर्थन करते हैं और प्रदेश में इस बार कांग्रेस की सरकार बनेगी। दादरी से विनेश फोगाट के चुनाव लड़ने की चर्चाओं पर सोमबीर सांगवान ने कहा कि अगर टिकट नहीं भी मिलता है तो भी कांग्रेस के कार्यकर्ता के रूप में कांग्रेस पार्टी से जुड़ा रहूंगा। हरियाणा विधानसभा के स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कई विधायकों का इस्तीफा आ चुका है। उन्होंने बताया कि अभी तक सोमवीर सांगवान, जोगीराम सिहाग, अनूप धानक का इस्तीफा आ चुका है।

गुरुग्राम का बेटा हुआ शहीद, दो महीने बाद होनी थी शादी

एजेंसी

गुरुग्राम। जम्मू कश्मीर के डोडा क्षेत्र में आतंकियों से मुठभेड़ में गुरुग्राम के दौहला गांव का बेटा विकास राघव शहीद हो गया। दो महीने बाद परिणय सूत्र में बंधने वाले विकास राघव की शहादत पर सबको गर्व है। गमगीन माहौल के बीच विकास राघव को सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। अंतिम यात्रा में युवाओं ने मोटरसाइकिलों के काफिले की अगुवाई में शहीद विकास राघव को सम्मान दिया। जांबाज विकास राघव ने दुश्मनों के साथ अंतिम सांस तक लड़ाई लड़ी, वह युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। तीन भाई-बहनों में सबसे छोटे विकास राघव के बड़े भाई एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। विकास राघव की दो महीने बाद शादी थी। विकास के पिता पहले प्राइवेट जॉब करते थे। अब वे घर पर ही रह रहे हैं। मां भी गृहिणी हैं। शहीद विकास राघव का पार्थिव शरीर दोपहर बाद पैतृक गांव दौहला पहुंचा तो इंतजार में बैठे हजारों ग्रामीणों की आंखों से

अश्रुधारा बहने लगी। परिवार के साथ गम में हर कोई गमगीन था।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सोशल मीडिया पर शहीद की तस्वीर शेयर करते हुए उनके शहादत को सलाम किया। उन्होंने लिखा-जम्मू-कश्मीर के डोडा में आतंकियों के साथ हुई मुठभेड़ में हरियाणा के गांव दौहला (सोहना) निवासी सैनिक विकास राघव ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनकी शहादत को विनम्र श्रद्धांजलि व शहीद के परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। उनके सर्वोच्च बलिदान का हर देशवासी हमेशा ऋणी रहेगा।

दुख की इस कठिन घड़ी में हर भारतवासी अपने शहीद के परिवार के साथ एकजुट है। विकास राघव को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कल्याण सिंह चौहान ने कहा कि विकास राघव की शहादत भले ही हुई हो, लेकिन वे सदैव हमारे दिलों में अमर रहेंगे। उनकी अमरता के किस्से कहे जाएंगे। उन्होंने जिस बहादुरी से दुश्मनों का खात्मा किया, वह बहादुरी पीढियों तक प्रेरणा स्त्रोत रहेगी।

उचाना की जनता ने दुष्यंत को किया रिजेक्टः बीरेंद्र सिंह

जींद। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता बीरेंद्र सिंह ने उचाना हलके के विभिन्न गांव में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। यहां दुष्यंत चौटाला पर जुबानी हमला बोलते हुए बीरेंद्र सिंह ने कहा कि उचाना की जनता ने दुष्यंत चौटाला को रिजेक्ट कर दिया। लोकसभा चुनाव में उचाना हलके में पांच हजार से कम मत मिले, जबकि वो साढ़े चार साल तक सरकार में डिप्टी सीएम के पद पर रहे। वीरेंद्र सिंह ने कहा कि आज देवीलाल परिवार के पल्ले राजनीति तौर पर कुछ नहीं रहा है। हमारे इलाके में हमारी ताकत को कमजोर करने के लिए इनेलो, जेजेपी के नेता आ रहे है। आज दुष्यंत चौटाला को उचाना में लोग नहीं मिल रहे है। दादरी, बाढड़ा, भिवानी, सिरसा से लोगों को लेकर उचाना आ रहे हैं पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस की 90 टिकटों के लिए 2550 आवेदन आए हैं। इन सब की बात सुनी जाएगी।

मतदान की तारीख को लेकर भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश की 90 सीटों पर पहली अक्टूबर को मतदान होगा। सत्तारूढ़ दल भाजपा ने हरियाणा विधानसभा चुनावों में वोटिंग का दिन बदलवाने की मांग की है। भाजपा ने इस दौरान चार-पांच छुट्टियां होने की वजह से मतदान प्रतिशत कम होने का अंदेशा जताया है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर मतदान की तारीख बदलने की मांग की है।

चुनाव आयोग को लिखे पत्र में तर्क दिया गया है कि बिश्नोई समाज का राजस्थान के मुकाम गांव में 02 अक्टूबर को बड़ा मेला है, जिसके चलते मतदान कम होने की संभावना है और दो अक्टूबर को आसोज की अमावस्या है। इस दिन बिश्नोई समाज का बीकानेर जिले के मुकाम गांव में सालाना मेला लगता है। इस मेले में हरियाणा के बिश्नोई समाज से बड़ी संख्या में लोग जाते हैं। मेला 02 अक्टूबर का है। ऐसे में बिश्नोई समाज के लोग मेले में भाग लेने के लिए पहली अक्टूबर को ही चले जाएंगे। इस वजह से इस समाज की वोटिंग प्रतिशत भी कम रहने का अनुमान है।

हरियाणा में विधानसभा की 90 सीटों पर पहली अक्टूबर को मतदान होगा, उस दिन वर्किंग डे यानी मंगलवार है। इसके बाद दो अक्तूबर को गांधी जयंती के मौके पर सरकारी अवकाश रहेगा। इससे पहले शनिवार और रविवार का अवकाश है। सोमवार को एक दिन की छुट्टी लेकर कर्मचारी व आम लोग छुट्टियों में बाहर जाने का प्लान बना सकते हैं। इस वजह से भाजपा को मतदान प्रतिशत कम होने की आशंका है। इसका नुकसान भाजपा को मुख्यत शहरी सीटों पर उठाना पड़ सकता है।

भाजपा का तर्क पंजाब में भी बदली गई है तारीख

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली की ओर से चुनाव आयोग को लिखे गए पत्र में यह भी कहा है कि आयोग पूर्व में भी मतदान की तारीख बदल चुका है। फरवरी 2022 में हुए पंजाब विधानसभा के चुनाव के लिए मतदान का दिन आयोग ने 14 फरवरी तय किया था। इस दिन संत रविदास की जयंती होने की वजह से इसे बदल कर 16 फरवरी को वोटिंग करवाई गई। इसी पैटर्न पर हरियाणा भाजपा ने भी चुनाव आयोग ने मतदान की तारीख में बदलाव की मांग की है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान ने कहा कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष नहीं चाहते कि चुनाव समय पर हों, क्योंकि भाजपा चुनाव से भाग रही है। इनेलो के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर 01 अक्टूबर को होने वाले मतदान की तारीख को आगे बढ़ाने की मांग की।री उपस्थित रहे।

कौशल कर्मियों को नीति बनाकर जॉब सिक्योरिटी देगी कांग्रेसः भूपेंद्र सिंह हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि झूठ और बहकावे के अलावा भाजपा के पास हरियाणा में अब कुछ भी नहीं बचा है। इसीलिए सत्ताधारी पार्टी कौशल निगम और भर्तियों के बारे में फर्जी वीडियो वायरल करके जनता को बरगला रही है। हुड्डा ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस ने हर मंच पर कौशल निगम के तहत हो रहे युवाओं के शोषण का मुद्दा उठाया है। क्योंकि कौशल निगम में युवाओं के लिए ना कोई जॉब सिक्योरिटी है, ना उन्हें उचित वेतन दिया जाता, ना कोई पद और पदोन्नति मिलती, ना कोई पेपर या मेरिट बनाई जाती और ना ही आरक्षण लागू किया जाता। हमेशा युवा के सिर पर काम से निकाले जाने की तलवार लटकती रहती है।

कांग्रेस ने ऐलान किया है कि कौशल निगम के तहत लगे कर्मियों को बाकायदा नीति बनाकर जॉब सिक्योरिटी दी जाएगी और उनके लिए बेहतर वेतन की व्यवस्था की जाएगी। मौजूदा कौशल कर्मियों को एडजस्ट करने के बाद भविष्य में ठेकेदारी वाली कच्ची भर्तियों की प्रथा को बंद किया जाएगा और खाली पड़े 2 लाख पदों पर पक्की भर्तियां होंगी। मौजूदा सरकार की लटकी पड़ी भर्तियों को भी कांग्रेस आते ही पूरा करेगी और चयनित युवाओं को बिना देरी के ज्वाइनिंग दी जाएगी। इसके साथ ही कांग्रेस सरकार तुरंत 1 लाख नई भर्तियों की प्रक्रिया शुरू करेगी। इसलिए युवा अभी से पेपर की तैयारी जारी रखें, क्योंकि एक साल के भीतर 1 लाख भर्तियां हो जाएंगी। भर्तियां पूरी तरह पेपर और योग्यता के आधार पर होंगी। पेपर लीक और भर्ती माफिया का जड़ से खात्मा किया जाएगा। ये तमाम कार्य बाकायदा पार्टी के घोषणापत्र में भी शामिल किए जाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि झूठ और बहकावे के अलावा भाजपा के पास हरियाणा में अब कुछ भी नहीं बचा है। इसीलिए सत्ताधारी पार्टी कौशल निगम और भर्तियों के बारे में फर्जी वीडियो वायरल करके जनता को बरगला रही है। हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने हर मंच पर कौशल निगम के तहत हो रहे युवाओं के शोषण का मुद्दा उठाया है। क्योंकि कौशल निगम में युवाओं के लिए ना कोई जॉब सिक्योरिटी है, ना उन्हें उचित वेतन दिया जाता, ना कोई पद और पदोन्नति मिलती, ना कोई पेपर या मेरिट बनाई जाती और ना ही आरक्षण लागू किया जाता।

भाजपा के बूथ कार्यकर्ता चुनाव में योद्धा बनकर कार्य करते हैं: बिप्लब देब

एजेंसी

गुरुग्राम। दो दिन के गुरुग्राम प्रवास पर पहुंचे हरियाणा विधानसभा चुनाव सह प्रभारी एवं सांसद बिप्लब कुमार देब ने कहा कि भाजपा के बूथ कार्यकर्ता चुनाव में योद्धा बनकर कार्य करते हैं। उनके इसी कौशल की वजह से हम हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के 10 साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित हैं।

बिप्लब देब गुरुग्राम प्रवास के पहले दिन नवीन मंडल के बूथ नंबर 139, डूंडाहेड़ा मंडल के बूथ नंबर 89, 90, 91, 92 और बादशाहपुर मंडल के बूथ नंबर 292 पर पहुंचे। बिप्लब देब ने कार्यकर्ताओं के साथ चाय पर चर्चा की और बूथ कार्यकर्ताओं के साथ डोर-टू-डोर जनसंपर्क किया। इस दौरान बिप्लब देब ने लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार और हरियाणा की नायब सरकार के जन हितैषी कार्यों एवं योजनाओं के बारे में अवगत कराया और विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट देने का आग्रह किया। इस दौरान उनके साथ जिला अध्यक्ष कमल यादव, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी मनीष यादव, प्रदेश लाभार्थी योजना सह संयोजक महेश यादव, जिला महामंत्री रामबीर भाटी, जिला सचिव पीसी सैनी, जिला मीडिया सह प्रमुख राकेश राणा, प्रवक्ता विपिन यादव, रणजीत गौरव यादव, पुरुषोत्तम कौशिक, मंडल अध्यक्ष जयवीर यादव, महामंत्री जयपाल राघव व डूंडाहेड़ा और बादशाहपुर गाँव के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बिप्लब देब ने कार्यकर्ताओं से कहा कि हर बूथ पर कमल खिलाने के लक्ष्य को लेकर

सरपंच पूर्व जिला अध्यक्ष एससी मोर्चा, डूंडाहेड़ा मंडल अध्यक्ष विरेंद्र सरपंच, महामंत्री जतिन लोहिया, नीतू झा, शक्तिकेंद्र प्रमुख प्रेमलता, शक्ति केंद्र प्रमुख राकेश वत्स, शक्ति केंद्र प्रमुख एसएन सिन्हा, शक्ति केंद्र प्रमुख सोमनाथ असीजा, शक्ति केंद्र प्रमुख धर्मवीर भारती, अरुण त्यागी, जिले सिंह, करमचंद यादव, युवा मोर्चा अध्यक्ष मयंक निर्मल, उपाध्यक्ष आप सभी लोग जुट जाएं। बूथ-बूथ पर कमल खिलाकर तीसरी बार हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनानी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता ही पार्टी की जीत का आधार बनता है, इसलिए बिना थके और बिना रूके भाजपा की जीत के लिए काम करें।

एक सितंबर को होने वाली जन आशीर्वाद रैली में मुख्यमंत्री आएंगे

एजेंसी

सोनीपत। मुख्यमंत्री के पूर्व मिडिया सलाहकार राजीव जैन ने आगामी एकसितंबर को होने वाली जन आशीर्वाद रैली का शहर की विभिन्न कालोनियों में निमंत्रण देते हुए कहा कि रैली में जुटी भारी भीड़ आगामी विधानसभा चुनाव में कमल खिलाने की नींव रखदेगी। रैली को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एवं प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ोली समेत अनेक नेता सम्बोधित करेंगे।

मालवीय नगर, देव नगर, प्रभु नगर, मिर्च मंडी, गाँधी आवास सेक्टर 15, श्याम नगर समेत अनेक कॉलोनियों में जनसम्पर्क के दौरान राजीव जैन ने कहा कि भाजपा

सरकार ने बिना भेदभाव के विकास किया और सोनीपत से विपक्ष का विधायक होने के

बावजूद भी विकास के लिए ग्रांट प्रदान की परन्तु विधायक की नियत सही ना होने के कारण पूरा पैसा खर्च नहीं हो पाया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जनता फिर से आशीर्वाद देगी तो रुके हुए विकास कार्य फिर से शुरू करेंगे। कालोनी वासियों ने भाजपा नेता का फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया और विश्वास दिलाया कि वह पिछ्ली गलती से सबक लेकर चुनाव में विवेकपूर्ण अभियान चलाकर कमल का साथ देंगे। शहर की जनता के सुख दुःख में हमेशा साथ खड़े रहेंगे चाहे चुनाव का परिणाम कुछ भी हो। आनंद शर्मा, रमेश, चंचल अरोरा, राजीव शर्मा, श्री भगवान सिंगला, सुनील सिंगला, लक्ष्मण, सत्य प्रकाश गुप्ता, ब्रह्म सिंह, सुनील रोहिल्ला, राजीव गोयल, अनुज मंगला आदि कालोनी वासी उपस्थित रहे।

भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक-वाणिज्यिक सहयोग वार्ता का 10वां दौर सिडनी में सम्पन्न

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (सीईसीए) वार्ता के अगले दौर से पहले दोनों देश इन वार्ताओं के सभी विषयों पर बातचीत की एक कार्ययोजना बनाएंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी

व्यापार वार्ता दसवां दौर सिडनी में 19-22 अगस्त तक आयोजित किया गया था और अगला दौर भारत में आयोजित किया जाएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि सिडनी में हुई बैठक में बैठक में एक-दूसरे के प्रस्तावों की बेहतर समझ और तालमेल के माध्यम से मतभेदों को कम करने के लिए गहन चर्चा और बातचीत हुई। पारस्परिक संवेदनशीलताओं का अनुसरण करते हुए संतुलित परिणाम के लिए दोनों पक्षों द्वारा प्रयास किए गए। भारत-ऑस्ट्रेलिया सीईसीए वार्ता का अगला दौर नवंबर 2024 में होने की संभावना है। भारत-आस्ट्रेलिया व्यापार वार्ता में माल, सेवा, डिजिटल व्यापार, सरकारी खरीद, उत्पत्ति के नियम और कृषि तकनीक के क्षेत्रों में किया गया। इनमें से प्रत्येक ट्रैक पर गहन चर्चा की गई, जिससे शेष प्रावधानों में तालमेल के लिए स्पष्टता और आपसी समझ बढ़ी है। बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भारत सरकार के वाणिज्य विभाग के मुख्य वार्ताकार और अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल ने किया, जबकि ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ऑस्ट्रेलिया के डीएफएटी में मुख्य वार्ताकार और प्रथम सहायक सचिव रवि केवलराम ने किया।

खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख; अधिकांश दालें सस्ती

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों में तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा जबकि अधिकांश दालें सस्ती हो गईं वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा सप्ताहांत पर 99 रिंगिट उबलकर 3975 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह सितंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.45 सेंट की तेजी के साथ 39.54 सेंट प्रति पौंड बोला गया। सप्ताहांत पर खाद्य तेलों में टिकाव रहा। इस दौरान सरसों तेल 74 रुपये और सूरजमुखी तेल 72 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि सोया रिफाइंड 74 रुपये और वनस्पति तेल 33 रुपये प्रति क्विंटल उतर गया। वहीं, मूंगफली तेल और पाम ऑयल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले कारोबारी सप्ताह के स्तर पर टिके रहे। सप्ताहांत पर सरसों तेल 13187 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 19560 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 12380 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 12014 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 8666 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 11133 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

विदेशी मुद्रा भंडार 4.55 अरब डॉलर बढ़कर 674.7 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में भारी बढ़ोतरी होने से 16 अगस्त को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.55 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 674.7 अरब डॉलर हो गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.8 अरब डॉलर कम होकर 670.12 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक के जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 16 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.61 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 591.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 86.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 60.1 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में छह करोड़ डॉलर का इजाफा हुआ और यह बढ़कर 18.34 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 1.2 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 4.7 अरब डॉलर हो गया।

फेड के मिनट्स और जेरोम के वक्तव्य का बाजार पर रहेगा असर

मुंबई। मजबूत आर्थिक आंकड़ों की बदौलत अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी आने की संभावना कम होने से हुई लिवाली से बीते सप्ताह करीब एक प्रतिशत तक चढ़े घरेलू बाजार पर अगले सप्ताह फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के मिनट्स और फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल के वक्तव्य का असर रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 649.37 अंक अर्थात 0.81 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस पर 81086.21 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 282 अंक यानी 1.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 24823.15 अंक पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली की रफ्तार अधिक तेज रही। इससे मिडकैप 927.99 अंक अर्थात 1.95 प्रतिशत उछलकर सप्ताहांत पर 48321.92 अंक हो गया। साथ ही स्मॉलकैप 1824.8 अंक यानी 3.4 प्रतिशत की उड़ान भरकर 55681.89 अंक पर पहुंच गया।

दूसरे आईएसएमआर सम्मेलन में भाग लेने सिंगापुर पहुंचीं वित्त मंत्री सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण दूसरे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज (आईएसएमआर) सम्मेलन में भाग लेने के लिए देर शाम सिंगापुर पहुंचीं। वित्त मंत्री का स्वागत सिंगापुर के चांगी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग और सिंगापुर में भारत की उप-उच्चायुक्त सुश्री पूजा टिल्लू ने किया। वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण दूसरे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज (आईएसएमआर) सम्मेलन में भाग लेने के लिए सिंगापुर पहुंच गई हैं। गौरतलब है कि आयोजित

होने वाले दूसरे भारत सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में सीतारमण के अलावा केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, विदेश मंत्री डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर और रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव भी भाग लेंगे।

एनएसई के सूचकांकों में बड़े फेरबदल की तैयारी, 30 सितंबर से लागू होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की इंडेक्स मेंटेनेंस सब कमेटी ने निफ्टी 50, निफ्टी बैंक, निफ्टी नेक्स्ट 50 समेत एनएसई के अलग-अलग सूचकांकों में बड़ा फेरबदल करने का फैसला लिया है। इस फेरबदल में एनएसई के अलग-अलग सूचकांकों से कुछ कंपनियों को हटाने के साथ ही कई नई कंपनियों को शामिल किया जाएगा। निफ्टी 50 से बाहर होने वाली दिग्गज कंपनियों में एलटी माइंडट्री और डिवीज लेबोरेट्रीज के नाम हैं। ये फेरबदल 30 सितंबर से प्रभावित हो जाएगा। निफ्टी के बैंक इंडेक्स से बंधन बैंक को बाहर करके केनरा बैंक को शामिल किया जाएगा। इसी तरह फाइनेंशियल सर्विसेज एक्स-बैंक इंडेक्स से वन 97 कम्युनिकेशंस (पेटीएम) को हटा कर पब्लिक सेक्टर की कंपनी इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन

लिमिटेड (आईआरएफसी) को शामिल किया जा रहा है। इसी तरह निफ्टी 50 इंडेक्स से दिग्गज फार्मास्यूटिकल कंपनी डिवीज लेबोरेट्रीज और आईटी सेक्टर की कंपनी एलटी माइंडट्री को बाहर किया जा रहा है। इन दोनों कंपनियों की जगह पर निफ्टी 50 में डिफेंस सेक्टर की कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) और रिटेल सेक्टर में काम करने वाली कंपनी ट्रेंट लिमिटेड को शामिल किया जा रहा है। इसके अलावा टाटा मोटर्स डीवीआर शेयर को निफ्टी 100, निफ्टी 200, निफ्टी 500 और निफ्टी ऑटोमोबाइल समेत कई सूचकांकों से बाहर किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि टाटा मोटर्स के डिफरेंशियल वोटिंग राइट्स वाले 'ए' रेटिंग वाले ऑर्डिनरी शेयर्स को रद्द करने और उनकी जगह साधारण शेयर जारी करने की कंपनी की योजना के कारण ये फैसला लिया गया है।

भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित किया : गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दूसरे भारत सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज (आईएसएमआर) से एक दिन पहले प्रमुख वैश्विक निवेश फर्मों के नेताओं के साथ मुलाकात की। गोयल आईएसएमआर में भाग लेने के लिए 25-26 अगस्त के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर सिंगापुर में हैं।

वाणिज्य मंत्री ने कहा कि सिंगापुर में एक बहुत ही फलदायी दिन का समापन हुआ, जिसमें 500 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा की प्रबंधन परिसंपत्तियों वाली प्रमुख वैश्विक निवेश फर्मों के नेताओं के साथ बातचीत और चर्चा हुई। गोयल ने कहा कि भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित किया और इन बहुराष्ट्रीय कंपनियों को हमारी विकास यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि दूसरा भारत सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन का आयोजन 26 अगस्त 2024 को सिंगापुर में

होने वाला है। भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय बैठक में 4 केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे। इसमें केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री डॉ सुब्रह्मण्यम जयशंकर और रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव भाग लेंगे। गोयल 26 अगस्त को आयोजित दूसरे भारत सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेंगे। इस बैठक में वाणिज्य मंत्री द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए रणनीतियां तलाशेंगे। इसके अलावा वे अपनी यात्रा के दौरान मंत्री अपने सिंगापुरी समकक्षों और नेतृत्व के साथ बातचीत करेंगे। उल्लेखनीय है कि सिंगापुर, भारत के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का एक प्रमुख स्रोत रहा है।

वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में सिंगापुर भारत के लिए एफडीआई का सबसे बड़ा स्रोत था, जिसमें अनुमानित 11.77 अरब डॉलर का निवेश हुआ था। अप्रैल 2000 से लेकर मार्च 2024 तक सिंगापुर से एफडीआई का संचयी प्रवाह करीब 159.94 बिलियन डॉलर है।

द्विपक्षीय व्यापार में सिंगापुर वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का छठा सबसे बड़ा वैश्विक व्यापार भागीदार था, जिसका कुल व्यापार 35.61 अरब डॉलर था, जो आसियान के साथ भारत के कुल व्यापार का करीब 29 फीसदी है।

ब्लॉक डील्स ने शेयर बाजार में बढ़ाई हचलच, बिग फर्म्स ने किया 20 हजार करोड़ का सौदा

एजेंसी

नई दिल्ली। सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबारी सप्ताह के दौरान घरेलू शेयर बाजार कई बड़ी ब्लॉक डील्स की वजह से जोरदार हलचल का गवाह बना। इस दौरान कंपनियों के प्रमोटरों के साथ प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल फर्म्स ने ब्लॉक डील के जरिये जबरदस्त बिकवाली की। इसकी वजह से शुक्रवार के अंत तक इन ब्लॉक डील्स की वैल्यू 20 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक हो गई। स्टॉक मार्केट के आंकड़ों के मुताबिक 20 अगस्त को एंटफिन सिंगापुर होल्डिंग्स ने ब्लॉक डील के जरिए जोमैटो में अपनी 5 प्रतिशत की हिस्सेदारी की बिकवाली की। ये सौदा 4,771 करोड़ रुपये में हुआ। 20 अगस्त को ही जनरल अटलांटिक ने पीएनबी हाउसिंग में 2.4 प्रतिशत की हिस्सेदारी को 1,116 करोड़ रुपये में बेच दिया। पीएनबी हाउसिंग के शेयरों में दो दिन बाद ही एक बार फिर ब्लॉक डील हुई। 22 अगस्त को एशिया ऑपर्च्यूनिटीज वी (मॉरीशस) ने पीएनबी हाउसिंग में 3.1 प्रतिशत की हिस्सेदारी को 1,032.72 करोड़ रुपये में बेच दिया।

22 अगस्त को इक्विटी फर्म वॉरबर्ग पिनकस ने ब्लॉक डील के माध्यम से कल्याण ज्वेलर्स में अपनी 6.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी। ये पूरा सौदा 3,585 करोड़ रुपये में हुआ। इसी दिन क्रिस कैपिटल ने एरिस लाइफ साइंसेज में अपनी 7.3 प्रतिशत हिस्सेदारी को 1,187 करोड़ रुपये में बेच दिया। इसके अलावा एल्केम लेबोरेट्रीज के प्रमोटर्स ने ब्लॉक डील के जरिए 487 करोड़ रुपये में अपनी 0.71 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 23 अगस्त को करीब 13 हजार करोड़ रुपये की ब्लॉक डील्स को फाइनलाइज किया गया। इन ब्लॉक डील्स के जरिए मुख्य रूप से टाटा टेक्नोलॉजी, अंबुजा सीमेंट्स, नायका और जीएमआर एयरपोर्ट्स के शेयरों की बिकवाली की गई।

टॉप 10 कंपनियों में से 9 का मार्केट कैप बढ़ा, रिलायंस देश की मोस्ट वैल्यूएबल कंपनी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में हुए उतार-चढ़ाव के कारण पिछले सप्ताह के दौरान देश की टॉप 10 कंपनियों में से 9 के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई, जबकि 1 कंपनी के मार्केट कैप में गिरावट आई। टॉप 10 में शामिल इन 9 कंपनियों के मार्केट कैप में पिछले सप्ताह 95.52 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। एक कंपनी के मार्केट कैप में इस कारोबारी सप्ताह के दौरान 4,835 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। शेयर मार्केट से मिले आंकड़ों के मुताबिक पिछले सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और हिन्दुस्तान यूनीलीवर सबसे ज्यादा फायदे में रहीं। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 29,634.24 करोड़ रुपये बढ़कर 20.29 लाख करोड़ हो गया। इसी तरह टीसीएस का मार्केट कैप 17,167.83 करोड़ रुपये बढ़ कर 16.15 लाख करोड़ रुपये हो गया। हिन्दुस्तान यूनीलीवर का मार्केट कैप

15,222.36 करोड़ रुपये बढ़कर 6.61 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इसके अलावा भारती एयरटेल का मार्केट कैप 12,268.39 करोड़ रुपये बढ़ कर 8.57 लाख करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 11,524.92 करोड़ रुपये बढ़ कर 8.47 लाख करोड़ रुपये, आईटीसी का मार्केट कैप 3,695.14 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 6.32 लाख करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक का मार्केट कैप 2,498.89 करोड़ रुपये बढ़ कर 7.27 लाख करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 1,992.37 करोड़ रुपये बढ़ कर 6.71 लाख करोड़ रुपये और इंफोसिस का मार्केट कैप 1,245.64 करोड़ रुपये बढ़ कर 7.73 लाख करोड़ रुपये हो गया।

दूसरी ओर, एचडीएफसी का मार्केट कैप पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान 4,835.34 करोड़ रुपये घट कर 12.38 लाख करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। राहत की बात यही रही कि इस सप्ताह टॉप 10 में शामिल सिर्फ एक कंपनी एचडीएफसी के मार्केट कैम में ही गिरावट आई, जबकि शेष सभी 9 कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी दर्ज की गई। मार्केट कैप के लिहाज से मोस्ट वैल्युएबल भारतीय कंपनी होने की बात है, तो रिलायंस इंडस्ट्रीज 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक के मार्केट कैप के साथ इस सप्ताह भी देश की मोस्ट वैल्युएबल कंपनी बनी हुई है। इसके बाद 16.15 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ टीसीएस दूसरे स्थान पर, 12.38 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ एचडीएफसी बैंक तीसरे स्थान पर, 8.57 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ भारती एयरटेल चौथे स्थान पर और 8.47 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ आईसीआईसीआई बैंक पांचवी मोस्ट वैल्युएबल कंपनी बनी हुई है। इनके अलावा मार्केट कैप के लिहाज से इंफोसिस छठे पायदान पर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सातवें पायदान पर, एलआईसी आठवें पायदान पर, हिंदुस्तान यूनिलीवर नौवें पायदान पर और आईटीसी दसवें पायदान पर बनी हुई हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.71 प्रतिशत उबलकर 74.96 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 2.48 प्रतिशत की तेजी लेकर 79.02 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच सीईसीए पर नवंबर में होगी अगले दौर की बातचीत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के अधिकारी व्यापक मुक्त व्यापार समझौते पर अगले दौर की बातचीत नवंबर में कर सकते हैं। दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (सीईसीए) वार्ता का दसवां दौर 19-22 अगस्त को ऑस्ट्रेयिा के सिडनी में संपन्न हुआ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच सीईसीए वार्ता का दसवां दौर 19-22 अगस्त को सिडनी में संपन्न हो गया है। इस बैठक में वस्तुओं, सेवाओं, डिजिटल व्यापार, सरकारी खरीद, वस्तु उत्पत्ति के नियम और कृषि-तकनीक के क्षेत्रों पर बातचीत हुई। मंत्रालय के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच प्रत्येक विषय पर गहन चर्चा हुई। मंत्रालय के मुताबिक सीईसीए वार्ता का अगला दौर नवंबर में होने की संभावना है।

मंत्रालय ने कहा कि सीईसीए वार्ता का 10वां दौर 9वें दौर के समापन से लगभग 5 महीने के अंतराल के बाद आयोजित किया गया। हालांकि, इन सभी ट्रैक के साथ-साथ अन्य शेष ट्रैक पर अभिसरण लाने के लिए इन दोनों राउंड के बीच अंतर-सत्रीय बैठकें

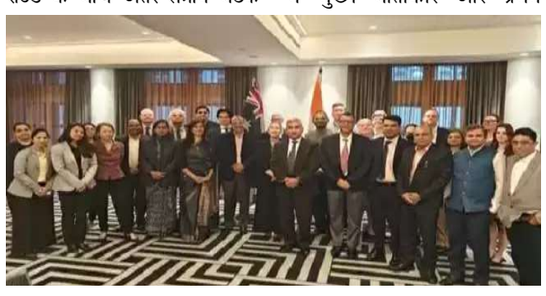

आयोजित की गई। बयान के मुताबिक ऑस्ट्रेलियाई पक्ष ने अगले दौर की वार्ता से पहले 23 सितंबर को भारत-ऑस्ट्रेलिया कृषि तकनीक मंच (आईएएटीएफ) की पहली बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव रखा है। इस नए मंच का गठन ऑस्ट्रेलिया ने किया है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि सीईसीए वार्ता में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भारत सरकार के वाणिज्य विभाग के मुख्य वार्ताकार और अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल ने किया, जबकि ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ऑस्ट्रेलिया के डीएफएटी में मुख्य वार्ताकार और प्रथम सहायक सचिव रवि केवलराम ने किया। उल्लेखनीय है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वित्त वर्ष 2023-24 में व्यापार लगभग 24 अरब डॉलर का रहा है। पिछले वित्त वर्ष में ऑस्ट्रेलिया को भारत से निर्यात 7.94 अरब डॉलर था, जबकि आयात 16.15 अरब डॉलर था। दोनों देशों के बीच में व्यापार वित वर्ष 2021-22 से लगभग 25 अरब डॉलर के आसपास बना हुआ है।

शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी, अगस्त में मार्केट से की 16,305 करोड़ की निकासी

एजेंसी

नई दिल्ली। अगस्त के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने घरेलू शेयर बाजार में लगातार बिकवाली का दबाव बनाए रखने की कोशिश की है, जिसकी वजह से सेंसेक्स में ऊपरी स्तर से करीब 1,043 अंक और निफ्टी में ऊपरी स्तर से करीब 255 अंक तक की गिरावट आ चुकी है। माना जा रहा है कि अमेरिका में मंदिर की आशंका, वैश्विक स्तर पर बढ़ते जियो पॉलिटिकल टेंशन और जापान की मुद्रा येन में %कैरी ट्रेड% के बंद होने से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक इस महीने शुद्ध बिकवाल की भूमिका में आ गए हैं।

अगस्त में अभी तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में खरीद बिक्री मिला कर 16,305 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री की है। जानकारों का कहना है कि जापान की मुद्रा येन में कैरी ट्रेड बंद होने से विदेशी निवेशकों ने अपना पैसा निकालना शुरू कर दिया है। बतादें कि कैरी ट्रेड का मतलब कम ब्याज दर वाले देश से पैसा निकाल कर दूसरे देश के एसेट्स में निवेश करना होता है। बैंक ऑफ जापान ने हाल में ही ब्याज दर में

0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है, जिसकी वजह से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जापान में अपना निवेश बढ़ाने के लिए भारत समेत दूसरे स्टॉक मार्केट से पूंजी की निकासी शुरू कर दी है। शेयर बाजार के एक्सपर्ट्स का मानना है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक जून और जुलाई के महीने में नेट बायर की भूमिका निभा रहे थे, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल में लगातार तेजी बनी हुई थी। जून के महीने में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 26,565 करोड़ रुपये की खरीदारी की थी। इसी तरह जुलाई के महीने में भी विदेशी निवेशकों द्वारा 32,365 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया गया था। इन दो महीनों की तेजी के बाद अब विदेशी निवेशक मुनाफा वसूली करके अपना पैसा निकालने में जुट गए हैं, जिसका असर घरेलू शेयर बाजार की चाल पर भी पड़ा है। इसके अलावा शेयर बाजार के हाई वैल्यूएशन और कंपनियों के तिमाही नतीजों की वजह से भी विदेशी निवेशकों द्वारा बिकवाली की जा रही है। और तो और, इस बार के बजट में इक्विटी इन्वेस्टमेंट पर कैपिटल गैन टैक्स में बढ़ोतरी करने का प्रावधान शामिल करने की वजह से भी विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ा दिया है। शेयर मार्केट एनालिस्ट प्रकाश गाबा का मानना है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक अभी बिकवाल की भूमिका में जरूर बने हुए हैं, लेकिन पिछले कारोबारी सप्ताह में घरेलू संस्तागत निवेशकों ने जिस तरह से आक्रामक लिवाली की है, उससे सामान्य परिस्थितियों में घरेलू शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आने की आशंका टलती हुई नजर आ रही है। पिछले सप्ताह के दौरान विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण शेयर बाजार में कुछ दबाव तो जरूर बना लेकिन डीआईआई के एक्टिव होकर लिवाली करने से छोटे निवेशक बड़े नुकसान से बच गए।

इसी तरह धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांधामी के मुताबिक घरेलू घरेलू संस्थागत निवेशकों द्वारा प्रतिकूल परिस्थितियों में मजबूती से खरीदारी करने का ट्रेंड पिछले दो-तीन सालों के दौरान काफी तेजी से बढ़ा है, जिसकी वजह से अब घरेलू शेयर बाजार को विदेशी निवेशक अपनी मर्जी के मुताबिक उठा या गिरा नहीं सकते हैं।

विदेशी निवेशक जब भी भारतीय स्टॉक मार्केट में बिकवाली का दबाव बनाने की कोशिश करते हैं, तब घरेलू संस्थागत निवेशक आक्रामक अंदाज में खरीदारी शुरू कर देते हैं, जिससे बाजार आमतौर पर बड़ी गिरावट से बच जाता है। ऐसा होने से खुदरा निवेशक भी बड़े नुकसान का सामना करने से बच जाते हैं।

घरेलू संस्थागत निवेशकों की ओर से खरीदारी करने का ये ट्रेंडल देश की अर्थव्यवस्था में लगातार आ रही तेजी को भी दर्शाता है। वाब में आक्रामक अंदाज में लिवाली करने का तरीका अपना लिया है, जिसकी वजह से घरेलू शेयर बाजार की चाल पर ज्यादा असर नहीं पड़ता है। ऐसा होने की वजह से छोटे और खुदरा निवेशकों के हित भी आमतौर पर सुरक्षित रहते हैं।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार दो दिन की गिरावट के बाद जन्माष्टमी के एक दिन पहले घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख नजर आ रहा है। आज की तेजी के कारण 24 कैरेट सोना एक बार फिर 73 हजार रुपये के स्तर के ऊपर पहुंच गया है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 73,190 रुपये से लेकर 73,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 67,100 रुपये से लेकर 66,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी भी आज प्रति किलोग्राम 1,400 रुपये तक महंगा हुआ है। कीमत में आई उछाल की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 88,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 73,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 73,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,950 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

इस ड्राई फ्रूट से बना दूध सेहत के लिए है अमृत, गाय-भैंस के मिल्क समान पौष्टिक, ब्लड शुगर, वजन कम करने में रामबाण

यदि आपको गाय-भैंस का दूध नहीं पचता है, एलर्जी होती है या लैक्टोस इंटॉलरेंस है तो आप बादाम का दूध पी सकते हैं. बादाम का दूध आप घर पर आसानी से बना सकते हैं और पा सकते हैं ढेरों सेहत लाभ.

दूध पीने हड्डियों को मजबूती मिलती है. दांत हमेशा जड़ से मजबूत रहते हैं. हालांकि, कुछ लोगों को लैक्टोस इन्टॉलरेंस की समस्या होती है, तो किसी को गैस बनने लगता है. इससे वे दूध या दूध से बने प्रोडक्ट्स का सेवन नहीं कर पाते हैं. ऐसे में उनके सामने दूध का दूसरा हेल्दी विकल्प क्या हो सकता है? आप दूध नहीं पी पाते हैं तो बादाम का दूध पी सकते हैं. यह एक हेल्दी ऑप्शन है. यह गाय-भैंस के दूध की ही तरह शरीर को लाभ पहुंचाता है. चलिए जानते हैं बादाम का दूध पीने के फायदों के बारे में...

बादाम का दूध पीने के फायदे

मेडिकलन्यूजटुडे के अनुसार, बादाम के दूध में ढेरों न्यूट्रिएंट्स होते हैं. बादाम का पानी में मिलाकर पीसा जाता है और फिर ठोस पदार्थों को निकालने के लिए मिश्रण को छाना जाता है. इसका स्वाद नटी और टेक्सचर क्रीमी होता है. जिन लोगों को दूध से एलर्जी, लैक्टोस इन्टॉलरेंस की समस्या है या जो लोग वेगन डाइट फॉलो करते हैं, उनके लिए बादाम का दूध काफी बेहतर विकल्प है.

बादाम के दूध में विटामिन डी, कैल्शियम, प्रोटीन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, राइबोफ्लेविन आदि मौजूद होते हैं, इस वजह से ये रेगुलर दूध की ही तरह हेल्दी होता है. खासकर, इसमें विटामिन ई भी काफी होता है. इसमें कैलोरी की भी मात्रा कम होती है. इसका मतलब ये है कि आप बिना अपना वजन बढ़ाए बादाम का दूध पी सकते हैं.

बाजार में मिलने वाले कई बादाम के दूध में एडेड शुगर होता है. ऐसे में आप शुगर फ्री बादाम का दूध पिएं, क्योंकि ये लो कार्ब पेय पदार्थ होता है. शुगर फ्री बादाम मिल्क पीने से ब्लड शुगर लेवल नहीं बढ़ता है. इतना ही नहीं, बादाम के दूध में फैट और प्रोटीन भी अधिक होते हैं. ये ब्लड शुगर लेवल को बढ़ाता नहीं है. ऐसे में डायबिटीज पेशेंट के लिए इसका सेवन हेल्दी है. साथ ही वे भी इसे पी सकते हैं, जो लो कार्ब डाइट फॉलो करते हैं.

हार्ट को स्वस्थ रखना है तो आप बादाम का दूध पी सकते हैं. इसमें अनप्रॉसेस्ड फैट होता है, जो हृदय के लिए हेल्दी होता है. इसमें एंटीऑक्सीडेंट जैसे विटामिन ई भी होता है, जो हार्ट डिजीज से बचाता है. कुछ स्टडी में ये बात कही गई है कि नट्स के सेवन से हार्ट डिजीज के होने का रिस्क कम होता है. ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें हेल्दी फैट्स होते हैं.

इंफ्लेमेशन की समस्या से परेशान रहते हैं तो डाइट में बादाम का दूध शामिल करें. यह जोड़ों के दर्द को भी कम कर सकता है. मांसपेशियां हेल्दी रहती हैं.

घर पर कैसे बनाएं बादाम का दूध

आप मार्केट में मिलने वाले बादाम का दूध नहीं पीना चाहते हैं तो घर पर भी आसानी से इसे बना सकते हैं. इसके लिए आप 1 कप बादाम को रात भर पानी में डालकर छोड़ दें. सुबह छिलका हटा दें. ब्लेंडर में दो से तीन कप पानी डालें. इसमें बादाम डालकर अच्छी तरह से ब्लेंड करें. अब इसे एक गिलास में छन्नी या कपड़े की मदद से छान लें. आप इसे थोड़ा मीठा बनाना चाहते हैं तो शहद भी आधा चम्मच मिक्स कर सकते हैं. इसे बॉटर में डालकर फ्रिज में रख दें. इसका सेवन आप 2-3 दिन कर सकते हैं.

फैसला वापस लेने को मजबूर मोदी

राहुल गांधी ने पहले भारत जोड़ो यात्रा और उसके बाद भारत जोड़ो न्याय यात्रा में भी जाति जनगणना का मुद्दा बड़ी मजबूती से उठाया था। इसका परिणाम यह हुआ कि नरेंद्र मोदी जनगणना से ही भागते रहे। प्रति दस साल बाद होने वाली जनगणना आज़ादी के बाद पहली बार अवरुद्ध हुई है। दरअसल, जाति जनगणना नरेंद्र मोदी के लिए आगे कुआं और पीछे खाई जैसी स्थिति है। नरेंद्र मोदी अगर जाति जनगणना नहीं कराते हैं तो ओबीसी उनके हाथ से निकल जायेगा और अगर कराते हैं तो श्रेय राहुल गांधी को जाएगा।नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल के दो महीने के भीतर तीन बड़े फैसले वापस लेने के लिए मजबूर हुए हैं। पहले, वक्फ़ बोर्ड संपत्ति मामले में बिल लाकर भारतीय जनता पार्टी ने मुस्लिम समाज को एक बार फिर से खलनायक बनाने की कोशिश की, लेकिन एनडीए के सहयोगी दलों खासकर चंद्रबाबू नायडू के विरोध और नीतीश कुमार की खामोशी के कारण नरेंद्र मोदी सरकार ने इसे जेपीसी को सौंप दिया। जाहिर तौर पर अब इस बिल का ना तो वह स्वरूप होगा और ना ही इसके जरिए भारतीय जनता पार्टी हिंदू मुसलमान राजनीति करने में कामयाब हो सकेगी। इसके बाद नए ब्रॉडकास्ट बिल को लेकर नरेंद्र मोदी ने बहुत मजबूती के साथ कदम बढ़ाया लेकिन विपक्ष के दबाव और लगातार बढ़ती असहमतियों की आवाजों के कारण सरकार यह बिल संसद में पेश करने से पहले ही पीछे हट गई। इसके बाद 20 अगस्त को एक बहुत महत्वपूर्ण फैसला नरेंद्र मोदी ने वापस किया लिया।दरअसल, 17 अगस्त को यूपीएससी की तरफ से जारी विज्ञापन में 24 विभागों की 45 उप सचिव, संयुक्त सचिव और निदेशक जैसे पदों के लिए लैटरल एंट्री का विज्ञापन जारी गया था। इसमें आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं था। लिहाजा, राहुल गांधी से लेकर अखिलेश यादव, मायावती, मल्लिकार्जुन खड़गे और तेजस्वी यादव समेत समूचे इंडिया गठबंधन के दलों ने लैटरल एंट्री के विरोध में मोर्चा खोल दिया। इसके साथ-साथ एनडीए के घटक दल के सहयोगी चिराग पासवान ने खुलकर लैटरल एंट्री का विरोध किया और सरकार के समक्ष इस मुद्दे को उठाने का ऐलान किया। इसके बाद जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने लैटरल एंट्री का सधे शब्दों में विरोध किया और सरकार से इसे वापस लेने का अनुरोध करते हुए कहा कि इससे इंडिया गठबंधन को हमला करने का मौका मिलेगा। इसका परिणाम यह हुआ कि 20 अगस्त की दोपहर होते-होते केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह की तरफ से लैटरल एंट्री का निरस्त्रीकरण संबंधी पत्र जारी किया गया। इस पत्र के हवाले से जितेंद्र सिंह ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि सिंगल पदों पर कोई आरक्षण का प्रावधान क्यों नहीं है। नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि लैटरल एंट्री में भी सामाजिक न्याय सुनिश्चित हो। इस तरह यह फैसला भी वापस हो गया।

इस फैसले ने तय कर दिया है कि अब भारत की राजनीति का पहिया पूरी तरीके से घूम चुका है। पिछले एक दशक से चल रही कॉर्पोरेट हितैषी हिंदुत्व की राजनीति का समय अब समाप्त हो गया है। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव ने ही यह तय कर दिया था कि अब राजनीति दलितों-वंचितों के साथ सामाजिक न्याय के रथ पर सवार होकर आगे बढ़ रही है। नरेंद्र मोदी की हिंदुत्व की राजनीति के लिए अब कोई मौका नहीं है। ऐसे में उन्हें लगातार इस तरह के फैसले वापस लेने पड़ रहे हैं। अब जबकि हिंदुत्व की राजनीति का चक्र पूरा हो चुका है और राजनीति सामाजिक न्याय की धुरी पर आकर केंद्रित हो गई है, ऐसे में वे तमाम मुद्दे अब सामने आएंगे जिनसे नरेंद्र मोदी अब तक बचते रहे हैं। राहुल गांधी ने 20 अगस्त की शाम को ट्वीट करके लैटरल एंट्री की वापसी को संविधान की जीत बताया और जाति जनगणना तथा 50 फ़ीसदी आरक्षण की सीमा को खत्म करने की मांग दोहराई। जाहिर है कि राहुल गांधी का अगला कदम जाति जनगणना और आरक्षण की सीमा 50 फ़ीसदी को हटाए जाने की मुहिम होगी। नरेंद्र मोदी पिछले 4 साल से जाति जनगणना के मुद्दे से मुंह छुपा रहे हैं। 2020-21 में उन्हें एक मौका कोरोना की आपदा ने दिया था। कोरोना प्रोटोकॉल के नाम पर उन्होंने जनगणना को ही टाल कर दिया था। हालांकि इस दरमियान विधानसभा से लेकर पंचायत तक के चुनाव संपन्न हुए और खुद नरेंद्र मोदी ने सैकड़ों सभाएं कीं।राहुल गांधी ने पहले भारत जोड़ो यात्रा और उसके बाद भारत जोड़ो न्याय यात्रा में भी जाति जनगणना का मुद्दा बड़ी मजबूती से उठाया था। इसका परिणाम यह हुआ कि नरेंद्र मोदी जनगणना से ही भागते रहे। प्रति दस साल बाद होने वाली जनगणना आज़ादी के बाद पहली बार अवरुद्ध हुई है। दरअसल, जाति जनगणना नरेंद्र मोदी के लिए आगे कुआं और पीछे खाई जैसी स्थिति है। नरेंद्र मोदी अगर जाति जनगणना नहीं कराते हैं तो ओबीसी उनके हाथ से निकल जायेगा और अगर कराते हैं तो श्रेय राहुल गांधी को जाएगा। सवर्ण जातियां जाति जनगणना कतई नहीं चाहतीं। यही बीजेपी का आधार वोटबैंक हैं। लेकिन इसकी तादात 12-15 फीसदी से अधिक नहीं है। केवल सवर्णों के सहारे बीजेपी कभी चुनाव नहीं जीत सकती। जाति जनगणना का मुद्दा पहले बिहार में मुखर हुआ था।विपक्ष में रहे तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ मिलकर नरेंद्र मोदी से जाति जनगणना कराने का आग्रह किया। लेकिन जब बिहार में एनडीए की सरकार टूट गई और महागठबंधन की सरकार बनी, तो नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की सरकार ने बिहार में जाति जनगणना और आर्थिक सर्वेक्षण कराया। बिहार में जो डेमोग्राफी सामने आई, उससे भारतीय जनता पार्टी के पैरों तले से जमीन खिसक गई। सवर्ण अगड़ी जातियों की संख्या को अभी तक जितना बढ़ा चढ़ाकर पेश किया गया था, उसकी कलई खुल गई। दूसरी तरफ भाजपा कुछ पिछड़ी और दलित जातियों पर आरोप लगाती रही है कि राजनीतिक प्रभुत्व के जरिए यादवों ने सरकारी नौकरियां ज्यादा हासिल की हैं। पिछड़ों के आरक्षण की मलाई अकेले यादव ही हड़प गए। लेकिन बिहार की जाति जनगणना ने स्पष्ट कर दिया कि सरकारी नौकरियों से लेकर संपत्ति और संसाधनों पर अगड़ी सवर्ण जातियों का कब्जा है। इससे भारतीय जनता पार्टी की यादव विरोधी मुहिम कमजोर पड़ती है और दूसरे अगड़ी जातियों की संपन्नता और सरकारी नौकरियों तथा संसाधनों पर वर्चस्व से अगड़ा और पिछला विभाजन ज्यादा मजबूत होता है। यह स्थिति भारतीय जनता पार्टी की राजनीति के लिए खतरनाक है।नरेंद्र मोदी के पास जाति जनगणना की क्या कोई काट मौजूद है? जाति जनगणना के बरक्स उनके पास केवल एक ट्रंप कार्ड है। रोहिणी कमीशन की रिपोर्ट लागू करके नरेंद्र मोदी अति पिछड़ों को ओबीसी के भीतर अलग आरक्षण का प्रावधान कर सकते हैं। कर्पूरी ठाकुर के फार्मूले के अनुसार भी अति पिछड़ों को अलग आरक्षण दिया जाना चाहिए। यह सामाजिक न्याय के लिए जरूरी भी है। लेकिन समस्या यह है कि अभी पिछड़ों के लिए केवल 27 फ़ीसदी आरक्षण का प्रावधान है। मंडल कमीशन और सामाजिक न्याय का सिद्धांत कहता है कि पिछड़ों के लिए आबादी के अनुसार आरक्षण होना चाहिए। राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी के इस कार्ड को पहले ही भाँप लिया है। इसलिए उन्होंने 50 फ़ीसदी सीमा को हटाकर आरक्षण बढ़ाने की मांग की है।

अगर नरेंद्र मोदी रोहिणी कमीशन की रिपोर्ट लागू करके अति पिछड़ों को अलग से आरक्षण का प्रावधान करते हैं तो निश्चित रूप से पिछड़ों की मजबूत जातियों की तरफ से आरक्षण की सीमा बढ़ाये जाने की मांग जोर पकड़ेगी। यह आंदोलन नरेंद्र मोदी के लिए बहुत मुश्किल साबित होगा। दरअसल, कुछ राज्यों में मजबूत पिछड़ी जातियां भारतीय जनता पार्टी का आधार हैं। जैसे उत्तर प्रदेश में जाट , गुर्जर, लोध और हरियाणा, महाराष्ट्र में यादव। यह मामला भी नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के लिए आगे कुआं और पीछे खाई वाली स्थिति है। इसीलिए इन दिनों भारतीय जनता पार्टी और खासकर आरएसएस ने अपने अनुषंगी संगठनों को दलित और पिछड़ों के बीच में धर्म सभाएं आयोजित करने के लिए सक्रिय कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी की मुश्किल यह है कि अगर राजनीति जाति और सामाजिक न्याय पर केंद्रित होती है तो उसके पास कोई नैरेटिव नहीं होगा। अगर नरेंद्र मोदी आरक्षण को बढ़ाते हैं और जाति जनगणना कराते हैं तो अगड़ी जातियां उनके हाथ से निकल सकती हैं। यह स्थिति नरेंद्र मोदी के लिए बेहद पेचीदा ही नहीं डरावनी भी है। इसीलिए इस समय नरेंद्र मोदी फैसला करके वापस लेने के लिए मजबूर हैं।

संपादकीय

कमला की दावेदारी

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिये डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के विधिवत पार्टी प्रत्याशी घोषित होने के बाद आगामी पांच नवंबर को होने वाले चुनावी मुकाबले की स्थिति स्पष्ट हो गई है। अब चुनावी मैदान में कमला हैरिस की दमदार उपस्थिति से समीकरण बदल गए हैं। उनके प्रतिद्वंद्वी रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप, जो पिछले महीनों में अजेय बढ़त लेते दिख रहे थे, अब पहले जैसी स्थिति में नहीं हैं। खासकर एक जनसभा में उनकी कथित हत्या के प्रयास में बाल-बाल बचने के बाद उन्होंने जिस तरह निडरता से अपनी मुट्ठी तानकर अपनी सशक्त अभिव्यक्ति दी थी, उससे वे सहानुभूति के चलते बढ़त लेते नजर आ रहे थे। तब राष्ट्रपति जो बाइडेन का चुनाव अभियान लगातार पिछड़ता नजर आ रहा था, जिससे ट्रंप खासे उत्साहित थे। लेकिन अब चुनाव अभियान से जुड़ी स्थितियां पिछले कुछ हफ्तों में तेजी से बदलती नजर आ रही हैं। दरअसल, सेहत के मुद्दे तथा शिथिल प्रदर्शन के चलते डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से बाइडेन पर राष्ट्रपति चुनाव के लिये दावेदारी वापस लेने का लगातार दबाव बढ़ता गया । कालांतर भारी दबाव के बाद बाइडेन ने राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिये अपनी दावेदारी को वापस ले लिया। जिसके बाद भारतीय और जमैका के अप्रवासियों की बेटी कमला हैरिस के चुनाव लड़ने का मार्ग प्रशस्त हुआ। धीरे-धीरे चुनावी मुहिम में तेजी आई और डेमोक्रेट सही मायनों में पटरी पर लौटते नजर आए हैं। जिससे पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप के लिये असहज स्थितियां बनने लगी। निस्संदेह, कुशल वक्ता के रूप में दमदार उपस्थिति से कमला हैरिस ने अमेरिकी जनमानस का ध्यान खींचा। इतना ही नहीं, उन्हें डेमोक्रेट पार्टी के दिग्गज नेताओं का भी खुला समर्थन मिला। जिसमें पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और बिल क्लिंटन के दमदार भाषणों ने कमला हैरिस की दावेदारी को और सशक्त बनाया। कुल मिलाकर पार्टी के कमला को विधिवत प्रत्याशी घोषित करने वाले सम्मेलन के बाद चुनावी अभियान में उन्हें बढ़त मिलती दिख रही है।

निस्संदेह, आने वाले दिनों में चुनावी मुकाबला कड़ा होता जाएगा। एक मुखर व बेबाक वक्ता के रूप में कमला हैरिस अमेरिकी जनमानस को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने जनमानस की आकांक्षाओं के अनुरूप संदेश देने का प्रयास किया है कि व्हाइट हाउस में एक 'अगंभीर आदमी' की वापसी के 'गंभीर परिणाम' अमेरिकी जनता को भुगतने पड़ सकते हैं। दरअसल, अभी तक वर्तमान राष्ट्रपति बाइडेन को केंद्र में रखकर आक्रामक नीति बनाने वाले ट्रंप को अब मैदान में कमला हैरिस के उतरने के बाद नए सिरे से रणनीति बनानी पड़ रही है। वे असमंजस की स्थिति में हैं। वे जानते हैं कि उनका मुकाबला एक दमदार प्रत्याशी से है, जो उनके कथित यौन अपराधों में संलिप्तता के मुद्दे पर आड़े हाथ लेने से पीछे नहीं रहने वाली। वहीं ट्रंप के कार्यकाल में ओवल ऑफिस में देखी गई अराजकता तथा वर्ष 2020 के चुनाव में पराजय के बाद कैपिटल हिल में उनके समर्थकों के हिंसक कृत्य अमेरिकियों के दिमाग में अभी भी ताजे हैं। बहरहाल, अमेरिकी जनमानस में कमला हैरिस की लगातार बढ़ती लोकप्रियता से मुकाबले में ट्रंप को कोई जादू करना पड़ेगा। हालांकि, सर्वेक्षणों में कमला हैरिस की लोकप्रियता में वृद्धि देखी गई है। इसी कड़ी में ट्रंप को अगले महीने कमला के खिलाफ टेलीविजन पर होने वाली बहस में अपनी पकड़ बनानी होगी। हालांकि, पिछले जून की बहस में वे जो बाइडेन पर बढ़त लेते नजर आए थे। दरअसल, जो बाइडेन स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते पिछड़ते दिखे थे, जो जनमानस मे बड़ा मुद्दा बना दिया गया। इतना ही नहीं डेमोक्रेट पार्टी में भी जो बाइडेन पर नाम वापसी के लिये दबाव बढ़ता गया।

निस्संदेह, अब परिस्थितियां बदल गई हैं। पहले जहां बाइडेन को इस चुनाव में सबसे ज्यादा उम्रदराज व्यक्ति के रूप में दर्शाया जा रहा था, अब कमला हैरिस ट्रंप के मुकाबले युवा हैं। जिसका लाभ उन्हें चुनाव अभियान में मिल सकता है। इसके बावजूद कमला को ध्यान रखना होगा कि सिर्फ ट्रंप को कोसने से ही वे बढ़त नहीं ले सकतीं। उन्हें अमेरिका को आगे बढ़ाने का रोड मैप व्यावहारिक कार्ययोजना के साथ अपने मतदाताओं के समक्ष रखना होगा।

हिंदू समाज को एकजुट करने के लिए सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना होगा

अट्ठारवीं लोकसभा के लिए भारत की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ सराकर चलाने का निर्णय तो दिया किन्तु साथ ही विपक्ष भी अपनी सीटें बढ़ाने में सफल रहा। बढ़ी हुई सीटों के साथ आक्रामक विपक्ष यह दिखाने का प्रयास कर रहा है कि जनता ने उन्हें संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए चुना है जबकि वास्तविकता ये है कि उनकी बढ़ी हुई सीटें एक वर्ग के उनके झूठ में फँस जाने के कारण आई हैं ।विपक्ष को अपनी बढ़ी हुई सीटों के कारण यह आत्मविश्वास मिल गया है कि अब आरक्षण और जाति के आधार पर भाजपा, संघ व हिंदुत्व को कमजोर करके सत्ता प्राप्त की जा सकती है। विपक्ष के लिए जातिगत मुद्दे सत्ता प्राप्ति का मार्ग हो सकते हैं किन्तु हिन्दू समाज के अस्तित्व के लिए इन मुद्दों का उभार एक बड़े संकट का आरम्भ है। कांग्रेस और इंडी गठबंधन जिसकी अधिकांश पार्टियाँ जाति आधारित हैं अपने मतदाताओं को जोड़े रखने के लिए आरक्षण के बहाने जाति का कार्ड खेल रही हैं। कांग्रेस और भी नीचे जाकर इस जाति कार्ड को संविधान की रक्षा का नाम दे रही है और एक भ्रमजाल फैला रही है। लोकसभा चुनावों से पहले किया गया झूठ का प्रयोग अब और व्यापक हो रहा है, राहुल गांधी जिस प्रकार की बयानबाजी कर रहे हैं उससे यह प्रतीत हो रहा है कि कांग्रेस अब पूरी तरह से टुकड़े टुकड़े गैंग का विस्तरित रूप ले चुकी है। विगत दिनों ऐसी कई महत्वपूर्ण घटनाएं घटी हैं जिन पर कांग्रेस व इंडी गठबंधन के नेताओं का रुख जाती और आरक्षण के नाम पर देश को अराजकता में झोंकने वाला रहा है। इंडी गठबंधन के विभिन्न दलों के नेता तथा हर बात पर जाति पूछ रहे हैं और हर चर्चा को उसी धारा में मोड़ने का विकृत प्रयास कर रहे हैं। राहुल गाँधी द्वारा संसद के बजट सत्र में, बजट टीम का चित्र दिखाकर उसमें अधिकारियों की जाति पूछना एक ऐसा ही निंदनीय और घृणित प्रयास था । सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की बेंच ने 6-1 से आरक्षण में क्रीमीलेयर के मुद्दे पर कुछ व्यावहारिक सुझाव दिये थे फैसला नहीं दिया था और ये सुझाव तत्काल लागू भी नहीं किये जा रहे थे और इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने भी तत्परता दिखाते हुए एस.सी. /एस.टी. व दलित सांसदो को भरोसा दिलाया था कि यह फैसला फिलहाल लागू नहीं किया जा रहा है। उस समय बसपा नेत्री मायावती ने केंद्र सरकार की सराहना की थी किंतु शीघ्र ही इस विषय पर उनका दोहरा मापदंड सामने आ गया । बसपा नेत्री मायावती को इस मुद्दे की आड़ में राजनीति में तीसरी ताकत बनने का सपना आ गया और उन्होंने कुछ दलित संगठनों द्वारा इस पर बुलाए गये बंद का समर्थन कर दिया।

विपक्ष ने केवल अपने निहित स्वार्थ व तुष्टिकरण की राजनीति के चलते भारत बंद बुलाया जो कहीं सफल और कहीं पूरी तरह से नाकाम हो गया। विपक्ष द्वारा आयोजित भारत बंद को कहीं भी आम जनता का पूर्ण समर्थन नहीं मिला । सुप्रीम कोर्ट के सुझावों के खिलाफ बुलाया गया बंद केवल अपनी अपनी राजनीति चमकाने के लिए किया गया था। भारत बंद के दौरान राजनीतिक दलों के नेताओं व उनके प्रवक्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के विरोध और उनकी छवि को खराब करने के कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। इस बीच स्वयंभू किसान नेता राकेश टिकैत ने मीडिया पर बंगाल की घटना को बेवजह हाईलाइट करने का आरोप तक लगा दिया। राकेश टिकैत कह रहे हैं कि मोदी सरकार को बहुत जल्दी हम बांग्लादेश की तरह निपटा देंगे। जिस दिन हम ट्रेक्टर लेकर लाल किला गये थे उसी दिन निपटा देते अगर हम अपने ट्रैक्टर संसद भवन की ओर घुमा देते। बिहार में भारत बंद के नाम पर भारी अराजकता देखी गई जहाँ इंडी गठबंधन में शामिल सभी दलों के अपराधिक प्रवृत्ति के लोग सड़कों पर हुडदंग ही कर रहे थे, ये लोग बच्चों से भरी स्कूल बस में आग लगाने का प्रयास करते भी देखे गए।

यूपीएससी द्वारा 45 पदों पर विशेषज्ञों की सीधी भर्ती पर निकाले गए विज्ञापन के बाद भी इंडी गठबंधन, भाजपा संविधान विरोधी है, भाजपा आरक्षण समाप्त कर रही है का नारा बुलंद करने लगा। वहीं सोशल मीडिया पर दिन रात झूठे विमर्श गढ़ने वाली राहुल गांधी की टीम ने लिखा कि केंद्र सरकार परोक्ष रूप से संघ के लोगों की भर्ती करने जा रही है। इंडी गठबंधन इस मामले को भी बांग्लादेश व श्रीलंका की तरह हल करने की वकालत करने लगा। भारत सरकार की नौकरशाही में सीधी भर्ती कोई नई बात नहीं है 1970 के दशक से ही सीधी भर्ती होती रही है, पहले यह भर्तियां कांग्रेस नेताओं की सिफारिश पर हो जाती थीं तथा कोई विज्ञापन भी नहीं निकाला जाता था। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और मोटेक सिंह अहलूवालिया इसके प्रमुख उदाहरण हैं। अन्य प्रमुख लोगों में राहुल गांधी के गुरू सैम पित्रोदा और वी कृष्णमूर्ति, अर्थशास्त्री विमल जालान, कौशिक बसु ,अरविंद विरमानी, रघुराम राजन जैसी हस्तियां शामिल रही हैं। 45 सीधी भर्तियों का विरेध केवल इसलिए किया गया है क्योंकि अब राहुल गांधी के गुरू सैम पित्रोदा को इसमें जगह नहीं मिलने जा रही थी।कांग्रेस के शासनकाल में कभी भी आरक्षण नीति का ठीक ढंग से पालन ही नहीं किया गया कांग्रेस केवल अपनी राजनीति चमकाने और सत्ता प्राप्त करने के लिए इस पर हल्ला करती रही। वैसे भी अब प्रधानमंत्री के सीधे हस्तक्षेप के बाद यह विज्ञापन वापस ले लिया गया है और फिलहाल कांग्रेस के हाथ से भी यह मुद्दा निकल गया है।कांग्रेस और इसका इंडी गठबंधन जाति जनगणना के नाम पर भी देश को गुमराह कर रहा है जबकि संसद में कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपनी ही जाति नहीं बता पा रहे हैं। अखिलेश यादव तो संसद में ही चीखने लगे, आप जाति कैसे पूछ सकते हैं? सच तो ये है कि अगर कांग्रेस ने अपने 70 वर्षो के शासनकाल में एससी -एस टी, ओबीसी, दलित समाज की रंचमात्र भी चिंता की होती तो आज देश के ऐसे हालात न होते।कांग्रेस ने हमेशा इनका हक मारा और झूठ की बुनियाद पर देश पर राज किया। कांग्रेस की गलतियों और गांधी परिवार की तानाशाही के कारण ही सपा, बसपा, राजद, जद (यू) सहित तमाम क्षेत्रीय दलों का उदय हुआ। इधर उत्तर प्रदेश में जब से सपा के लोकसभा सांसदों की संख्या बढ़ी है तब से वह पीडीए- पीडीए का हल्ला कर रही है और अपने आपको पिछड़ों का सबसे बड़ा मसीहा साबित करने का प्रयास कर रही है। प्रदेश में पहले सपा मुखिया मुलायम सिंह यादव और बाद में अखिलेश यादव ने भी सीधी भर्तियां करी थीं । अखिलेश यादव ने तो प्रमोशन में आरक्षण तक का कड़ा विरोध किया था। वही अखिलेश यादव अब आरक्षण व जाति के नाम पर पीडीए को गुमराह कर रहे हें। समाजवाद का पीडीए अब केवल परिवारवाद और अल्पसंख्यकवाद बनकर रह गया है।

कर्नाटक में कांग्रेस के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया जो भ्रष्टाचार व घोटालों में आकंठ डूबे हैं जाति कार्ड खेलकर अपने आप को बचान चाहते हैं। उनका कहना है कि वह ओबीसी यानि पिछड़ी जाति से आते हैं इसलिए जानबूझकर उन्हें फंसाा जा रहा है। इतना ही नहीं राहुल गांधी व कांग्रेस पार्टी अब आपराधिक घटनाओं पर भी जाति की ही बात कर रही है । रायबरेली मे अर्जुन पासी नामक एक युवक की हत्या हुई जिसमें शामिल सभी आरोपियों को पकड़ कर जेल भेज दिया गया लेकिन राहुल गाँधी अपनी राजनीति चमकाने के लिए अर्जुन के घर चले गए। राहुल गाँधी अर्जुन पासी के घर केवल इसलिये गये क्योंकि हत्या करने वाला आरोपी ठाकुर था। राहुल व कांग्रेस आजकल यही खेल पूरे भारत में खेल रही है जो भारत के भविष्य के घातक है और सनातनी शक्तियों को सचेत होना है। ध्यान देने वाली बात है कि बंगाल में घटी रेप व मर्डर की घटना पर बंगाल सरकार पर एक बार भी टिप्पणी नहीं की जबकि वह और उनकी बहिन प्रियंका जाति का झंडा उठाए उप्र के हाथरस और उन्नाव पहुँच जाते हैं।

ग़र्भाशय कैंसर

जरूरी हैं इससे जुड़ी बातों को जानना

70 में से 1 महिला को गर्भाशय का कैंसर होता है, यह गायनेकोलॉजी से संबंधित सबसे खतरनाक कैंसर में से एक है क्योंकि अब तक गर्भाशय कैंसर की जांच के लिए कोई भी भरोसेमंद गायग्नोस्टिक स्क्रीनिंग उपलब्ध नहीं है। ऐसे में, एडवांस स्टेज तक पहुंचने तक या तो इसकी पहचान नहीं हो पाती है अथवा रिपोर्ट गलत आती है। 75 प्रतिशत से भी अधिक मामलों में इसका पता एडवांस स्टेज में पहुंचने के बाद चलता है। सिर्फ 19 प्रतिशत मामलों का ही शुरुआत में पता लग पाता है। जिन महिलाओं की समस्या का एडवांस स्टेज में पहुंचने के बाद पता लगता है, उनमें से अधिकतर 5 साल तक भी जीवित नहीं रह पाती हैं। गर्भाशय कैंसर कोई भेदभाव नहीं करता है। यह किसी भी उम्र और किसी भी समुदाय की महिला को हो सकता है। यहां तक कि 1 साल की बच्ची को भी गर्भाशय कैंसर का पता चल चुका है। गर्भाशय कैंसर को लेकर लोगों में जागरूकता की कमी इससे बचाव के आगे सबसे बड़ा रोड़ा है।

रिस्क फैक्टर्स

आनुवांशिक कारण

- गर्भाशय कैंसर के हर पांच में से एक मामले में पारिवारिक इतिहास जिम्मेदार होता है और जीन में बदलावों के साथ अगली पीढ़ी में खतरा और बढ़ जाता है। इसमें बीआरसीए1 और बीआरसीए2 जीन में बदलाव शामिल है, जो स्तन और गर्भाशय कैंसर से संबंधित है।
- ब्रेस्ट कैंसर, गर्भाशय कैंसर या कोलन कैंसर का व्यक्तिगत अथवा पारिवारिक इतिहास है।
- उन महिलाओं को गर्भाशय कैंसर होने का खतरा ज्यादा होता है जिनके किसी करीबी रिश्तेदार में गर्भाशय, स्तन या कोलन कैंसर का इतिहास रहा हो। कैंसर के पारिवारिक इतिहास वाली महिलाओं को शुरू से ही अपने डॉक्टर से बात करके यह जानकारी लेनी चाहिए कि उनके लिए कौन-सी स्क्रीनिंग आदि कराना फायदेमंद रहेगा।
- उम्र बढ़ना
- अनचाही इनफर्टिलिटी
- कभी भी अपने परिवार की महिला सदस्यों, दोस्तों और सहकर्मियों और खासतौर से अपने फैमिली फिजिशियन से गर्भाशय कैंसर से जुड़े संभावित जीवन रक्षक उपायों के बारे में चर्चा करने से बिल्कु ल न हिचकें। जितना ज्यादा हमें जानकारी होगी, शुरुआत में बीमारी का पता लग पाने की उम्मीद उतनी ही अधिक होगी। इससे गर्भाशय कैंसर के खिलाफ जंग हारने का खतरा भी काफी कम हो जाएगा।

लक्षण

- हालांकि गर्भाशय कैं सर के लक्षण गंभीर या गहरे नहीं होते हैं, खासतौर से शुरुआती दिनों में, लेकिन ये पूरी तरह साइलेंट भी नहीं होते हैं। जब इसे एक साइलेंट बीमारी के तौर पर ध्यान देते हैं तो पता चलता है कि गर्भाशय कैंसर से पीड़ित 95 फीसद महिलाओं को अस्पष्ट लेकिन स्थायी लक्षण होते हैं। ओवेरियन कैंसर से पीड़ित महिलाओं में निम्नलिखित लक्षण दिखाई दे सकते हैं :
- सूजन
- पेड़ू या पेट में दर्द
- खाने में परेशानी महसूस होना और जल्दी पेट भरा हुआ महसूस होना
- बार-बार पेशाब आना
- गर्भाशय कैंसर के अन्य लक्षणों में बहुत ज्यादा थकान, अपच, छाती में जलन, पेट खराब होना, कमर के निचले हिस्से में दर्द और पैरों में दर्द जैसे लक्षण सामने आ सकते हैं। आंतों की आदत में बदलाव जैसे कि कब्ज या डायरिया होना, वजन कम होना, माहवारी अनियमित होना और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण भी इसमें दिखाई दे सकते हैं।
- अगर आपको इनमें से कुछ लक्षण दिखाई दें और ये 2 हफ्तों तक बरकरार रहें तो अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

गर्भाशय कैंसर स्क्रीनिंग टेस्ट

- अगर महिला में कोई भी लक्षण दिखाई न दें तो गर्भाशय कैंसर की जांच के लिए कोई भी विश्वसनीय तरीका उपलब्ध नहीं है। हालांकि नियमित गायनेको लॉजी टेस्ट के दौरान गर्भाशय कैंसर का पता लगाने के दो तरीके हैं- पहला है ब्लड टेस्ट जिसमें प्रोटीन, जिसे सीए-125 कहते हैं, का बढ़ा हुआ लेवल जांचते हैं। दूसरा तरीका है गर्भाशय का अल्ट्रासाउंड टेस्ट।

गर्भाशय कैंसर की सर्जरी

- अगर बीमारी का शक होता है तो गायनेको लॉजिक ऑन्कोलॉजिस्ट द्वारा सर्जरी कराया जाना चाहिए, जिन्हें महिलाओं के प्रजनन सिस्टम संबंधी कैंसर के इलाज का प्रशिक्षण मिला हो। इस सर्जरी का उद्देश्य होता है, जहां तक हो सके, कैंसर वाले हिस्से को हटा देना।

साइलेंट किलर से लेकर एक स्पिरिंग बीमारी

- गर्भाशय कैंसर पूरी तरह साइलेट बीमारी नहीं है लेकिन इसके लक्षणों को पहचानने के लिए महिलाओं को अपने शरीर की स्पिरिंग आवाज को सुनना और इसके लक्षणों को पहचानना पड़ता है। आपको कोई गायनेकोलॉजिकल कैसर है, तो अगर अपना इलाज एक गायनेकोलॉजिकल कैसर विशेषज्ञ से कराएंगी तो आपके सकुशल का उम्मीद ज्यादा रहेगी।

- हम चाहते है कि महिलाएं गायनेकोलॉजिकल कैसर के खतरे को कम से कम करने के लिए कुछ चरणों के बारे में अवशय जानकारी रखें। विशेषज्ञों की बेहतरीन टीम के साथ हम यहां उनकी सहायता के लिए मौजूद रहते हैं।

डॉ. रीनू जैन
कंसल्टेंट, डिपार्टमेंट ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, जेपी हॉस्पिटल, नोएडा

कई रोगों की एक दवा हैं कढ़ी पत्ता

कढ़ी पत्ते का प्रयोग हर घर की रसोई में किया जाता है । यें हमारे भोजन को स्वादिष्ट बनाने के साथ-साथ हमारी सेहत को भी तंदरूस्त रखने में मदद करता है। कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस और विटामिन्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है ।यें हमारे मोटापे को कम करने में भी मदद करता है ।कढ़ी पत्ते में इतने औषधीय गुण पाएं जाते है जो हमारे स्वास्थ्य को निरोग रखने में मदद करते है।

- कढ़ी पत्ते का सेवन करने से कई बीमारियों से भी छुटकारा पाया जा सकते है। मुंह में छाले होने पर और सिरदर्द से भी राहत दिलवाने में मदद करता है।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से बालों की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। कढ़ी पत्ते के सेवन से बाल जल्दी सफेद नहीं होते ।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है ।भोजन में कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पाचन क्रिया भी तंदरूस्त रहती है।
- कढ़ी पत्ता मोटोपे से भी निजात दिलवाने में मदद करता है। हर रोज कढ़ी पत्तियों को चबाकर खाने से मोटापा कम हो जाता है।
- कढ़ी पत्ते में नींबू की कुछ बूंदे मिलाकर और उसमें थोड़ी सी चीनी मिलाकर लेने ले उल्टी से राहत मिलती है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना डायबीटिज के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना किडनी के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है ।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना आंखों की रोशनी के लिए लाभकारी होता है।

आकर्षक व्यक्तित्व का आईना आपके दांत

गलत खान-पान की आदतों के कारण हमें कई रोगों का सामना करना पड़ रहा है। जहां हृदय रोगियों व मधुमेह रोगियों आदि की संख्या बढ़ रही है वहीं दांतों और मसूढ़ों संबंधी रोगों में भी बढ़ौतरी आई है। पायरिया, दांत में कीड़ा लगना, बैक्टीरियल प्लाक आदि इनमें मुख्य हैं।

- मोतियों के समान दांत और स्वस्थ मसूढ़े आपके व्यक्तित्व को आकर्षक भी बनाते हैं इसलिए स्वास्थ्य व सौंदर्य दोनों दृष्टि से दांतों की देखभाल करना बेहद जरूरी है। आइए जानें कि दांतों की देखभाल कैसे की जाए ताकि उनसे संबंधित बीमारियों से सुरक्षा पाई जा सके।
- सुबह व शाम नियमित अच्छे टूथब्रश और टूथपेस्ट से दांत साफ करें। ब्रश की सहायता से दांतों की बाहरी, भीतरी दोनों सतहों को साफ करें। मसूढ़ों पर ब्रश न करें। इससे मसूढ़ों को नुक्सान पहुंच सकता है।
- हमेशा साफ्ट ब्रिसल वाला ब्रश ही खरीदें और ब्रश पुराना या ब्रश के दांतों के टेढ़े-मेढ़े होने पर ब्रश बदल लें।
- दांतों पर ब्रश जोर से न मारें बल्कि धीरे-धीरे दांतों पर ब्रश को चलाएं। अधिक जोर से रगडने पर दांत ज्यादा अच्छी तरह साफ होते हैं, ऐसा सोचना गलत है। ब्रश का कार्य दांतों से प्लाक की सफाई करना होता है जो सही तरीके से ब्रश करने पर ही हो सकता है।
- जब भी आप कुछ खाएं, उसके बाद कुल्ला अवश्य करें। मीठे भोज्य पदार्थ खाने के पश्चात तो ब्रश अवश्य करें। मीठे भोज्य पदार्थ अम्ल बनाते हैं जो कीटाणुओं को जन्म देते हैं।
- दांतों या मसूढ़ों पर कोई भी संक्रमण पाएं तो तुरन्त दंत चिकित्सक से सम्पर्क करें।
- धूम्रपान करने से भी दांतों पर निकोटिन के कारण धब्बे पड़ जाते हैं जिससे दांत अनाकर्षक लगते हैं। पान, गुटखा आदि भी दांतों को नुक्सान पहुंचाते हैं।
- दांतों की कसरत के लिए सबसे जरूरी है खाने को अच्छी तरह चबा-चबा कर खाना। इससे आपकी आंतों को भी कम मेहनत करनी पड़ेगी।
- दांतों के स्वास्थ्य के लिए पोषक तत्वों कैल्शियम, मैग्नीशियम, विटामिन आदि से युक्त भोजन का सेवन करें।
- मसूढ़ों से अगर खून आता है तो इसका अर्थ संक्रमण की शुरूआत है। डैंटिस्ट से सम्पर्क करें व उसके द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें।

उच्च रक्तचाप की समस्या है तो जांच लें अपना बीएमआई

लंदन। अगर आप उच्च रक्तचाप की समस्या से जूझ रहे हैं, तो सर्वप्रथम अपना बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) जांच लें। एक नए शोध के अनुसार, सोडियम की मात्रा की बजाय बीएमआई स्वास्थ्य को अधिक प्रभावित करता है। शोधकर्ताओं ने वेब आधारित अध्ययन दस्ते न्यूट्रीनेट-सैन्ट स्टडी के 8,670 वालंटियरों के डाटा का विश्लेषण कर पाया कि बीएमआई, रक्तचाप का स्तर बढने की मुख्य वजह है। शोध के दौरान, 24 घंटे के रिकॉर्ड का इस्तेमाल कर आहारीय खपत का मूल्यांकन किया गया। जीवनशैली संबंधी जानकारी प्रश्नावली और तीन रक्तचाप माप का इस्तेमाल कर जुटाई गई थी। सिस्टोलिक बीपी (एसबीपी) और जीवनशैली से आयु और उसके बाद बहु-वेरीइट का संबंध बहु-रेखीय प्रतिगमन का इस्तेमाल कर आंका गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि उन्नत बॉडी मास इंडेक्सिस वाले प्रतिभागियों में एसबीपी उच्च था। पुरुषों में नमक की खपत का एसबीपी से सकारात्मक संबंध था, लेकिन महिलाओं में नहीं। शोध के लेखकों ने कहा, ''दोनों लिंगों में फलों व सब्जियों की खपत के बीच नकारात्मक संबंध और एसबीपी महत्वपूर्ण था।'' दोनों लिंगों में शराब की खपत का एसबीपी से सकारात्मक संबंध था, जबकि शारीरिक गतिविधि का नहीं था।

भूलकर भी निमोनिया में न करें इन चीजों का सेवन, खतरे में पड़ जाएगी जान

क्या होता है निमोनिया

निमोनिया सांस से जुड़ी एक गंभीर बीमारी है, जिसमें फेफड़ों (लंग्स) में इन्फेक्शन हो जाता है। निमोनिया होने पर फेफड़ों में सूजन आ जाती है और कई बार पानी भी भर जाता है।

क्यों होता है निमोनिया

निमोनिया ज्यादातर बैक्टीरिया, वायरस या फंगल इन्फेक्शन की वजह से होता है। यह ज्यादातर मौसम बदलने, सर्दी लगने, फेफड़ों पर चोट लगने या फिर चिकनपॉक्स जैसी बीमारियों के बाद हो सकता है। कई बार निमोनिया प्रदूषण में अधिक रहने से भी हो सकता है।

निमोनिया होने पर इन चीजों से करें परहेज

- जिन चीजों से आपको एलर्जी है उन चीजों का सेवन करने से बचें।
- निमोनिया से पीड़ित व्यक्ति को अधिक मीठे का सेवन करने से बचना चाहिए।
- डाइट में खासतौर पर प्रोसेस्ड फूड और शीतल पेय शामिल करने से बचें।
- दूध और डेरी उत्पाद का सेवन न करें क्योंकि ये सभी चीजें शरीर में बलगम बढ़ाने का काम करती हैं।
- ऐसे आहार जिसमें आर्टिफिशियल कलर, स्वाद या फिर कैफिन मौजूद हो डाइट में शामिल नहीं करने चाहिए।

निमोनिया में सब्जियां फल खाएं

निमोनिया के दौरान आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है और इसे मजबूत बनाने के लिए आपको भरपूर मात्रा में पोषक तत्व और एंटीऑक्सिडेंट की आवश्यकता होती है। इसलिए इस बीमारी में आपको अधिक से अधिक सब्जियां खानी चाहिए। सब्जियों में आप हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पत्ता गोभी और अजमोद आदि खाएं। इसके साथ ही साथ आप चुकंदर, खीरा और गाजर भी खा सकते हैं। इन सभी सब्जियों में भरपूर मात्रा में विटामिन ए, विटामिन सी, फोलिक एसिड और पौटैशियम जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। यह पोषक तत्व बीमारी को ठीक करने में मदद करते हैं और संक्रमण से लड़ने के लिए आपके शरीर को मजबूत भी बनाते हैं।

ताजा फलों से आपको पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। जब आपके शरीर को भरपूर मात्रा में पोषक तत्व मिलता है, तब आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होने लगती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होने से आप निमोनिया से जल्द ठीक हो जाते हैं। इसलिए आलूबुखारा, नाशपाती, स्ट्राबेरी, जामुन जैसे मीठे फलों को खाएं, लेकिन ध्यान रहे इन्हें सीमित मात्रा में खाएं।

एचआईवी पॉजिटिव महिलाओं में घट जाती है मेनोपॉज की उम्र

एचआईवी से संक्रमित महिलाओं को औसतन 48 वर्ष की उम्र में मेनोपॉज होने की संभीवना अधिक होती है, जब कि सामान्य औरतों को ये करीब 50-52 की उम्र या उसके बाद होती है। कनाडा में एक अध्ययन के दौरान, नॉर्थ अमेरिकन मेनोपॉज सोसाइटी (NAMS) के शोधकर्ताओं ने इस बात का पता लगाया है। शोधकर्ताओं की मानें तो एक आम महिला में मेनॉपोज की आयु 50 से 52 वर्ष के बीच होती है, जबकि एचआईवी से संक्रमित महिलाओं को 48 वर्ष की उम्र तक पीरिएड्स आना बंद हो जाता है। हालांकि चिकित्सा क्षेत्र में जिस तरीके से उन्नति की है और अब एचआईवी पीड़ित महिलाओं की जीवन प्रत्याशा बढ़ी है, वहीं अब इस शोध से इन महिलाओं को मेनोपॉज और इसके संक्रमण से अवगत कराया है। बता दें कि 48 की उम्र में मेनोपॉज का बंद हो जाना, सामान्य आबादी के मेनोपॉज फेज की उम्र से तीन साल कम है।

बढ़ेगी स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य परेशानियां

वहीं इस शोध से एक बात और पता चलती है कि जो एचआईवी पॉजिटिव मरीज नवीनतम चिकित्सा प्रोटोकॉल का पालन करते हैं, वे लगभग 70 या इससे अधिक आयु तक जीवित रह सकते हैं। इसका मतलब है कि इन रोगियों को अब एचआईवी एक जानलेवा बीमारी नहीं है और सही वक्त से इलाज करवाने पर ये मरीज एक आम जीवन जी सकते हैं। साथ ही अब इस रिपोर्ट के अनुसार एचआईवी से संक्रमित महिलाओं के लिए मेनोपॉज की उम्र का घट जाना उनके यौन और प्रजनन स्वास्थ्य को प्रभावित करेगी। अब ऐसे में पीड़ित महिलाओं के पास मां बनने की उम्र में कटौती हो गई है पिछले अध्ययनों से पता चला है कि एचआईवी पीड़ित महिलाओं में प्रारंभिक आयु 40 और 45 के बीच की है और समय से पहले मेनोपॉज को होना बाकी स्वास्थ्य परेशानियों को भी जन्म दे सकती है। हालांकि, कनाडा का यह अध्ययन एचआईवी रोगियों के लिए की औसत आयु, प्रारंभिक मेनोपॉज और अन्य सहसंबंधों के निर्धारण जैसे प्रजनन और गर्भावस्था से जुड़ा पहला अध्ययन है। अध्ययन के शोधकर्ताओं ने पुष्टि की कि एचआईवी के साथ रहने वाली महिलाओं को कम उम्र में पीरिएड्स बंद हो जाते हैं, विशेष रूप से 48 साल की उम्र में।

जागरूकता है जरूरी

इसके अलावा, प्रारंभिक शिक्षा और हेपेटाइटिस-सी का संक्रमण भी प्रारंभिक मेनोपॉज के जोखिम को प्रभावित कर सकती है। इसके अलावा इन महिलाओं की वैवाहिक स्थिति और जन्म क्षेत्र सहित अन्य संभावित संशोधन भी इस कम उम्र में मेनोपॉज के कारणों में शामिल है। रिपोर्ट की मानें तो पीरिएड्स के जल्दी बंद हो जाने के कारण एचआईवी से संक्रमित महिलाओं की मनोदशा में परिवर्तन, यौन कार्य, जीवन की गुणवत्ता में कमी और हृदय रोग का खतरा और बढ़ेगा। ऑस्टियोपोरोसिस जैसे अन्य हड्डियों से जुड़े विकार इनमें तेजी से बढ़ेंगे। ऐसे में अब इस बात की जरूरत है कि इन महिलाओं में इस लेकर जागरूकता फैलाई जाए। साथ ही उन्हें मानसिक रूप से इसके लिए तैयार किया जाए। अब इन महिलाओं को अपनी प्रेग्नेंसी को और बेहर तरीके और सावधानी के साथ प्लान करना होगा ताकि उनके और उनके बच्चों के जान का जोखिम कम हो सके। शोधकर्ताओं का कहना है कि अब हेल्थकेयर चिकित्सकों को भी एचआईवी से पीड़ित महिला रोगियों में समय से पहले और शुरुआती मेनोपॉज के लिए बढ़े हुए जोखिम के बारे में पता होना चाहिए, ताकि शुरुआती एस्ट्रोजेन की कमी से जुड़े संभावित दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणामों के इलाज देने के लिए वो तैयार रहें। साथ ही पीड़ित महिलाओं को उचित परामर्श और प्रबंधन प्रदान किया जा सके।

रेसिपी

वेज कीमा मटर

सामग्री

■ 2 कप सोया ग्रेन्युल्स ■ 1 कप हरी मटर ■ 1/2 कप दही ■ 1 प्याज ■ 4 टीस्पून तेल ■ 5 काली मिर्च ■ 4 लौंग ■ 1 बड़ी इलायची ■ 1/2 टीस्पून जीरा ■ 1/2 टीस्पून धनिया पाउडर ■ 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ लाल मिर्च पाउडर ■ 1 टीस्पून अदरक का पेस्ट ■ 1 टीस्पून लहसुन का पेस्ट ■ गर्म मसाला ■ नमक स्वादानुसार।

विधि

सोया ग्रेन्युल्स को गर्म पानी में 15 मिनट के लिए भिगो दें और 15 मिनट बाद निचोड़कर अलग रख दें। गर्म तेल में जीरा और साबुत गर्म मसाला डालकर चटकाएं। बारीक कटा प्याज पारदर्शी होने तक भूनें और उसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें। फिर इसमें धनिया, हल्दी, लाल मिर्च, दही और नमक डालें। जब मसाला तेल छोड़ने लगे तो उसमें सोया ग्रेन्युल्स और मटर डालकर 2 मिनट तक पकाएं। फिर 1 गिलास पानी डालकर उबाल आने तक पकाएं। गर्म मसाला डालें और बारीक कटे हरे धनिए से गार्निश कर सर्व करें।

चटपटा चीला

सामग्री

- कप सूजी
- 1 कप बेसन
- 100 ग्राम दही
- 1 बारीक कटी शिमला मिर्च
- 2 बारीक कटी हरी मिर्च
- कद्दूकस की हुई अदरक
- 1 कटोरी बारीक कटा हरा धनिया
- नमक स्वादानुसार

विधि

दही में दो कप पानी मिलाकर मट्ठा तैयार कर लें। एक बोल में सूजी और बेसन निकाल लें, उसमें मट्ठा और नमक मिलाने के बाद पंद्रह मिनट के लिए रख दें। अब इसमें शिमला मिर्च, हरी मिर्च, अदरक और हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण गाढ़ा लगे तो उसमें पानी मिला लें। नॉनस्टिक तवे पर थोड़ा तेल गर्म कर लें। चमच से मिश्रण को तवे पर गोल-गोल फैलाने के बाद गैस धीमी कर दें। एक छोटी चम्मच में तेल लेकर चीले के चारों ओर डालें, थोड़ा सा तेल चीले के ऊपर भी डालें। चीले की निचली सतह ब्राउन होने पर उसे कलछी की सहायता से पलटें और दूसरी तरफ भी ब्राउन होने तक सेंकें। चटनी या सॉस के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंग। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुखदायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। स्थान परिर्वतन की संभावना है। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजन का सहयोग काम को बनाना आसान करेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेंगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। शुभांक-1-3-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2652

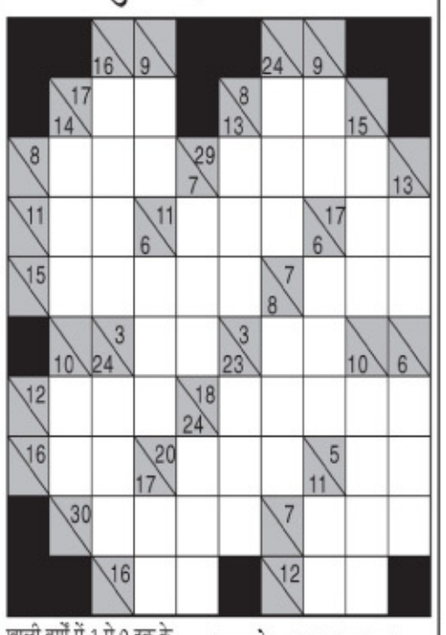

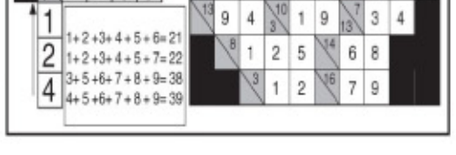

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2651 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक अभिनेत्री ने ब्यूटी-क्लीनिक की मालकिन से अपने चेहरे के दाग को मिटाने का रेट पूछा.

'पांच सौ रुपये लगेंगे !'

'पांच सौ तो ज्यादा हैं !'

'फिर ?'

'कोई सस्ता तरीका बताइए !'

'सस्ता नहीं मुफ्त का तरीका है.'

'कृपया जल्दी बताइये !'

' घूंघट निकालना शुरू कर दीजिए! आपका काम मुफ्त में बन जायेगा.'

□ □ □

एक आंखों के डाक्टर ने अपने एक सर्जन मित्र को नजर का चश्मा बनाकर दिया. संयोग से उसी दिन आंखों के डाक्टर को उसी सर्जन से अपना ऑपरेशन करवाना पड़ा.

फिर जब वह ऑपरेशन टेबल पर लेट गया तो सर्जन चश्मा लगाकर बोला- 'रेडी ! मैं तैयार हो गया हूं ! अब तुम बताओ कि तुम कहां हो?'

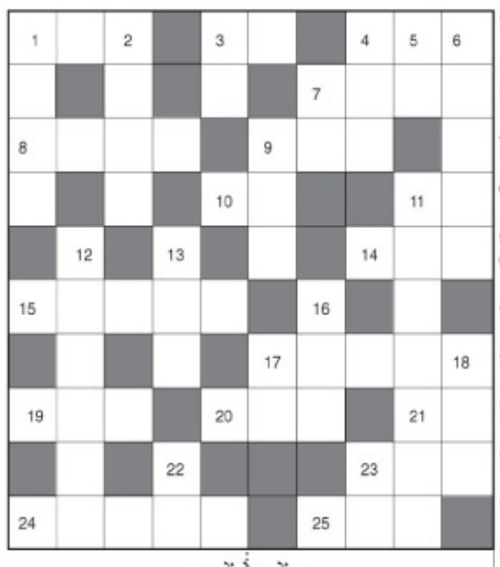

आंखों का डाक्टर तुरन्त मेज से कूद पड़ा.

□ □ □

प्रशंसिका: ''आपके उपन्यास का अंतिम सीन बहुत अच्छा है.''

उपन्यासकार: ''उपन्यास के आरंभ के विषय में आपका क्या विचार है?''

प्रशंसिका: ''मैं उसे अभी पढ़ना शुरू करने वाली हूं.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2652

बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशीं' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरु हुआ यहीं से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरुख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरुद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2651

सूडोकु -2652

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2651 का हल

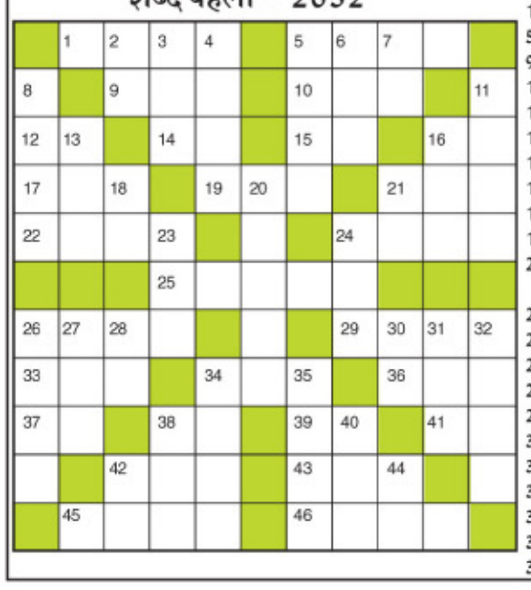

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली - 2652

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली -2651 का हल

महाराष्ट्र के कांग्रेस सांसद वसंत चव्हाण का निधन, राष्ट्रपति ने जताया दुख

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नांदेड़ से कांग्रेस सांसद वसंतराव चव्हाण का सोमवार को लंबी बीमारी के बाद हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सांसद के निधन पर दुख जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया, लोकसभा सांसद वसंतराव बलवंतराव चव्हाण के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। एक सांसद के रूप में उन्होंने लोगों की भलाई और महाराष्ट्र के विकास के लिए काम किया। मैं उनके परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं।

धौलाना के पूर्व विधायक असलम चौधरी रुड़की से गिरफ्तार

गाजियाबाद। मसूरी पुलिस ने धौलाना के पूर्व विधायक असलम चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। रंगदारी मांगने के मामले में अदालत ने हाल ही में उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए थे। मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए अदालत में चल रही थी। असलम चौधरी बसपा से विधायक निर्वाचित हुए थे। बाद में वह समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए थे। पिछला विधानसभा चुनाव वह समाजवादी पार्टी से लड़े थे। उन पर आरोप है कि 7 सितंबर 2022 को उन्होंने अपने साथियों के साथ फर्जी एग्रीमेंट के जरिए करोड़ों की जमीन कब्जाने की कोशिश की। आरोप है कि जमीन के मालिक आदिल रजा से इस कब्जे को छोड़ने के बदले 2 करोड़ रुपये की मांग की गई थी। 3 सितंबर 2023 को पुलिस कमिश्नर ने मामले का संज्ञान लिया और इस बारे में रिपोर्ट दर्ज करवाई जिसके आधार पर पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की और कोर्ट ने असलम चौधरी और उनके साथियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया। इसके बाद से पुलिस असलम चौधरी की तलाश कर रही थी। मसूरी थाना पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी उत्तराखंड के रुड़की इलाके से की है। उन्हें सोमवार को स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा।

बांदा में टैंपो-मोटरसाइकिल की भिड़ंत में दो लोगों की मौत

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में अतर्रा-बांदा सड़क मार्ग में खुरहंड गांव के नजदीक रात टैंपो और मोटरसाइकिल की सीधी भिड़ंत में मोटरसाइकिल सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि टैंपो सवार अन्य दो लोग घायल हैं। यह जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को दी। अतर्रा क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) गवेन्द्र पाल गौतम ने सोमवार को बताया कि रविवार की देर रात अतर्रा-बांदा सड़क मार्ग में खुरहंड गांव के नजदीक बांदा से जा रही टैंपो (तिपहिया वाहन) और अतर्रा कस्बे की तरफ से आ रही मोटरसाइकिल की सीधी भिड़ंत में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मोटरसाइकिल सवार विजय तिवारी उर्फ मुखिया (52) और अनिल सिंह (44) को मृत घोषित कर दिया। टैंपो सवार घायल दो लोगों का इलाज सरकारी अस्पताल में चल रहा है। मृतकों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए गए हैं। सीओ ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है।

जम्मू-कश्मीर में एससी-एसटी आरक्षण को खत्म करना चाहती है कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस : ओम प्रकाश राजभर

लखनऊ। यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कांग्रेस पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, वे जम्मू-कश्मीर में एससी-एसटी समुदाय को मिल रहे आरक्षण को समाप्त करना चाहती है। ओम प्रकाश राजभर ने आईएएनएस से बातचीत में दावा किया कि जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी के बीच एक समझौता हुआ है। इसके तहत कांग्रेस की मंशा है कि वहां एससी-एसटी को मिल रहे आरक्षण को समाप्त किया जाए।

उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान का जिक्र किया। कहा, अमित शाह ने कांग्रेस को लेकर जो बयान दिया है, वह 100 फीसदी सच है। देश में 60 साल कांग्रेस की सरकार रही, लेकिन इस दौरान उन्होंने पिछड़ी जातियों के कितने लोगों को भागीदारी दी। उन्होंने एससी-एसटी और मुस्लिम समाज के लोगों का वोट लिया, लेकिन जब भागीदारी की बात आती है को वे इस मामले में चुप क्यों हो जाते हैं। राजभर ने कांग्रेस पर अलगाववाद का आरोप लगाया। कहा, वे हमेशा ही अलगाववाद की राजनीति करती आई है और उन्होंने इसका समर्थन भी किया है। इसी कड़ी में उन्होंने जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ समझौता किया है, ताकि जम्मू-कश्मीर की शांति को भंग कर वहां बदहाली लाई जा सके। जम्मू-कश्मीर एक भारत का एक अभिन्न अंग हैं। हमारी सरकार का मकसद है कि जो सुविधाएं पूरे देश में दी जाती है, उन सुविधाओं को वहां तक पहुंचाया जाए। उन्होंने एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) की सरहना की। कहा, यह एक अच्छी योजना है और देश में जो भी योजनाएं शुरू होती हैं, वो जनता के हित के लिए लाई जाती हैं। ताकि लोगों को इसका लाभ मिल सके। बता दें कि जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी ने मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में चुनाव होगा।

श्रीकृष्ण का 5251वां जन्मोत्सव इस बात का प्रतीक है कि हिंदू धर्म सबसे प्राचीन है: योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

मथुरा। ब्रज सहित देश भर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व की धूम शुरू हो गई है। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रज की धरती मथुरा से 5251वें श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महामहोत्सव का गुब्बारा उड़ाकर शुभारंभ किया। साथ ही, पांचजन्य प्रेक्षागृह से मुख्यमंत्री योगी ने ब्रज वासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर 1037 करोड़ रुपये अधिक विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात दी, जिससे आने वाले दिनों में लोगों को सुगमता होगी। योगी आदित्यनाथ ने दीप प्रज्वलित कर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महामहोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री के संग मथुरा सांसद हेमा मालिनी सहित क्षेत्र के विधायक सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 5251वें श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महामहोत्सव का शुभारंभ गुब्बारा उड़ाकर किया। सीएम योगी पांचजन्य प्रेक्षागृह पहुंचे। यहां उन्होंने बरसाना रोप-वे, वृंदावन में लक्ष्मण शहीद स्मारक प्रेक्षागृह, मल्टीलेवल पार्किंग, गोवर्धन तहसील भवन, बरसाना कोसी गोवर्धन मार्ग का चौड़ीकरण,

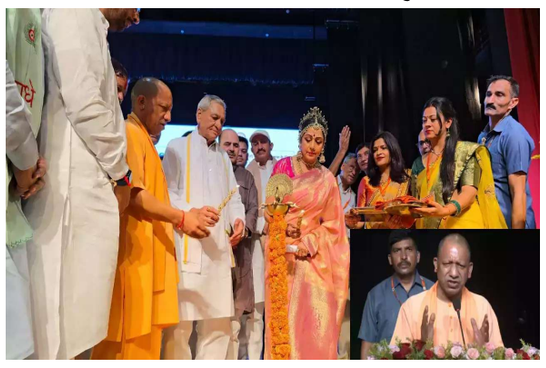

मथुरा वृंदावन मार्ग का चौड़ीकरण सहित 596 करोड़ रुपये की 137 परियोजनाओं के लोकार्पण के साथ ही 381 करोड़ रुपये की 38 परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

पांचजन्य प्रेक्षागृह में कार्यक्रम में सीएम योगी ने मंच से संबोधन राधे राधे बिहारी लाल की जयकार किया। उन्होंने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और आयोजित विकास की योजनाओं के साथ ही एक नए सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत करने को आपके बीच में आना हुआ है। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्रीमंडल के मेरे सहयोगी, लक्ष्मी, जयदेव सिंह, संदीप, लोकसभा हेमामालिनी जी सांसद राज्यसभा तेजवीर सिंह, वीरेन्द्र अग्रवाल महापौर, पूर्व मंत्री विधायक पंडित श्रीकांत शर्मा, पूरन प्रकाश, विधायक मेघश्याम सिंह, मांट विधायक राजेश चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी अन्य प्रतिनिधियों का धन्यवाद देते हुए सभी को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और नंदोत्सव की शुभकामना दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रज की भूमि के प्रति लोगों का आकर्षण है। सब लोग यहां के प्रति उत्सुक रहते हैं। प्रधानमंत्री जब विरासत और विकास की बात करते हैं तो सबसे पहले मथुरा की बात आती है। श्री कृष्ण का 5251वां जन्मोत्सव इस बात का प्रतीक है कि हिंदू धर्म सबसे प्राचीन है। इस धर्म से पहले विश्व में कोई भी धर्म नहीं आया। सीएम योगी ने कहा कि श्री कृष्ण ने तो द्वापर युग में जन्म लिया था। त्रेता और सतयुग थे। उन युगों में भी सनातन धर्म का उल्लेख है। पांडुलिपियों और गुरु शिष्य परंपरा के जरिए इस धर्म का संरक्षण हुआ है। इसके उपरांत सीएम ने सांसद हेमामालिनी द्वारा आयोजित श्रीकृष्ण लीला का मंचन देखा और सभी कलाकारों की प्रशंसा करते हुए सांसद हेमामालिनी का अभिनंदन किया।

आईपी यूनिवर्सिटी के बी. आर्क प्रोग्राम की ओपन हाउस काउंसलिंग 28 अगस्त को

एजेंसी

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी के बी. आर्क प्रोग्राम (कोड 100) की ओपन हाउस काउंसलिंग ऑफ़लाइन मोड में 28 अगस्त को द्वारका कैम्पस में आयोजित की जाएगी। यूनिवर्सिटी ने आधिकारिक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इस प्रोग्राम के लिए आवेदन करने वालों के नाटा और क्वालीफाइंग एग्जाम के स्कोर के आधार पर एक मेधा सूची यूनिवर्सिटी के वेबसाइट पर उपलब्ध है। इस मेधा सूची के आधार पर ही काउंसलिंग की जाएगी। आवेदक को अपने साथ यूनिवर्सिटी के कुलसचिव के नाम से निर्गत 98,000 रुपये का बैंक ड्राफ्ट, चार पासपोर्ट आकार के फोटो, मेधा सूची, नाटा का एडमिट एवं स्कोर कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, इत्यादि

काउंसलिंग के दिन साथ लाना है। उसी दिन दस्तावेज सत्यापन के बाद सीट आवंटन कर दिया जाएगा। यह प्रोग्राम यूनिवर्सिटी स्कूल औफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग के अलावा पांच अन्य संबद्ध इन्स्टीटूट में उपलब्ध है। कुल सीटें 320 हैं।

गुलाम नबी आजाद की डीपीएपी ने विधानसभा चुनाव के लिए 13 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की

एजेंसी

श्रीनगर। गुलाम नबी आजाद की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) ने विधानसभा चुनाव के लिए 13 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी कर दी है। इससे गुलाम नबी आजाद के कांग्रेस में जाने की अटकलों पर भी फिलहाल पूर्ण विराम लग गया है।

डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी की ओर से जारी पहली सूची में आजाद के करीबी गुलाम मोहम्मद सरूरी का नाम नहीं है। वह इंद्रवल से विधायक रहे हैं और राज्य सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। डीपीएपी के महासचिव आरएस चिब की ओर से जारी पहली सूची में 13 उम्मीदवारों के नाम हैं। इनमें पूर्व मंत्री अब्दुल मजीद वानी-डोडा पूर्व, पूर्व विधायक मोहम्मद आमिन भट-देवसर, पूर्व महाधिवक्ता मोहम्मद असलम गनी-भद्रवाह, डीडीसी सदस्य एडवोकेट सलीम पर्रे-डोरू, मुनीर अहमद मीर-लोलाब, डीडीसी सदस्य बिलाल अहमद देवा-अनंतनाग पूर्व से प्रत्याशी होंगे। इसके साथ ही गुलाम नबी वानी-राजपोरा, मीर अल्ताफ हुसैन-अनंतनाग, कैसर सुल्तान

गनेई-गांदरबल, गुलाम नबी भट-ईदगाह, आमिर अहमद भट-खान्यार, निसार अहमद लोन-गुरेज, पीर बिलाल अहमद-हजरतबल से चुनाव लड़ेंगे। हालांकि कुछ दिन पहले यह बात सामने आई थी कि गुलाम नबी आजाद कांग्रेस में दोबारा शामिल हो सकते हैं और उनकी कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से बात चल रही है। लेकिन उसी दौरान पार्टी की ओर से यह कहा गया था कि ऐसी कोई बात नहीं है। कांग्रेस की ओर से डीपीएपी को तोड़ने की यह साजिश है।

बिहार में श्राद्ध कर्म के बाद स्नान करने गए एक ही परिवार के 4 लोग गंडक नदी में डूबे

एजेंसी

गोपालगंज । बिहार के गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र में सोमवार को श्राद्ध कर्म के मौके पर गंडक नदी में स्नान करने गए एक ही परिवार के चार लोग नदी में डूब गए। गंडक की तेज धार की वजह से सभी लोग अचानक लापता हो गए। इनकी तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम को लगाया गया है। पुलिस के मुताबिक, यादोपुर के मटियारी गांव के निवासी नवलेश कुमार सिंह की माता का निधन हो गया था। आज उनका दशगात्र था। इसी मौके पर परिवार के सभी पुरुष सदस्य गंडक नदी में घाट पर मुंडन कराने के लिए पहुंचे थे।

मुंडन कराने के बाद लोग गंडक नदी में स्नान करने के लिए उतरे। बताया जा रहा है कि स्नान करने के क्रम में सुजीत कुमार डूबने लगे। उन्हें बचाने के क्रम में परिवार के अन्य सदस्य भी तेज धार में चले गए और डूब गए। लापता हुए लोगों में सुजीत कुमार (18), सुमित कुमार (14), निखिल कुमार (19) और संजीव

कुमार बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय गोताखोरों ने लापता लोगों की तलाश शुरू की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया है। गोपालगंज (सदर) एसडीएम प्रदीप कुमार ने बताया कि लापता चारों लोगों की तलाश के लिए रेस्क्यू टीम को लगाया गया है। एसडीआरएफ की टीम द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

इधर, इस घटना के बाद परिवार में मातम पसर गया है। जबकि बैकुंठपुर के मुंजा गांव के समीप घाट पर भारी संख्या में लोग पहुंच गए हैं। पुलिस और जिला प्रशासन के लोग भी घटनास्थल पर मौजूद हैं। बता दें कि बारिश के कारण बिहार की करीब सभी नदियां उफान पर हैं और सभी नदियों का जलस्तर बढ़ा हुआ है।

आरजी कर मामला : सीबीआई ने संदीप घोष और अस्पताल के फोरेंसिक विशेषज्ञों से की पूछताछ

एजेंसी

कोलकाता । कोलकाता स्थित सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में केंद्रीय जांच ब्यूरो की दो टीमों ने पूर्व प्राचार्य संदीप घोष और अस्पताल के फोरेंसिक मेडिसिन विभाग के डेमोंस्ट्रेटर देबाशीष सोम से अलग-अलग पूछताछ शुरू की है।

घोष से कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके में साल्ट लेक स्थित सीबीआई के केंद्र सरकार कार्यालय (सीजीओ) में पूछताछ की जा रही है, बल्कि एजेंसी के मध्य कोलकाता स्थित निजाम पैलेस कार्यालय में सोम से पूछताछ की जा रही है। घोष से पिछले महीने अस्पताल परिसर में जूनियर डॉक्टर के साथ हुए जघन्य बलात्कार और हत्या के संबंध में पूछताछ की जा रही है। सीजीओ

कॉम्प्लेक्स में सीबीआई की विशेष अपराध इकाई का कार्यालय है, जिसके अधिकारी बलात्कार और हत्या मामले की जांच कर रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर सोम से आरजी कर में वित्तीय अनियमितताओं के मामले में पूछताछ की जा रही है।निजाम पैलेस में सीबीआई की आर्थिक अपराध शाखा का कार्यालय है, यहां जांचकर्ता वित्तीय विसंगतियों के मामले की जांच कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि आरजी कर के पूर्व चिकित्सा अधीक्षक और उप प्राचार्य संजय वशिष्ठ को भी सोमवार को सीबीआई के निजाम पैलेस कार्यालय में तलब किया गया है। सीबीआई अधिकारियों की तीन टीमों ने तीनों के आवासों पर छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया। इसके अलावा सोम को दोपहर में निजाम पैलेस ले जाया गया, जहां उससे चार घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई। सूत्रों ने बताया कि पूछताछ के अंत में वशिष्ठ को सोमवार को पेश होने का नोटिस भी थमा दिया गया था। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों का मुख्य उद्देश्य मामलों के बीच संबंध स्थापित करना है, पहला मामला बलात्कार और हत्या का है और दूसरा वित्तीय अनियमितताओं का है। वरिष्ठ और जूनियर डॉक्टरों के साथ-साथ मेडिकल छात्रों सहित प्रदर्शनकारी चिकित्सा बिरादरी के प्रतिनिधियों ने पहले ही दावा किया है कि जूनियर डॉक्टर के साथ हुए जघन्य बलात्कार और हत्या के पीछे छिपे हुए तथ्य हैं। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया है कि पीड़िता को अस्पताल के बारे में कुछ रहस्यों के बारे में पता चलने की कीमत चुकानी पड़ी।

खरगे और उनके परिवार को आवंटित की गई अनुसूचित जाति व दलित वर्ग की जमीन : लहर सिंह सिरोया

एजेंसी

बेंगलुरु । कर्नाटक से भाजपा के राज्यसभा सांसद लहर सिंह सिरोया ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से उनके परिवार को एयरोस्पेस में जमीन आवंटित किए जाने को लेकर सवाल किए। उन्होंने कहा, जो जमीन खरगे परिवार को आवंटित की गई है, वो अनुसूचित जाति और दलित वर्ग के युवाओं के लिए है। लहर सिंह सिरोया ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, एक आरटीआई कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने राज्यपाल को शिकायत दी और बताया कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनके परिवार को एयरोस्पेस में जमीन आवंटित की गई है। हम इस मामले में जांच की मांग करते हैं। अनुसूचित जाति और दलित वर्ग के लिए मौजूद जमीन उन्हें कैसे दी गई। उन्होंने कर्नाटक सरकार के मंत्री एमबी पाटिल के बयान पर कहा, एससी-एसटी कोटा के तहत जो सुविधाएं दी जाती हैं, वह आम वर्ग के लिए है न कि एक राष्ट्रीय पार्टी के नेताओं के लिए। मैं मानता हूं कि एमबी पाटिल एक अच्छे व्यक्ति हैं और उन्हें तुरंत ही इसकी जांच का आदेश दे देना चाहिए। अगर निष्पक्षता के साथ जांच होगी तो ये राज्य के लिए अच्छा होगा। उन्होंने कहा, मैं, मल्लिकार्जुन खरगे का सम्मान करता हूं। लेकिन, उन्हें इस बात पर भी विचार करना चाहिए कि उनकी पार्टी में परिवारवाद कब तक चलेगा।

भाजपा और शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं के बीच हाथापाई, पुलिस ने कई को हिरासत में लिया

एजेंसी

औरंगाबाद (महाराष्ट्र) । शिवसेना नेता और विधायक आदित्य ठाकरे सोमवार को छत्रपति संभाजीनगर के दौरे पर हैं। भाजपा ने आदित्य ठाकरे के इस दौरे का विरोध किया। इसके बाद छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) में शिवसेना (यूबीटी) और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच हाथापाई हो गई। पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया और दोनों पार्टी के कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

बता दें कि रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महाराष्ट्र दौरे के दौरान उद्धव ठाकरे की शिवसेना और इंडिया ब्लॉक के कार्यकर्ताओं ने काले कपड़े पहनकर एयरपोर्ट के सामने विरोध प्रदर्शन किया था। विरोध प्रदर्शन के दौरान महाराष्ट्र विधान परिषद के विपक्षी नेता अंबादास दानवे को हिरासत में लिया गया। आदित्य ठाकरे छत्रपति संभाजीनगर के राम इंटरनेशनल होटल में ठहरे थे। सोमवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने आदित्य ठाकरे के दौरे का विरोध किया। ये विरोध रविवार को पीएम मोदी के दौरे का विरोध करने के लिए किया गया।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को महाराष्ट्र के जलगांव में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने महिला सुरक्षा का मुद्दा उठाया। पीएम मोदी ने कहा, आज मैं एक बार फिर देश के हर राजनीतिक दल और राज्य सरकार से कहूंगा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध एक अक्षम्य पाप है। जो भी दोषी है, उसे बख्शा नहीं जाना चाहिए। जो भी उसकी किसी भी तरह से मदद करते हैं, उन्हें भी नहीं बख्शा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चाहे अस्पताल हो, स्कूल हो, दफ्तर हो या पुलिस व्यवस्था... किसी भी स्तर पर लापरवाही के लिए सभी की जवाबदेही तय होनी चाहिए। हमारी सरकार भी महिलाओं पर अत्याचार करने वालों को सख्त से सख्त सजा देने के लिए लगातार कानूनों को सख्त बना रही है। पीएम मोदी ने आगे जोर देकर कहा था कि महाराष्ट्र की माताएं और बहनें राज्य की गौरवशाली संस्कृति और परंपराओं को दर्शाती हैं। इस बात पर जोर देते हुए कि लखपति दीदी अभियान सिर्फ माताओं और बहनों की आय बढ़ाने का एक तरीका नहीं है, बल्कि परिवार और आने वाली पीढ़ियों को मजबूत करने का एक महाअभियान है, प्रधानमंत्री ने कहा था कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, यहां मौजूद हर महिला जानती है कि जब वह आजीविका कमाना शुरू करती है, तो समाज में उसका सामाजिक दर्जा बढ़ जाता है।

क्या नेशनल कॉन्फ्रेंस की भारत विरोधी मंशा का समर्थन कर रही कांग्रेस: सीएम नायब सिंह सैनी

एजेंसी

रोहतक । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जम्मू कश्मीर और हरियाणा में चुनावी रणनीति संग विपक्षी खेमे की मंशा को लेकर अपनी राय रखी। दावा किया कि कांग्रेस के पास सीएम प्रत्याशी ही नहीं है । उन्होंने कहा, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी शैलजा और रणदीप सिंह सुरजेवाला अपने आप को सीएम घोषित कर घूम रहे हैं, क्योंकि वह बांटने और खाने में विश्वास रखते हैं। सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा, हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए जल्द ही प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की जाएगी। इसके लिए एक पैनल तैयार हो चुका है। हरियाणा प्रदेश की जनता भाजपा द्वारा किए गए कामों से संतुष्ट है और हरियाणा की जनता ने प्रदेश में भाजपा सरकार बनाने का मन बना लिया है।

सीएम नायब सिंह सैनी ने जम्मू कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस के बीच हुए गठबंधन को लेकर भी सवाल किया। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि दोनों दलों के बीच वहां एक गठबंधन हुआ है। कांग्रेस बताए कि क्या वह नेशनल कॉन्फ्रेंस और अब्दुल्ला परिवार के भारत विरोधी मंशा का समर्थन कर रही है। क्या उन्होंने धारा 370 को वापस लाने के लिए जम्मू-कश्मीर में गठबंधन किया है? उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश के लोगों के साथ धोखा कर रही है। राहुल गांधी ऐसे लोगों के साथ गठबंधन कर रहे हैं, जो देश को तोड़ना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी शैलजा और रणदीप सिंह सुरजेवाला अपने आप को सीएम घोषित कर घूम रहे हैं, क्योंकि वह बांटने और खाने में विश्वास रखते हैं। लेकिन, अब उनकी चलने वाली नहीं है। प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है। कांग्रेस के पास तो प्रत्याशी ही नहीं है। कांग्रेस में एक-एक परिवार से पांच पांच लोगों ने आवेदन दिया है। लेकिन, कांग्रेस पार्टी को प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं। सीएम नायब सैनी ने कहा, कांग्रेस की सोच दलित और आरक्षण विरोधी रही है। हरियाणा में उन्होंने केवल भ्रष्टाचार किया है। कांग्रेस के गुब्बारे की हवा निकल चुकी है और अब तो वह चुल्लू भर पानी से मछली पकड़ने की स्थिति में आ चुके हैं। हमसे जवाब मांगने वाले भूपेंद्र हुड्डा मेरे 10 सवालों का जवाब नहीं दे पाए और उनके मुंह पर तो ताला लगा हुआ है। मुख्यमंत्री ने विनेश फोगाट का जिक्र कर भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, विनेश फोगाट के कंधे पर बंदूक रखकर स्वार्थ की राजनीति करना चाहते हैं। लेकिन, जब भूपेंद्र सिंह हुड्डा सत्ता में थे तो उन्होंने किसी खिलाड़ी को राज्यसभा क्यों नहीं भेजा। कांग्रेस के पास न तो कोई नीति है और न ही नेतृत्व है।

86 वर्षीय यशवंत सिन्हा बनाएंगे नई राजनीतिक पार्टी, झारखंड विधानसभा चुनाव में उतरने की तैयारी

एजेंसी

रांची । पूर्व केंद्रीय मंत्री 86 वर्षीय यशवंत सिन्हा एक और राजनीतिक पारी खेलने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने हजारीबाग में अपने समर्थकों के साथ बैठक में नई राजनीतिक पार्टी बनाने का फैसला किया है। वह जल्द ही इस दिशा में पहल करेंगे। तय हुआ है कि प्रस्तावित पार्टी का नाम 'अटल विचार मंच' रखा जाएगा। यशवंत सिन्हा वर्ष 2021 में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए थे, लेकिन अब पार्टी में उनकी सक्रियता नहीं के बराबर है। हाल के लोकसभा चुनाव में हजारीबाग सीट पर भारतीय जनता पार्टी ने उनके पुत्र जयंत सिन्हा का टिकट काट दिया था। इसके बाद उन्होंने यहां भाजपा के प्रत्याशी बनाए गए मनीष जायसवाल की सीधी मुखालफत की थी। यशवंत सिन्हा ने यहां से कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश पटेल को समर्थन दिया था और उनके पक्ष में वोट की अपील भी की थी। हालांकि कांग्रेस प्रत्याशी को पराजय का सामना करना पड़ा।

यशवंत सिन्हा के कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में मोर्चा संभालने के बाद इस जिले में भाजपा के कई नेताओं ने उनके स्टैंड पर सहमति जताते हुए पार्टी छोड़ दी थी। हजारीबाग के ऐसे ही नेताओं के साथ यशवंत सिन्हा ने शहर की साकेतपुरी कॉलोनी स्थित अटल भवन में बैठक की।

बता दें कि इसी अटल भवन में भाजपा की हजारीबाग जिला इकाई का दफ्तर संचालित होता था। इस भवन का मालिकाना हक यशवंत सिन्हा के पास है। लोकसभा चुनाव के बाद उन्होंने यह भवन अपने कब्जे में ले लिया है। अब यही भवन प्रस्तावित नई पार्टी का मुख्यालय

होगा। झारखंड में नवंबर-दिसंबर में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं और इसमें यशवंत सिन्हा कुछ सीटों पर अपनी पार्टी के उम्मीदवार उतार सकते हैं। समर्थकों ने सिन्हा से खुद हजारीबाग विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने का आग्रह किया है। यशवंत सिन्हा हजारीबाग लोकसभा सीट से तीन बार सांसद और संयुक्त बिहार में रांची विधानसभा सीट से विधायक रह चुके हैं। केंद्र में चंद्रशेखर और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में वह वित्त मंत्री और विदेश मंत्री रह चुके हैं।

वर्ष 2014 में भारतीय जनता पार्टी ने हजारीबाग सीट से यशवंत सिन्हा की जगह उनके पुत्र जयंत सिन्हा को चुनाव मैदान में उतारा था। यशवंत सिन्हा ने भी 2014 में पुत्र के सांसद बनने के बाद राजनीति से अघोषित तौर पर रिटायरमेंट ले ली थी, लेकिन वर्ष 2020 में वह एक बार फिर सक्रिय हुए।

उन्होंने बिहार के कई इलाकों का दौरा किया और 'भारतीय सब लोग पार्टी' नामक राजनीतिक दल भी बनाया। हालांकि 'भारतीय सब लोग पार्टी' प्रभाव नहीं छोड़ पाई। इसके बाद सिन्हा वर्ष 2021 में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। वर्ष 2022 में वह विपक्षी दलों की ओर से राष्ट्रपति पद के संयुक्त उम्मीदवार बनाए गए थे।

रोज हम समाचार पत्र पढ़ते हैं और वही-वही घटनाएँ मन को अस्वस्थ कर जाती हैं। 'ससुराल वालों के अत्याचारों से तंग आकर बहू ने आत्महत्या की।' ऐसी कई घटनाएँ देश में रोज होती रहती हैं।

तुम कभी हार न मानना

रोज हम समाचार पत्र पढ़ते हैं और वही-वही घटनाएँ मन को अस्वस्थ कर जाती हैं। 'ससुराल वालों के अत्याचारों से तंग आकर बहू ने आत्महत्या की।' ऐसी कई घटनाएँ देश में रोज होती रहती हैं। फिर भी जब-जब ऐसी घटनाएँ सुनते-पढ़ते हैं, कई सवाल मन में तूफान मचाने लगते हैं?

क्या जिन महिलाओं ने आत्महत्या नहीं की, ससुरालवालों ने उन्हें कोई तकलीफ नहीं दी? क्या उनका जीवन कहानी की तरह सुंदर था। और वे खुशी-खुशी अपना जीवन जीने लगे।

पुराना जमाना तो छोड़िए आज भी हमारे देश में पति और ससुरालवालों की ओर से बहू को कई तरह से प्रताड़ित किया जाता है। एक हद तक इसे सहा या नजरअंदाज भी किया जा सकता है, उसके बाद क्या? आज लड़कियाँ पढ़ी-लिखी हैं। आत्मनिर्भर हैं, वे अपनी लड़ाई भी लड़ सकती हैं। अब जरूरी है कि वे दूसरों का भी सहारा बनें। माता-पिता का, उस सहेली का जो अपना जीवन समाप्त करने चली हो, या जिसे ससुराल वाले प्रताड़ित कर रहे हैं। उसमें लड़ने का आत्मविश्वास जगाएँ। हमें जब आवश्यकता थी, तब किसी सहेली, भाभी, मौसी, काकी ने हमारा साथ दिया था। आज उसे समाज को लौटाना होगा। मायके की सर्वगुण संपन्न और सुशील लड़की, ससुराल आकर एकदम 'फेल' घोषित कर दी जाती है। उसको अचानक इतनी रोक-टोक में बाँध दिया जाता है मानो वह सुधारगृह में आ गई हो।

अब वो जमाने गए, जब लड़की का किसी कारणवश फिर से मायके में आकर रहना गलत माना जाता था। जहाँ डोली गई वहीं से अर्थी उठेगी...आदि ये वाक्य लड़की को सिखाए जाते थे। आज के माता-पिता को स्थितियों को देखते हुए अपनी बेटी के लिए घर के दरवाजे हमेशा खुले रखने चाहिए। पति द्वारा पत्नी से किया हुआ गलत व्यवहार, फिर वो शारीरिक हो या मानसिक, यह घटना 'पर्सनल' नहीं है। अर्थात दोनों तक सीमित नहीं है।

वह लड़की जिसके साथ अन्याय हो रहा है वह समाज का एक घटक है। उसके साथ होने वाला व्यवहार भी सामाजिक और सार्वजनिक प्रश्न है। लड़की शुरू में उसके साथ हो रहे व्यवहार को छिपाती है। पानी सिर के ऊपर जाने के बाद धीरे-धीरे माता-पिता को बताती है।

अक्सर माता-पिता भी घटनाओं को छिपाते हैं। बेटी की बदनामी से डरते हैं। इससे अत्याचार और बढ़ते जाते हैं। अतः आवश्यक है कि लड़कियाँ इस प्रकार की घटनाओं को छिपाएँ नहीं।

कोई गलत कदम भी न उठाएँ। याद रखें कि हम आत्महत्या करने के लिए पैदा नहीं हुए हैं। कुछ अच्छा काम करके दुनिया से जाएँगे। इस जिद के साथ जीवन जिएँ। यह जीवन आपको ईश्वर की देन है इसका सदुपयोग करें।

इसके लिए सर्वप्रथम लड़कियों का शिक्षित होना आवश्यक है। दूसरा, नौकरी या व्यवसाय अवश्य करें। अपनी रुचि के अनुसार सामाजिक या सार्वजनिक काम के लिए समय अवश्य निकालें जिससे आपके अत्याचारों को जुबां मिलेगी। साथ ही अपनी रुचि का काम करने से दुगुनी शक्ति भी मिलेगी।

मुझे किसी का सहारा मिले इसके साथ ही मैं किसी का सहारा बनूँ, यह लक्ष्य सामने रखें। यही जीवन है यही सच्चा आनंद है।

ये नन्हे फरिश्ते

एक शोध में यह बात उजागर हुई है कि 'अगर माता-पिता बच्चों पर बहुत ज्यादा रोक-टोक या उन पर हावी होने की कोशिश करते हैं तो बच्चे मनो वैज्ञानिक रूप से कमजोर हो जाते हैं। हालाँकि ध्डायरेक्शन इन साइकोलॉजिकल साइंस' में प्रकाशित इस शोध के मुताबिक पूर्वी देशों की अपेक्षा पश्चिमी देशों पर इसका असर ज्यादा है।

एक शोध में यह बात उजागर हुई है कि 'अगर माता-पिता बच्चों पर बहुत ज्यादा रोक-टोक या उन पर हावी होने की कोशिश करते हैं तो बच्चे मनोवैज्ञानिक रूप से कमजोर हो जाते हैं। हालाँकि ध्डायरेक्शन इन साइकोलॉजिकल साइंस' में प्रकाशित इस शोध के मुताबिक पूर्वी देशों की अपेक्षा पश्चिमी देशों पर इसका असर ज्यादा है।

शोधकर्ताओं के अनुसार शायद पूर्वी देशों के बच्चे संस्कृति की वजह से माता-पिता की अनावश्यक घुसपैठ को स्वीकार कर लेते हैं। इससे बच्चों के अंदर यह कुंठा विकसित हो जाती है कि उनसे कुछ नहीं होने वाला।

बच्चे तो बच्चे समझदारी के मामले में आपका छोटा-सा शिशु भी कई बार आपसे कहीं अधिक समझदार सिद्ध हो सकता है। कुछ नए शोधों से पता चला है कि-

'शिशु जिज्ञासु होते हैं। वे नई चीजों को सीखना चाहते हैं साथ ही उनमें खोजने, समझने और गुणात्मक अध्ययन करने की प्रवृत्ति पाई जाती है। इतना ही नहीं, वे अच्छे बुरे की पहचान भी कर लेते हैं।'

ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय की फी जु और वास्ती गार्सिया ने एक प्रयोग द्वारा यह सिद्ध किया कि छोटे-छोटे शिशुओं में भी सीखने की वृत्ति काफी होती है। शोधकर्ताओं ने आठ महीने के शिशुओं पर प्रयोग किए। उन्होंने इन शिशुओं को एक डिब्बे में रखी पिंगपोंग दिखाई।

इनमें से सभी गेंदें सफेद थीं और चार गेंदें लाल रंग की थीं। कुछ देर बाद उन्होंने डिब्बा बदल दिया और इस बार लाल चार गेंदें सफेद और सभी गेंदें लाल रंग की कर दीं। सभी शिशु चौंक गए और देर तक डिब्बे को देखते रहे। इससे यह साबित होता है कि शिशुओं में रंगों का गुणात्मक अध्ययन करने की क्षमता होती है। वे समझ जाते हैं कि कुछ अलग हुआ है।

शिशुओं को एक लीवर वाला खिलौना दिया गया जिसको दबाने से गुड़िया बाहर आती थी। दो समूहों के बच्चों में किए गए इस अध्ययन में एक समूह के बच्चों ने तो इसे एक सामान्य खिलौना समझकर छोड़ दिया जबकि एक समूह के बच्चों को लीवर तकनीक पता चल गई और वे उसके साथ प्रयोग करने लग गए।'

बच्चों के बारे में खलील जिब्रान के विचार:

- तुम्हारे बच्चे तुम्हारी संतान नहीं हैं।
- वे तो जीवन की स्वयं के प्रति जिजीविषा के फलस्वरूप उपजे हैं।
- वे तुम्हारे भीतर से आए हैं लेकिन तुम्हारे लिए नहीं आए हैं।
- वे तुम्हारे साथ जरूर हैं लेकिन तुम्हारे नहीं हैं।
- तुम उन्हें अपना प्रेम दे सकते हो, अपने विचार नहीं, क्योंकि उनके विचार उनके अपने हैं।
- तुमने उनके शरीर का निर्माण किया है, आत्मा का नहीं, क्योंकि उनकी आत्मा भविष्य के घर में रहती है, जहाँ तुम जा नहीं सकते, सपने में भी नहीं।
- उनके जैसा बनने की कोशिश करो, उन्हें अपने जैसा हरगिज न बनाओ, क्योंकि जिंदगी पीछे नहीं जाती, न ही अतीत से लड़ती है।
- तुम वे धनुष हो जिनसे वे तीर की भाँति निकले हैं। ऊपर बैठा धनुर्धर मार्ग में कहीं भी निशाना लगाता है, वह प्रत्यंचा को जोर से खींचता है ताकि तीर चपलता से दूर तक जाए। उसके हाथों में थामा हुआ तुम्हारा तीर शुभदायक हो, क्योंकि उसे दूर तक जाने वाले तीर भाते हैं, और मजबूत धनुष ही उसे प्रिय लगते हैं।'

स्नैक्स हैं बहुत से मगर पकौड़ों जैसा कोई नहीं

फुरसत के क्षणों में पकौड़े खाने का अलग ही आनंद होता है। वैसे तो कभी भी नाश्ते में पकौड़े खाने अच्छे लगते हैं लेकिन बरसात के मौसम में गरमागरम पकौड़े चाय के साथ खाने का मजा ही दूसरा होता है और अगर हर बार पकौड़ों का नया स्वाद मिले तो फिर कहना ही क्या। आइए जानते हैं पकौड़ों के नए-नए जायके बनाने की

विधियां- बेसन के घोल में थोड़ी उरद की दाल का पेस्ट डाल दें। इससे पकौड़ों का स्वाद बढ़ जाता है। बेसन के घोल में थोड़ी सी धुली मूंग की फूली हुई दाल मिला दें। इससे पकौड़ों का जायका और बढ़ जाएगा। मूंग की दाल के पकौड़े बनाने के लिए हमेशा छिलके वाली दाल का ही इस्तेमाल करें। दाल को छिलके समेत ही पीसें। इससे पकौड़े कुरकुरे बनते हैं। फटे दूध में बेसन घोल कर पकौड़े बनाने से उनका अनूठा स्वाद मिलता है। बेसन के घोल में थोड़ा सा कार्नफ्लोर मिला देने से पकौड़े अधिक करारे बनते हैं। पकौड़ों के घोल में चावल का आटा डाल देने से पकौड़े काफी कुरकुरे बनते हैं।

कौड़ों के घोल में में थोड़ा सा अचार वाला तेल मिला देने से पकौड़ों का स्वाद अलग हो जाता है। पनीर बनाने के बाद बचे पानी से बेसन घोल कर पकौड़े बनाने से स्वाद अच्छा लगता है। चना, उड़द, मूंग, मसूर बराबर मात्रा में लेकर पानी में कुछ घंटे भिगो कर पीस लें। इस मिश्रण के पकौड़े बेहद स्वादिष्ट होते हैं। पकौड़ों के घोल में अधिक मात्रा में धनिया पत्ती काट कर डालने से स्वाद बढ़ जाता है।

काइरेन विल्सन ने जीता विश्व स्नूकर शीआन ग्रैंड प्रिक्स का खिताब

एजेंसी

शीआन। विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी काइरेन विल्सन ने 7-8 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जूड ट्रम्प को 10-8 से हराकर शीआन ग्रैंड प्रिक्स में अपना सातवां विश्व स्नूकर रैंकिंग खिताब जीत लिया है। रात के सत्र से पहले, विल्सन ने ट्रम्प के खिलाफ 5-4 की बढ़त ले ली थी। ट्रम्प और विल्सन ने दसवें और ग्यारहवें फ्रेम में जीत हासिल की, इससे पहले ट्रम्प ने लगातार दो फ्रेम जीतकर अंतिम अंतराल से पहले 7-6 की बढ़त हासिल की, लेकिन 14वें फ्रेम में विल्सन के 76 ने उन्हें बराबरी पर ला दिया ट्रम्प ने टूर्नामेंट में अपना दूसरा शतक लगाने के बाद 8-7 की बढ़त ले ली। हालांकि, विल्सन ने अपने बेहतरीन आक्रामक कौशल का परिचय देते हुए अगले तीन फ्रेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया।

सिलेसिया डायमंड लीगः 3000 मीटर स्टीपलचेज में 14वें स्थान पर रहे अविनाश साबले

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष 3000 मीटर स्टीपलचेज़र अविनाश साबले सिलेसिया डायमंड लीग में निराशाजनक 14वें स्थान पर रहे। 29 वर्षीय मौजूदा एशियाई खेलों के चैंपियन ने 8 मिनट 29.96 सेकंड का समय लिया और सबसे निचले स्थान पर रहे। सत्रह धावकों ने दौड़ पूरी की, जबकि तीन दौड़ पूरी नहीं कर सके।मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन मोरक्को के एल बक्काली सौफियान (8:04.29) ने दौड़ जीती, जबकि केन्या के अमोस सेरेम (8:04.29) और इथियोपिया के सैमुअल फायरवु (8:04.34) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। इस साल की शुरुआत में पेरिस ओलंपिक में शीर्ष छह फिनिशरों ने यहां प्रतिस्पर्धा की थी।पिछले महीने पेरिस डायमंड लीग में, साबले ने 8:09.91 के समय के साथ छठे स्थान पर रहते हुए अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया था। वह इस महीने की शुरुआत में पेरिस खेलों के दौरान ओलंपिक 3000 मीटर स्टीपलचेज फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय पुरुष बन गए थे, जहां वह 8:14.18 के समय के साथ 11वें स्थान पर रहे थे।

आर्मंड डुप्लांटिस ने सिलेसिया डायमंड लीग में दसवीं बार तोड़ा विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। स्वीडन के मोंडो डुप्लांटिस ने सिलेसिया डायमंड लीग मीटिंग में दूसरे प्रयास में 6.26 मीटर की छलांग लगाकर अपना ही पोल वॉल्ट विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। डुप्लांटिस ने 10वीं बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ा, इस महीने की शुरुआत में पेरिस में अपना ओलंपिक स्वर्ण पदक बरकरार रखते हुए उन्होंने 6.25 मीटर की दूरी तय की थी, और इस साल यह तीसरी बार था जब उन्होंने अपना खुद का रिकॉर्ड तोड़ा। 24 वर्षीय डुप्लांटिस ने पेरिस ओलंपिक में स्टेड डी फ्रांस की भीड़ को झूमने पर मजबूर कर दिया था, जब उन्होंने नौवीं बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ा था, और हमेशा यह महसूस होता था कि डुप्लांटिस का काम अभी खत्म नहीं हुआ है। डुप्लांटिस ने लॉज़ेन में जीत के लिए 6.15 मीटर की दूरी तय की, लेकिन चोरज़ो के सिलेसिया स्टेडियम में, छह मीटर से आगे निकल जाने के बाद, उन्होंने बार को 6.26 तक बढ़ा दिया,उनका पहला प्रयास खराब रहा, जिससे उम्मीदें कम हो गईं, लेकिन फिर स्वीडन का यह खिलाड़ी तेजी से आगे बढ़ा और फिर इतिहास रच दिया।

ओलंपिक में सेल्फी लेना पड़ा भारी, उत्तर कोरिया के खिलाड़ियों को पड़ी लताड़

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में दक्षिण कोरिया के खिलाड़ियों के साथ मुस्कुराने वाली सेल्फी पर उत्तर कोरिया खिलाड़ियों को वहां के अधिकारियों से लताड़ लगाए जाने की कई विदेशी समाचार पत्रों ने रिपोर्ट दी हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार पेरिस ओलंपिक में उत्तर कोरिया की टेबल टेनिस रजत पदक विजेता री जोंग सिक और किम कुम योंग को पदक लेने के ग्रहण करते समय दक्षिण कोरिया के अपने प्रतिद्वंद्वी लिम जोंग-हून और शिन यू-बिन के साथ 'मुस्कुराने' वाली सेल्फी के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार री जोंग सिक और किम कुम योंग पेरिस ओलंपिक से लौटे अन्य एथलीटों के साथ 'वैचारिक मूल्यांकन'से गुजर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार यह मूल्यांकन उत्तर कोरिया में एक मानक प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य विदेशी संस्कृतियों के संपर्क में आने से होने वाले किसी भी दोषों को दूर करना है।

ओलंपिक में द. कोरिया के खिलाड़ियों के साथ मुस्कुराने वाली सेल्फी पर उ. कोरिया खिलाड़ियों पड़ी लताड़

एजेंसी

नयी दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में दक्षिण कोरिया के खिलाड़ियों के साथ मुस्कुराने वाली सेल्फी पर उत्तर कोरिया खिलाड़ियों को वहां के अधिकारियों से लताड़ लगाये जाने की कई विदेशी समाचार पत्रों ने रिपोर्ट दी हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार पेरिस ओलंपिक में उत्तर कोरिया की टेबल टेनिस रजत पदक विजेता री जोंग सिक और किम कुम योंग को पदक लेने के ग्रहण करते समय दक्षिण कोरिया के अपने प्रतिद्वंद्वी लिम जोंग-हून और शिन यू-बिन के साथ 'मुस्कुराने' वाली सेल्फी के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार री जोंग सिक और किम कुम योंग पेरिस ओलंपिक से लौटे अन्य एथलीटों के साथ 'वैचारिक मूल्यांकन' से गुजर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार यह मूल्यांकन उत्तर कोरिया में एक मानक प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य विदेशी संस्कृतियों के संपर्क में आने से होने वाले किसी भी दोषों को दूर करना है। प्योंगयांग में नाम ना बताने वाले अधिकारियों ने द डेली एनके ने बताया कि दुश्मन देश दक्षिण कोरिया के एथलीटों के साथ 'मुस्कुराने' के लिए उत्तर कोरिया के एथलीटों को लताड़ा गया है।

उल्लेखनीय है कि इस सेल्फी में स्वर्ण पदक विजेता भी चीन के खिलाड़ी भी शामिल थे। इस सेल्फी को दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी लिम जोंग-हून ने लिया था। फोटो में दोनों कोरियाई राष्ट्रीय ध्वज हैं।

कुशीनगर व गौतमबुद्धनगर पुरुष व महिला वर्ग में ओवरऑल चैंपियन

एजेंसी

लखनऊ । कुशीनगर और गौतमबुद्धनगर ने केएन कपूर मेमोरियल 65वीं सीनियर स्टेट तैराकी चैंपियनशिप में दमदार प्रदर्शन के साथ क्रमशः पुरुष व महिला वर्ग की टीम चैंपियनशिप जीत ली। साई सेंटर लखनऊ में संपन्न चैंपियनशिप में पुरुषों में गाजियाबाद के आर्यन चिकारा तीन स्वर्ण के साथ और महिलाओं में गाजियाबाद की ही दीपा यादव चार स्वर्ण पदक के साथ सर्वश्रेष्ठ तैराक बने।

में पुरुष वर्ग में कुशीनगर 82 अंक के साथ पहले व मिर्जापुर 55 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। वहीं महिला वर्ग में गौतमबुद्ध नगर की टीम 89 अंक के साथ पहले व गाजियाबाद 69 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही।

पैरालंपिक एथलीटों का हौसला बढ़ाने के लिए चीयर 4 भारत का लगाए नाराः मांडविया

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि देशवासियों को पैरालंपिक एथलीटों की हौसला-अफजाई करने के लिए चीयर4भारत का नारा लगाना चाहिए।

खेल मंत्री मांडविया ने आज सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, पेरिस पैरालंपिक शुरु होने वाला है और हमारे 84 एथलीट इसमें हिस्सा ले रहे हैं, मैं आप सभी से कहना चाहता हूं कि सभी देशवासी चीयर4भारत का नारा लगाएं और हमारे खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाएं। उल्लेखनीय है कि 28 अगस्त से पेरिस में पैरालंपिक खेल शुरु हो रहे है। इस बार भारत ने इन खेलों के लिए अब तक का सबसे बड़ा दल भेजा है। यह खेल आठ सितंबर तक चलेंगे। भारत बैडमिंटन, एथलेटिक्स, साइकिलिंग सहित अन्य विभिन्न स्पर्धाओं में हिस्सा लेगा।

शरत की बदौलत चेन्नई लायंस की दबंग दिल्ली टीटीसी पर 8-7 से जीत

एजेंसी

चेन्नई। अचंता शरत कमल की अगुआई में चेन्नई लायंस ने दबंग दिल्ली टीटीसी को 8-7 से हराकर इंडियनऑयल अल्टीमेट टेबल टेनिस 2024 में अपनी पिछली हार से उबरते हुए शानदार वापसी की। जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में घरेलू पसंदीदा स्टार शरत ने टाई के पहले पुरुष एकल मैच में दबंग दिल्ली टीटीसी के एंड्रियास लेवेंको पर 2-1 की जीत में अपनी क्लास दिखाई। उन्होंने इंडियनऑयल यूटीटी के पांचवें सीजन में पदार्पण कर रहे ऑस्ट्रियाई खिलाड़ी के खिलाफ कई शक्तिशाली स्मैश लगाए। इसके बाद, मुकाबले के पहले महिला एकल मैच में, सकुरा मोरी ने ओरावन परनांग को 2-1 से

हराकर चेन्नई लायंस की बढ़त को और मजबूत किया। दोनों टीमों के बीच मिश्रित युगल मैच में भी यही हाल रहा, जिसमें चेन्नई लायंस की शरत और मोरी की जोड़ी ने दबंग दिल्ली टीटीसी के साथियान ज्ञानसेकरन और परनांग को 2-1 से हराया। मेजबान टीम ने अगले ही मैच में बराबरी हासिल कर ली, जिसमें जूल्स रोलैंड ने स्थानीय खिलाड़ी साथियान को दो गेम में एक से हराया। इस मुकाबले के अंतिम मैच में दबंग दिल्ली टीटीसी की दियाले चितले ने व्यक्तिगत इतिहास रच दिया। मुंबई की यह लड़की, जो स्टैंड से इंडियनऑयल यूटीटी को एक प्रशंसक के रूप में देखती थी, ने अपने दूसरे वर्ष में लीग में अपना पहला मैच जीता। उसने पोयमंती बैस्या को 3-0 से हराया।

उत्तर प्रदेश 23 स्वर्ण के साथ ओवरऑल विजेता

एजेंसी

लखनऊ। मेजबान उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने डब्लूएमएसकेएफ ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप में अपनी तकनीक और फाइटिंग स्किल से दबदबा बनाते हुए सर्वाधिक 23 स्वर्ण के साथ ओवरऑल विजेता होने का गौरव हासिल किया। वर्ल्ड मॉडर्न शोतोकान कराटे फेडरेशन, इंडिया के तत्वावधान में वर्ल्ड मॉडर्न शोतोकान कराटे फेडरेशन, उत्तर प्रदेश के द्वारा चौक स्टेडियम के लालजी टंडन बहुउद्देश्यीय हाल में आयोजित इस चैंपियनशिप में उत्तराखंड उपविजेता रही जबकि गोवा को तीसरा स्थान मिला। इस चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश की टीम 23 स्वर्ण, 15 रजत, 18 कांस्य सहित 56 पदक के साथ पहले स्थान पर रही। वहीं उत्तराखंड 14 स्वर्ण, 12 रजत, 10 कांस्य सहित 36 कांस्य के साथ दूसरे एवं गोवा 8 स्वर्ण, 9 रजत, 10 कांस्य सहित 27 पदक के साथ तीसरे स्थान पर रही। चैंपियनशिप के समापन व पुरस्कार वितरण समरोह में मुख्य अतिथि डा.डीके सिंह (आर्थोपेडिक सर्जन) व अति विशिष्ट अतिथि प्रेम प्रकाश (जिला जज, अयोध्या) ने पुरस्कार वितरित किए। समारोह में विशिष्ट अतिथि गण डा.अखिलेश सिंह (पीआरओ, सरोजनीनगर विधायक राजेश्वर सिंह), संजय बंसल (समाजसेवी), अनुराग मिश्रा अन्नू (पार्षद, चौक काली जी बाजार वार्ड), प्रवीण गर्ग (सीईओ, उत्तर प्रदेश कलारीपयट्टू एसोसिएशन), केबी पंत (सचिव, सेवात एसोसिएशन ऑफ यूपी) ने भी पदक विजेताओं का उत्साहवर्द्धन किया। समापन समारोह की अध्यक्षता वर्ल्ड मॉडर्न शोतोकान कराटे फेडरेशन, इंडिया के अध्यक्ष जसपाल सिंह ने की। अंत में कराटे एसोसिएशन ऑफ यूपी के अध्यक्ष टीपी हवेलिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

टी-20 विश्वकप में फातिमा सना होगी पाकिस्तान टीम की कप्तान

एजेंसी

लाहौर। तेज गेंदबाज फातिमा सना को आगामी महिला टी-20 विश्वकप के लिए पाकिस्तान की टीम का कप्तान बनाया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी-20 विश्वकप 2024 के लिए तेज गेंदबाज फातिमा सना को 15 सदस्यीय टीम का कप्तान नियुक्त किया है। उन्हें निदा डार की जगह कप्तान बनाया गया है। 22 वर्षीय फातिमा के लिए यह पहला अवसर होगा जब वह किसी भी आईसीसी स्पर्धा इवेंट में पाकिस्तान की कप्तानी करेंगी। उन्होंने पहले दो बार एकदिवसीय पाकिस्तानी टीम का नेतृत्व किया है। इस मुकाबले में पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड पर जीत हासिल की थी।

राष्ट्रीय चयन समिति के द्वारा कप्तानी में किए गए इस बदलाव के अलावा पाकिस्तान की टीम पहले की जैसी ही है। पिछले महीने उनकी जो टीम महिला टी-20 एशिया कप कि लिए गई थी, उसमें बस एक बदलाव किया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज नाजिहा अल्वी की जगह बल्लेबाज सदफ शमास को टीम में शामिल किया गया है। सदाफ वर्ष 2023 के महिला टी-20 विश्वकप में भी टीम का हिस्सा थीं। उल्लेखनीय है कि महिला टी-20 विश्वकप तीन

अक्तूबर से शुरू होगा। पाकिस्तान ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के साथ है। बंगलादेश में राजनीतक अस्थिरता के कारण टूर्नामेंट को संयुक्त अरब अमीरात में स्थानांतरित कर दिया गया है लेकिन अभी तक टूर्नामेंट के संशोधित कार्यक्रम की घोषणा नहीं की गई है।

महिला टी-20 विश्वकप के लिए पाकिस्तान की टीम इस प्रकार हैः- फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, गुल फिरोजा, इराम जावेद, मुनीबा अली (विकेटकीपर), नश्रा संधू, निदा डार, ओमाइमा सोहेल, सदफ शमास, सादिया इकबाल (फिटनेस के आधार पर), सिदरा अमीन, सैयदा अरूब शाह, तस्मीया रबाब और तूबा हसन।

बंगलादेश ने पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान को 10 विकेट से हराया

एजेंसी

रावलपिंडी। मेंहदी हसन सिराज (चार विकेट), शाकीब अल हसन (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर बंगलादेश ने पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान 10 विकेट से करारी शिकस्त दी है।

बंगलादेश की टीम ने आज यहां पाकिस्तान पर एतिहासिक जीत दर्ज करते हुए दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। बंगलादेश के गेंदबाजों के आगे पाकिस्तान की टीम ने दूसरी पारी में घुटने टेक दिये। मोहम्मद रिजवान (51) के अलावा उसका कोई भी बल्लेबाज पिच

अधिक देर तक नहीं टिक सका। पाकिस्तान की पूरी टीम दूसरी पारी में 146 रनों के स्कोर पर ढेर हो गई। सईम अयूब एक रन ,बाबर आजम (22) और सऊद शकील शून्य पर आउट हुए। बंगलादेश को पहली पारी के आधार पर 117 रनों की बढ़त मिली थी। पाकिस्तान के दूसरी पारी में 146 रन पर सिमटने के बाद बंगलादेश को 29 रनों का लक्ष्य मिला था जिसे उसने 6.3 ओवर में बिना कोई विकेट खोए 30 रन बनाकर हासिल कर लिया। जाकिर हसन (15) ओर शादमन इस्लाम (नौ) रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले पाकिस्तान ने छह विकेट पर 448 रन बनाकर पहली पारी घोषित कर दी थी।पाकिस्तान के लिए मोहम्मद रिजवान और सऊद शकील ने शतकीय पारी खेली. रिजवान ने 239 गेंदों में नाबाद 171 रन बनाए। शकील ने 141 रनों की पारी खेली। सईम अयूब ने 56 रनों का योगदान दिया। इसके बाद मुशफिकुर रहीम ने (191) सदमन इस्लाम ने (93), लिटन दास ने (56), मेहदी हसन मिराज ने (77) रनों की पारी खेली और मोमिनुल हक ने 50 रनों के योगदान से बंगलादेश ने 565 का स्कोर खड़ा 117 रनों बढ़त बना ली थी।

सर्फिंग में एशियाई खेलों का कोटा हासिल कर भारत ने रचा इतिहास

एजेंसी

थुलुस्धू, मालदीव। भारतीय सर्फिंग के लिए आज एक ऐतिहासिक दिन रहा जब एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप 2024 में भाग लेने वाली टीम ने एशियाई खेल 2026 के लिए अपना पहला कोटा हासिल कर लिया। ये कोटा चैंपियनशिप में भारतीय सर्फ़रों द्वारा अर्जित रैंकिंग अंकों के आधार पर अर्जित किए गए हैं। कल चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले किशोर कुमार कड़ी प्रतिस्पर्धा में मामूली अंतर से चूक गए, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में उनके शानदार प्रदर्शन ने सुनिश्चित किया कि उनके देश ने एशियाई खेलों के लिए कोटा अर्जित किया। एशियन सर्फिंग चैंपियनशिप 2024, जो एशियन गेम्स 2026 के लिए क्वालीफायर भी है, में आठ भारतीय सर्फर्स ने चार अलग-अलग श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा की।कई राष्ट्रीय चैंपियनशिप खिताब अपने नाम करने के बाद किशोर कुमार ने आज अंडर-18 लड़कों की श्रेणी में एशिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ सर्फ़रों के खिलाफ प्रतियोगिता में प्रवेश किया। वह हीट 2 सेमीफाइनल में 8.26 के स्कोर के साथ चीन के चेंगझेंग वांग के ठीक पीछे तीसरे स्थान पर रहे, जिन्होंने 10.00 का स्कोर करके दूसरा स्थान हासिल किया। जापानी सर्फर तारो ताकाई ने 14.50 के स्कोर के साथ उसी हीट में पहला स्थान हासिल किया। किशोर कुमार, जो पहले राउंड 1, राउंड 3 और क्वार्टरफाइनल में पहले स्थान पर रहे। टूर्नामेंट में किशोर के बाद एक और सफल सर्फर हरीश मुथु ने भी अपनी छाप छोड़ी क्योंकि वह एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय बने। हालाँकि कड़े मुकाबले में वह पिछड़ गये।

डार्सी ब्राउन टी20 विश्व कप के लिए फिट, जेस जोनासेन बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। डार्सी ब्राउन पैर के स्ट्रेस फ्रैक्चर से उबर चुकी हैं और अब वह टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की 15 खिलाड़ियों वाली टीम में शामिल हो गई हैं। इस टीम को बांग्लादेश से यूएई में स्थानांतरित कर दिया गया है।

जेस जोनासेन, जिन्हें इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश दौरे से बाहर रखा गया था, पहली बार विश्व कप से बाहर हैं, जबकि वह चयन के लिए उपलब्ध थीं। टीम में 15 खिलाड़ी हैं, जिनका नेतृत्व एलिसा हीली कर रही हैं। ऑस्ट्रेलिया लगातार चार टी20 खिताब जीतने की उम्मीद कर रहा है। ब्राउन के साथ टेला व्लामिन्क भी होंगी, जो ऑस्ट्रेलिया को दो अतिरिक्त गेंदबाज प्रदान करेंगी। फोबे लिचफील्ड अपना पहला विश्व कप खेलेंगी।

राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा, लंबे समय में यह पहली बार है कि विश्व कप से पहले चयन के लिए हमारी पूरी अनुबंध सूची उपलब्ध है और इसके परिणामस्वरूप वास्तव में एक स्थिर और संतुलित टीम बनी है।

उन्होंने कहा, यह पहली बार है जब एलिसा विश्व कप में कमान संभालेंगी और हम पहले ही देख चुके हैं कि वह और ताहलिया नेतृत्व के दृष्टिकोण से क्या लाती हैं, इसलिए उनके लिए सबसे बड़े मंच पर अपने देश का नेतृत्व करने का यह अवसर मिलना रोमांचक है। फीबे हमारे लिए एक वास्तविक एक्स-फैक्टर है और कुछ समय से उतारना चाहते थे और यह हमारे लिए एक वास्तविक अंतर बिंदु है।

जोनासेन, जो पिछले 10 वर्षों से ऑस्ट्रेलिया की टीमों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं, के लिए इस सत्र के दौरान सेट-अप में वापसी की तेज गेंदबाजी जोड़ी वह है जिसे हम अपने पहले विश्व कप में एक अनुभवी समूह द्वारा उसका अच्छा समर्थन किया जाएगा। टेला और डार्सी करने के लिए उनके लिए दरवाज़ा खुला रखा गया था जिसमें एशेज श्रृंखला भी शामिल है। फ्लेगलर ने कहा, जेस जोनासेन फिर से दुर्भाग्यशाली रही कि वह विश्व कप से बाहर हो गई, लेकिन जिस तरह से उसने वापसी की है, उससे हम प्रभावित हैं और हम घरेलू गर्मियों से पहले उसके फॉर्म पर नज़र रखेंगे।

विश्व कप के लिए चुनी गई टीम अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैच भी खेलेगी, जिसमें ऑलराउंडर हीथर ग्राहम को भी शामिल किया गया है, जो यूएई नहीं जाएंगी।

ऑस्ट्रेलिया महिला टी20 विश्व कप टीम-

एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एशले गार्डनर, किम गर्थ, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वेयरहम, टायला व्लामिन्क।

अनुशासन के मामले में नरमी की कोई गुंजाइश नहीं : विजय दहिया

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बल्लेबाज विजय दहिया दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित दिल्ली प्रीमियर लीग के पहले संस्करण में युवा खिलाड़ियों और पुरानी दिल्ली 6 की पूरी टीम से बहुत ज्यादा प्रभावित हैं। पुरानी दिल्ली 6 के कोच विजय दहिया के अनुसार जैसे-जैसे लीग आगे बढ़ रही है। खिलाड़ी और बेहतर होते जा रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अनुशासन के मामले में खिलाड़ियों के साथ नरमी की कोई गुंजाइश नहीं है। खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए विजय दहिया ने कहा कि वैसे तो सभी खिलाड़ी कमाल के हैं लेकिन हमारे द्वारा चुने गए युवाओं ने मुझे खासा प्रभावित किया है। हाल ही में पुरानी दिल्ली ने जिस तरह से जीत हासिल की वह काबिले तारीफ है। उन्होंने आगे कहा कि जब आप एक युवा खिलाड़ी को चुनते हैं, तो उसे सबसे ज्यादा जरूरत आत्मविश्वास की होती है और जहां तक मेरी कोचिंग शैली का सवाल है तो मैं सबसे ज्यादा इसी बात का ध्यान रखता हूं। पुरानी दिल्ली 6 ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण मुकाबले में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को 6 विकेट से हराकर जीत हासिल की थी। लीग अब दूसरे चरण में पहुंच चुकी है ऐसे में यह जीत न केवल टीम की बदलती हुई शानदार रणनीति को दर्शाती है बल्कि इस जीत में उनके बढ़े हुए आत्मविश्वास की झलक भी साफ देखी जा सकती है। कोच ने कहा, टीम के लिए यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण जीत थी। इससे टीम सकारात्मक ऊर्जा से भर गई है। चाहे वह बल्लेबाजी हो, गेंदबाजी हो या क्षेत्ररक्षण हर विभाग में टीम ने उम्दा वापसी की है।

पीसीआई प्रमुख ने सुलभता भागीदार के प्रावधान की सराहना की, कहा-दिव्यांग खिलाड़ियों का दर्द समझा गया

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस पैरालिंपिक 2024 से पहले, भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने दल के लिए स्वयं (स्मिनू जिंदल चैरिटेबल ट्रस्ट की एक गैर-लाभकारी पहल) को एक्सेसिबिलिटी पार्टनर के रूप में रखने के प्रावधान की सराहना की और कहा कि दिव्यांग एथलीटों के सामने आने वाली 'पीड़ा' और परेशानियों का अब समाधान हो गया है। पैरालिंपिक 2024 के लिए भारतीय दल के 20 से अधिक एथलीट दिल्ली हवाई अड्डे से पेरिस के लिए रवाना हुए। वे मेजबान देश में उम्मीदों, एक अरब देशवासियों की शुभकामनाओं और सभी सरकारी और निजी भागीदारों के समर्थन के साथ जा रहे हैं, जो एथलीटों को टोक्यो 2020 पैरालिंपिक में स्थापित 19 पदकों के रिकॉर्ड को पार करने के लिए प्रेरित करेगा। पत्रकारों से बात करते हुए झाझरिया ने पेरिस पैरालिंपिक के लिए भारतीय दल के लिए सुगम्यता भागीदार के रूप में स्वयं को शामिल करने के पीसीआई के प्रयास के बारे में बात की, जिसका उद्देश्य हवाई अड्डे, प्रशिक्षण सुविधाओं तक स्थानीय आवागमन के दौरान खिलाड़ियों की यात्रा और सम्मान को आसान बनाना है।

झाझरिया ने कहा, स्वयं अपने आप में एक संदेश है। दिव्यांग एथलीटों के दर्द को समझा गया है। सुगम्य परिवहन पर काम किया जा रहा है। यह देश को एक नई दिशा दिखा रहा है कि दिव्यांग एथलीटों की क्या जरूरत है। पीसीआई अध्यक्ष ने कहा कि एथलीटों के लिए सुगम्यता महत्वपूर्ण है और एक बार जब उन्हें यह ठीक से मिल जाती है, तो इससे एथलीटों को अधिक आत्मविश्वास मिलता है। उन्होंने कहा, एथलीटों के लिए सुगमता महत्वपूर्ण है। उन्हें बहुत यात्रा करनी पड़ती है। अगर उन्हें सुगमता मिलती है, तो वे अधिक आत्मविश्वासी और मानसिक रूप से बेहतर महसूस करते हैं। स्वयं ने विशेष सुगम वाहन दान किए हैं, जिनमें व्हीलचेयर को रखा जा सकता है और एथलीटों को वाहन में चढ़ने के लिए व्हीलचेयर से उतरना नहीं पड़ता। टेबल टेनिस स्टार भाविना पटेल और सोनलबेन पटेल, पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी मनोज सरकार, मनीषा रामदास, स्वर्ण पदक विजेता कृष्णा नागर, पैरा-एथलीट सचिन सरजेराव और साक्षी कसाना जैसे कई प्रतिष्ठित पैरा-एथलीट पेरिस के लिए अपनी उड़ान पकड़ने के लिए हवाई अड्डे पर थे।

हिना खान

ने कैंसर के इलाज के बीच मनाया मां का बर्थडे, एक्ट्रेस के लिए मांगी 3 विश, आखिरी जानकर रो पड़ेंगे आप

हिना खान मुश्किल दौर से गुजर रही हैं. उन्हें हाल में स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर का पता चला है. हिना की इस बीमारी ने न सिर्फ उनके फैंस को बल्कि फैमिल मेंबर को भी परेशान कर दिया है. फैंस और फैमिली दोनों को सपोर्ट कर रहे हैं. हिना अपने कैंसर का ट्रीटमेंट करवा रही हैं. ट्रीटमेंट और अपनी परेशानियों के बीच हिना ने अपनी मां के जन्मदिन को खुशी-खुशी मनाया. उन्होंने अपने दर्द को मां के बर्थडे पर हावी नहीं होने दिया. हिना हर साल मां के बर्थडे पर बड़ी पार्टी देती थीं, लेकिन इस बार सिर्फ फैमिली के बीच सादगी से बर्थडे सेलिब्रेट किया.हिना खान ने एक वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया. इस वीडियो में उनके मां को केक काटते हुए देखा जा सकता है. दोनों खुशी-खुशी फोटो के लिए पोज भी देते नजर आ रहे हैं. हिना ने अपनी मां के हेल्दी और खुश रहने की कामना की. वहीं, खुद के लिए कोई कामना करने के बजाय, उनकी मां ने हिना के जल्द ठीक होने की कामना की और हिना के पूरी तरह ठीक हो जाने पर अगले जन्मदिन को शानदार तरीके से मनाने का वादा किया.

हिना खान की मां कहती हैं, इस बार मेरी यही विश है कि हिना अगले साल इस टाइम तक बिल्कुल अच्छी होनी चाहिए. तो हम बहुत अच्छे से सेलिब्रेट करेंगे. क्योंकि मेरी ये दिल से दुआ है कि हिना ठीक हो जाएं. इसके बाग हिना की मां मोमबत्ती बुझाती और केक काटती नज़र आ रही हैं. टेबल को फूलों से खूबसूरती से सजाया गया है और बैकग्राउंड में एक बड़ा गुलदस्ता रखा है.

हिना खान ने की मां की हेल्दी रहने की कामना

हिना खान ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा,मां, तुम्हारी हेल्दी, खुशी और लंबी उम्र की विश मांगती हूं. आमीन. हिना की इस पोस्ट पर फैंस के साथ-साथ इंडस्ट्री के दोस्तों ने लाल दिल वाले इमोजी कमेंट्स किए और उनकी मां को जन्मदिन की बधाई देने के साथ-साथ हिना के जल्द ठीक होने की कामना की.

कार्तिक आर्यन

की इस सुपरहिट फिल्म के लिए शरवरी वाघ ने दिया था ऑडिशन, क्यों नहीं बनी थी बात?

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान और रानी मुखर्जी की फिल्म 'बंटी और बबली 2' से बॉलीवुड में एक्टिंग डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस शरवरी वाघ इन दिनों अपनी फिल्म 'वेदा' को लेकर सुर्खियों में हैं. हालांकि, ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई है. डेब्यू करने से पहले शरवरी ने साल 2015 में आई डायरेक्टर लव रंजन की फिल्म 'प्यार का पंचनामा 2' में बतौर असिसटेंट डायरेक्टर काम किया था. इस फिल्म में कार्तिक आर्यन दिखे थे. एक्ट्रेस ने अब खुलासा किया है कि वो इस फिल्म के लिए ऑडिशन देने गई थीं, लेकिन उन्होंने कैमरे के पीछे ही अपनी जगह ढूंढ ली थी. उन्होंने कहा कि वो सिर्फ 17 साल की थीं जब उन्हें इस फिल्म के लिए ऑडिशन के लिए बुलाया गया था.'प्यार का पंचनामा 2' में रोमांटिक सीन भी थे और शरवरी की उम्र कम थी तो लव रंजन ने उन्हें इस फिल्म में नहीं लिया. शरवरी ने गलाटा प्लस को दिए इंटरव्यू में बताया, लव रंजन ने कहा था- 'मुझे नहीं लगता कि तुम इसके लिए फिट हो और तुम इस उम्र की भी नहीं हो, तुम्हारी उम्र इस रोल के लिए काफी कम है'. उन्हें मेरा ऑडिशन पसंद आया. फिर मैंने उनसे पूछा, 'मैं कभी फिल्म के सेट पर नहीं गई, इसलिए क्या मैं आपकी कोई और हेल्प कर सकती हूं.' उन्होंने कहा जरूर. शरवरी ने डिटेल से बताया कि जब लव ने उनसे पूछा कि वो किस तरह की असिसटेंट डायरेक्टर बनना चाहती हैं तो उस समय उन्हें कोई आइडिया नहीं था. इसके बाद लव रंजन ने उन्हें शुरुआत में डायरेक्टर की असिस्टेंट यानी (DA) के काम पर रख लिया था.

क्लैप एडी की नौकरी सबसे अच्छी है- शरवरी

शरवरी ने आगे कहा, मैंने इस दौरान लव सर के साथ हर दिन काम किया, शेड्यूलिंग से लेकर म्यूजिक तक मैं अपनी किताब के साथ वहां मौजूद रहती थी और चीजों को समझने की कोशिश करती थी और फिर जब हम सेट पर जाते थे तो मैं क्लैप एडी बन जाती थी.

लता मंगेशकर ने एक ही दिन में रिकॉर्ड किए थे 8 गाने, सलमान खान की 'मैंने प्यार किया' से जुड़ी ये पांच बातें आप नहीं जानते होंगे

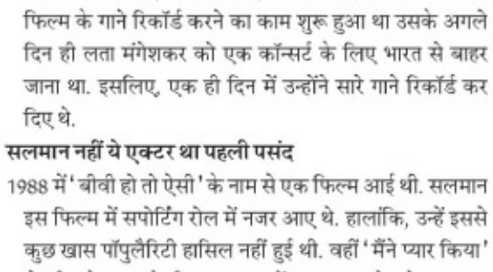

साल 1989 में सूरज बड़जात्या के डायरेक्शन में 'मैंने प्यार किया' नाम की फिल्म आई थी. इस फिल्म के जरिए सलमान ने बतौर लीड एक्टर डेब्यू किया था. फिल्म में उनके अपोजिट भाग्यश्री दिखी थीं. ये उनकी भी पहली ही फिल्म थी. इस फिल्म को रिलीज हुए 35 साल हो चुके हैं. हालांकि, अब भी भाईजान के चाहने वालों के दिलों में इस फिल्म की एक खास जगह है. फैन्स के उसी प्यार को देखते हुए इस पिक्चर को एक बार फिर से रिलीज किया गया है.'मैंने प्यार किया' 23 अगस्त को दोबारा थिएटर्स में लगी है. इसे पीवीआर, आईनॉक्स और सिनेपॉलिस के कुछ सिलेक्टेड सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है. इस वजह से ये फिल्म एक बार फिर से चर्चा में है. इस मौके पर चलिए आज हम आपको इस पिक्चर से जुड़ी कुछ खास बातें बताते हैं.

लता मंगेशकर ने एक दिन में गाए थे सारे गाने

इस फिल्म के साथ-साथ इसके सारे गाने भी काफी पॉपुलर हुए थे. दिग्गज सिंगर लता मंगेशकर ने इस फिल्म के 8 गानों को अपनी आवाज दी थी. हालांकि, खास बात ये है कि उन्होंने सारे गाने एक ही दिन में गा दिए थे. दरअसल, बताया जाता है कि जिस दिन फिल्म के गाने रिकॉर्ड करने का काम शुरू हुआ था उसके अगले दिन ही लता मंगेशकर को एक कॉन्सर्ट के लिए भारत से बाहर जाना था. इसलिए, एक ही दिन में उन्होंने सारे गाने रिकॉर्ड कर दिए थे.

सलमान नहीं ये एक्टर था पहली पसंद

1988 में 'बीवी हो तो ऐसी' के नाम से एक फिल्म आई थी. सलमान इस फिल्म में सपोर्टिंग रोल में नजर आए थे. हालांकि, उन्हें इससे कुछ खास पॉपुलैरिटी हासिल नहीं हुई थी. वहीं 'मैंने प्यार किया' से लीड डेब्यू करते ही सलमान रातोंरात छा गए थे. वो स्टार बन गए थे, लेकिन वो इस फिल्म के लिए डायरेक्टर की पहली पसंद नहीं थे. IMDB पर छपी ट्रिविया के मुताबिक एक्टर फराज खान को इस फिल्म के लिए साइन किया था. हालांकि, फिर वो काफी बीमार पड़ गए थे. उनकी तबीयत ज्यादा खराब हो गई थी. उसके बाद उन्हें इस फिल्म से रिप्लेस कर दिया गया था. ऐसा बताया जाता है कि इस फिल्म के लिए विंदू दारा सिंह और पीयूष मिश्रा के नाम पर भी विचार हुआ था.

अंबानी से श्रद्धा कपूर तक, भोजपुरी गानों पर पवन सिंह ने सबको नचा डाला

जिसकी आप लोगों ने कल्पना भी नहीं की होगी, उसको भी नचाऊंगा भोजपुरी में. ये भाजपुरी स्टार पवन सिंह का वो वादा है, जिसे उन्होंने पूरा कर दिखाया है. हिंदी सिनेमा के सलमान खान, शाहरुख खान और आमिर खान जैसी ही फैन फॉलोइंग भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार पवन सिंह की है. एक्टर और सिंगर के चाहनेवाले तो अपने इस फेवरेट एक्टर को भोजपुरी का सलमान खान भी कहते हैं. 'ओढ़निया वाली' और 'लॉलीपॉप लागेलु' जैसी एल्बम से मशहूर हुए पवन सिंह का आज भोजपुरी इंडस्ट्री में सिक्का चलता है. एक्टर अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी विवादों में भी रहते हैं.लेकिन सालों पहले पवन सिंह ने अपने चाहनेवालों से एक ऐसा वादा कर दिया था, जिसे सुनने के बाद हर कोई सोच में पड़ गया था. आमतौर पर बॉलीवुड के बड़े-बड़े स्टार्स भोजपुरी इंडस्ट्री की फिल्में और गाने करने में कतराते हैं. लेकिन पवन सिंह, निरहुआ और खेसाली लाल यादव समेत कई स्टार्स ने इस इंडस्ट्री का लेवल अब काफी हाई कर दिया है. भोजपुरी सिनेमा ने रवि किशन जैसे बड़े सितारे भी इंडस्ट्री को दिए हैं. लेकिन जब अपने एक स्टेज परफॉर्मेंस के दौरान पवन सिंह ने बड़ी-बड़ी हस्तियों को अपने गानों पर नचाने की बात कही, तो हर कोई उस बात को हल्के में लेकर भूल गया.

पवन सिंह का वो पुराना वादा

हालांकि पवन सिंह ने जो कहा, वो करके भी दिखाया. सोशल मीडिया पर इस वक्त एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है. इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि अपने हजारों फैन्स के सामने पवन सिंह कहते हैं, आज मैं ये अनाउंस कर रहा हूं इस मंच पर, जो आप लोगों ने भी कल्पना नहीं की होगी, उसको भी नचाऊंगा भोजपुरी में. अब भला किसी ने सोचा होगा कि पवन सिंह के गाने पर श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव भी थिरकेंगे. सिनेमाघरों में इस वक्त 'स्त्री 2' का जलवा देखने को मिल रहा है. इस फिल्म ने जहां दुनियाभर में 400 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर लिया है, वहीं दूसरी ओर फिल्म में पवन सिंह का गाना 'आई नहीं' रिलीज के साथ ट्रेंडिंग में बना हुआ है.

'स्त्री 2' में पवन सिंह का गाना धूम मचा रहा है

'स्त्री 2' की रिलीज से पहले शानदार तरीके से पवन सिंह के इस गाने को रिलीज किया गया था. लॉन्च के दौरान पवन सिंह भी वहां मौजूद थे और उनके गाने पर श्रद्धा और राजकुमार थिरकते नजर आए थे.